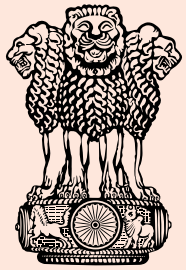

भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

का

निष्कर्ष बजट

2015-2016

भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

का

निष्कर्ष बजट

2015-2016

विषय-सूची

अध्याय सं.	विषय	पृष्ठ सं.
	निष्पादन सारांश	**I-II**
I.	**प्रस्तावना**	**1-6**
	1. कार्य	**1**
	2. संगठन	**1-2**
	3. सरकारी क्षेत्र के उपक्रम	**2-6**
	4. लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास	**6**
II.	**प्रमुख स्कीमों का वर्ष 2015-2016 के लिए निष्कर्ष बजट**	**7-23**
	1. सरकारी बजटीय सहायता के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं/ स्कीमों के संबंध में सामान्य बचत/ लौटाई गई अप्रयुक्त निधि	**23**
III.	**सुधार उपाय और नीतिगत पहल**	**24-33**
	1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण	**24-26**
	2. इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल	**26-33**
	3. नई राष्ट्रीय इस्पात नीति	**33**
IV.	**निष्कर्ष बजट 2013-14 और 2014-15 के पिछले स्कीम निष्पादन की समीक्षा**	**34-74**
V.	**वित्तीय समीक्षा**	**75-82**
	1. वर्ष 2015-2016 में निधि की कुल आवश्यकता	**75**
	2. वास्तविक व्यय - 2012-13 से 2014-15	**75**
	3. गैर-योजना व्यय	**76**
	4. योजना व्यय	**76-77**
	5. आर एंड डी स्कीम का सार	**77-78**
	6. वर्ष 2015-16 (बजट अनुमान) के वार्षिक योजना परिव्यय	**78-80**
	7. 12वीं पंचवर्षीय योजना में सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) का वर्ष-वार विश्लेषण	**81**
	8. वर्ष 2014-15 के दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय	**82**
	9. बकाया समुपयोजन प्रमाण पत्रों की स्थिति	**82**

निष्पादन सारांश

इस्पात मंत्रालय का निष्कर्ष बजट मंत्रालय की विशिष्ट भूमिका और उद्देश्यों, इसके कार्यक्रमों, परियोजनाओं, उद्देश्यों की पूर्ति के लिए शुरू की गई स्कीमों और गतिविधियों तथा इस्पात मंत्रालय और मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के निष्कर्ष पर प्रकाश डालता है। इस दस्तावेज में पिछले वर्षों के लिए वास्तविक और वित्तीय लक्ष्यों, उपलब्धियों और चालू वर्ष 2015-2016 के लिए अनुमानों का विवरण भी दिया गया है।

अध्याय-I में इस्पात मंत्रालय के संगठनात्मक ढांचे और उद्देश्यों, कार्यक्रमों के वर्गीकरण और इनसे सम्बद्ध कार्यान्वयन एजेंसियों की संक्षिप्त जानकारी दी गई है।

अध्याय-II में मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख स्कीमों और परियोजनाओं के संबंध में परिव्यय तथा निष्कर्षों/लक्ष्यों का विवरण दिया गया है। चूंकि, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की स्कीमों और परियोजनाओं की संख्या बहुत अधिक हैं तथा प्रकृति में भिन्न-भिन्न हैं और अधिकांशत: उनके दिन-प्रतिदिन के प्रचालनों से संबंधित हैं, अत: 50 करोड़ रूपए और इससे अधिक अनुमानित/मंजूर लागत वाली केवल प्रमुख स्कीमों को ही इस विवरण में शामिल किया गया है। वर्ष 2015-2016 के लिए ऐसी 40 प्रमुख योजनाओं को निष्कर्ष बजट विवरण में शामिल किया गया है। 40 योजना स्कीमों में से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (12 स्कीमें), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (21), मॉयल लिमिटेड (02), नेशनल मिनिरलस् डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (एनएमडीसी लिमिटेड) (04) का क्रियान्वयन चल रहा है। इन स्कीमों पर होने वाला पूरा व्यय संबंधित उपक्रमों के आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ईबीआर) से पूरा किया जाएगा तथा शेष 01 स्कीम लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए है, जिसे योजना बजटीय सहायता से कार्यान्वित किया जाएगा। इन 40 प्रमुख योजनाओं के संबंध में अनुमानित/मंजूर लागत, वर्ष 2015-2016 के लिए परिव्यय, प्रक्रियाओं/टाइमलाइन्स, जोखिम घटकों, अनुमानित वास्तविक उत्पादन तथा अनुमानित निष्कर्ष इस विवरण में दिए गए हैं।

अध्याय-III में इस्पात मंत्रालय द्वारा किए गए सुधारात्मक उपायों और नीतिपरक पहलों का विवरण दिया गया है। इस अध्याय में सरकार घरेलू भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग के विकास के लिए उदारीकरण के बाद किए गए महत्वपूर्ण नीतिपरक उपायों का ब्यौरा दिया गया है। इस संबंध में इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई एक महत्वूपर्ण नीतिपरक पहल राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2005 की घोषणा है। वर्ष 2025 तक इस्पात के 300 एमटीपीए उत्पादन लक्ष्य की प्राप्ति हेतु इस्पात उद्योग के विकास के लिए विद्यमान राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 के स्थान पर नई राष्ट्रीय इस्पात नीति का प्रारूप तैयार किया जा रहा है। राष्ट्रीय इस्पात नीति का दीर्घकालिक लक्ष्य घरेलू इस्पात उद्योग को विविधीकृत इस्पात मांग को पूरा करने वाला विश्वस्तरीय मानकों

का आधुनिक और क्षमतावान इस्पात उद्योग बनाना है। इस नीति में न केवल लागत, गुणवत्ता तथा उत्पाद मिश्र की दृष्टि से अपितु दक्षता तथा उत्पादकता के वैश्विक मानकों की दृष्टि से भी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने पर जोर दिया गया है। इस अध्याय में उन प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है, जिनके संबंध में भारत को लोहा और इस्पात क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए सहायक उपाय किए जाने/नीतियां बनाए जाने की जरूरत है।

अध्याय-IV में इस्पात मंत्रालय की योजना गत स्कीमों और सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की 50 करोड़ अथवा इससे अधिक की अनुमानित/स्वीकृत लागत वाली बड़ी स्कीमों और परियोजनाओं की विगत निष्पादन की समीक्षा दी गई है, जिसके तहत वर्ष 2013-14 और वर्ष 2014-15 के निष्कर्ष बजट में प्रक्षेपित निष्कर्ष/ लक्ष्य दिये गये है। निष्कर्ष बजट 2013-14 में शामिल 45 बड़ी योजनागत स्कीमों और वर्ष 2014-15 में शामिल 39 स्कीमों के संबंध में निर्दिष्ट निष्कर्षों की तुलना में वास्तविक उपलब्धि उजागर की गई है।

अध्याय-V में इस्पात मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों और इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों/संगठनों के वित्तीय परिव्यय तथा वित्तीय आवश्यकताओं का ब्यौरा दिया गया है। बजट अनुमान (बीई) 2014-15 में 92.92 करोड़ रूपए तथा संशोधित अनुमान (आरई) 2014-15 में 78.10 करोड़ रूपए के बजटीय प्रावधान (कुल) की तुलना में बजट अनुमान 2015-2016 में इस्पात मंत्रालय के लिए मांग संख्या-95 के तहत 88.13 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। बजट अनुमान (बीई) 2015-16 में 13085.47 करोड़ रूपए (आई एंड ईबीआर: 13070.47 करोड़ रूपए तथा योजना सकल बजटीय सहायता: 15.00 करोड़ रूपये) का प्रावधान किया गया है। बजट अनुमान/संशोधित अनुमान 2014-15 की तुलना में व्यय के समग्र रुख तथा वित्तीय वर्ष 2015-16 के बजट अनुमान इस अध्याय में दर्शाए गए हैं।

अध्याय - I

प्रस्तावना

1. **कार्य**

इस्पात मंत्रालय के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:-

क) सरकारी और निजी क्षेत्रों में स्टील संयंत्रों, री-रॉलिंग उद्योग और फेरो-एलॉय का विकास
ख) लोहा और इस्पात तथा फेरो एलॉयज के उत्पादन, वितरण और मूल्य निर्धारण से जुड़ी नीतियों को तैयार करना
ग) सार्वजनिक क्षेत्र में लौह अयस्क की खानों और मैंगनीज अयस्क, क्रोम अयस्क, लाइमस्टोन जैसे अन्य अयस्क खानों और लोहा एवं इस्पात उद्योग में उपयोग होने वाले अन्य खनिजों का विकास (लेकिन खदान पट्टे या इससे जुड़े अन्य मामलों को छोड़कर)
घ) देश में इस्पात के सभी उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच बातचीत के लिए एक मंच उपलब्ध कराना
ङ) इस्पात उद्योग द्वारा जरूरी बुनियादी ढ़ांचा और अन्य संबंधित सुविधाओं की पहचान
च) 8 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू), उनकी सहायक इकाइयों तथा इंटरनेशनल कोल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (आईसीवीएल) के नाम से ज्ञात एक स्पेशल पर्पज व्हीकल (संयुक्त उद्यम कंपनी) के निष्पादन की निगरानी करना।

इस्पात मंत्रालय - इस्पात उद्योग के विकास के लिए मददकर्ता

इस्पात मंत्रालय से भारत में इस्पात क्षेत्र के सुव्यवस्थित एवं एकीकृत उत्थान के लिए निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। इस्पात एक महत्वपूर्ण क्षेत्र होने के कारण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के स्तर को प्राप्त करने के लिए इस्पात क्षेत्र का सतत् उत्थान पूर्वापेक्षित है। इस्पात उद्योग का अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के साथ अग्रगामी एवं पश्चगामी सम्बन्ध हैं और इसलिए इसकी अपनी स्वयं की विकास पद्धति अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों विशेषकर अवसंरचना विकास, रियल एस्टेट्स, ऑटो मोबाइल/ऑटो कम्पोनेट्स इत्यादि से प्रभावित होती है। घरेलू इस्पात क्षेत्र जिस माहौल में काम करता है, उसके लिए इस्पात मंत्रालय से एक प्रोत्साहक की भूमिका विशेषतया एक सुविधादाता के रूप मे भूमिका निभाने की अपेक्षा की जाती है, ताकि कच्चे माल की उपलब्धता, अवसंरचना विकास जैसी अड़चनों को दूर किया जा सके और उपयुक्त नीति बनाने तथा उनका क्रियान्वयन करने के लिए सरकार के अन्य संबंधित मंत्रालयों और विभागों से विचार-विमर्श किया जा सकें।

2. **संगठन**

इस्पात मंत्रालय का नेतृत्व केन्द्रीय इस्पात मंत्री और इस्पात राज्य मंत्री द्वारा किया जाता है। इनकी सहायता के लिए एक सचिव, भारत सरकार, एक अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, तीन संयुक्त सचिव, एक आर्थिक सलाहकार, एक मुख्य लेखा नियंत्रक, सात निदेशक, दो उप सचिव तथा अन्य अधिकारी एवं सहायक कर्मचारी कार्यरत हैं। लोहा और इस्पात उद्योग से संबंधित तकनीकी मामलों को देखने के लिए अलग से एक तकनीकी स्कंध है।

क्षेत्र के नियंत्रणमुक्त बनने से पहले इस्पात मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय नामत :विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात का कार्यालय (डीसीआई एण्ड एस) था, जो कोलकाता में स्थित था। व्यय सुधार आयोग की सिफारिशों के आधार पर डीसीआई एण्ड एस के चारों क्षेत्रीय कार्यालयों को दिनांक 23.5.2003 से बंद करने का प्रशासनिक निर्णय लिया गया था।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कोई सांविधिक अथवा स्वायत्त निकाय नहीं है।

3. **<u>सरकारी क्षेत्र के उपक्रम</u>**

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में सरकारी क्षेत्र के निम्नलिखित उपक्रम हैं:-

1. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), नई दिल्ली
2. राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल), विशाखापट्टनम
3. एन एम डी सी लिमिटेड, हैदराबाद
4. मॉयल लिमिटेड, नागपुर
5. केआईओसीएल लिमिटेड, बंगलौर
6. हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड, (एच एस सी एल), कोलकाता
7. मेकॉन लिमिटेड, रांची
8. एम एस टी सी लिमिटेड, कोलकाता

(।) **स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल)** (इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 में पंजीकृत कार्यालय) के समग्र नियंत्रणाधीन निम्नलिखित इकाइयां हैं:-

(क) बोकारो इस्पात संयंत्र, बोकारो (झारखंड)
(ख) भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई (छत्तीसगढ़)
(ग) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)
(घ) राउरकेला इस्पात संयंत्र, राउरकेला (उड़ीसा)
(ङ) एलॉय स्टील्स प्लांट, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)
(च) सेलम इस्पात संयंत्र, सेलम (तमिलनाडु)
(छ) इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर
(ज) विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र, भद्रावती (कर्नाटक)
(झ) केन्द्रीय विपणन संगठन, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
(ञ) लोहा और इस्पात संबंधी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, रांची (झारखंड)
(ट) कच्चा माल प्रभाग, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
(ठ) इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र, रांची (झारखंड)
(ड) निगमित कार्यालय, नई दिल्ली
(ढ) सेल रिफ्रेक्टरी यूनिट, और

(ण) पूर्व महाराष्ट्र इलेक्ट्रोस्मैल्टस लिमिटेड

इसके अतिरिक्त, सेल ने मैसर्स बर्न स्टेंडर्ड कम्पनी लिमिटेड की सेलम रिफ्रेक्टरी यूनिट को मिलाने के लिए एक नई सहायक कम्पनी नामत: सेल रिफ्रैक्टरीज कम्पनी लिमिटेड (एसआरसीएल) निगमित की है।

सेल अपनी हॉट मेटल उत्पादन क्षमता को अपनी विस्तार एवं आधुनिकीकरण के वर्तमान चरण-1 के अंतर्गत 13.82 मिलियिन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 23.46 मिलियन टन तक बढ़ा रहा है, जिसके वित्तीय वर्ष 2015-16 में पूरा होने की आशा है। इसने अपनी क्षमता को वर्ष 2025 तक और आगे 50 मिलियन टन तक बढ़ाने की योजना बनाई है।

(।।) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल) (पंजीकृत कार्यालय "ए" ब्लॉक, विशाखापट्टणम 530031 में है) भारत में स्थापित प्रथम तटीय आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। कंपनी के 3.0 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तरल इस्पात क्षमता वाले इस तट आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र को वर्ष 1992 में चालू किया गया था। इसे स्टेट आफ आर्ट टैक्नोलोजी के अंतर्राष्ट्रीय स्तर से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है। इसमें विस्तृत विद्युत बचत तथा प्रदूषण नियंत्रण उपाय शामिल हैं। कंपनी ने वर्ष 2032-33 तक चरणों में 20 मिलियन टन तक पहुँचने के लक्ष्य के साथ अपनी निगमित योजना तैयार की है और 3.0 मिलियन टन से 6.3 मिलियन टन तरल इस्पात उत्पादन करने के विस्तार संबंधी प्रथम चरण को पूरा कर लिया है। इस परियोजना की समग्र लागत आंतरिक संसाधनों से पूरी की जाएगी तथा सरकार से बजटीय सहायता प्राप्त नहीं होगी।

सरकार के अनुमोदन के अनुसार, पूर्व बर्ड ग्रुप ऑफ कम्पनीज के अधीन तीन प्रचालनरत कम्पनियां नामश: ईस्टर्न इनवेस्टमेंटस लिमिटेड (ईआईएल), बिसरा स्टोन लाईम कम्पनी लिमिटेड (बीएसएलसी) और उड़ीसा मिनिरल डेवलेपमेंट कम्पनी (ओएमडीसी) दिनांक 19.03.2010 से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम बन गये है तथा ये अब आरआईएनएल की सहायक कम्पनियां है।

(।।।) एनएमडीसी लिमिटेड: कंपनी की स्थापना एक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के रूप में 15 नवंबर 1958 को हुई थी और यह देश में लौह अयस्क और हीरों का उत्पादन करने वाला एकमात्र सबसे बड़ा उत्पादक है तथा कंपनी डोलोमाइट, चूना पत्थर, मैग्नेसाइट, आदि जैसे अन्य विभिन्न खनिजों की खोज, उनके विकास और उनके दोहन के कार्य में लगी हुई है। एनएमडीसी बड़ी यांत्रिकीकृत लौह अयस्क खानों के रूप में बैलाडिला लौह अयस्क खान, किरनदुल परिसर में डिपॉजिट-14 और डिपॉजिट-11सी खानों का प्रचालन कर रही है, छत्तीसगढ़ राज्य के बछेली कॉम्प्लेक्स में डिपॉजिट-5, डिपॉजिट-10 एवं 11ए का प्रचालन कर रही हैं और कर्नाटक में दोणीमल्लै लौह अयस्क खान का प्रचालन कर रही है। एनएमडीसी के पास पन्ना, मध्य प्रदेश में भारत की एक मात्र यांत्रिकीकृत हीरे की खान है। लौह अयस्क की मांग की पूर्ति के लिए एनएमडीसी बड़े पैमाने पर अपना विस्तार करने पर विचार कर रही है। कर्नाटक में किरनदुल, बैलाडिला स्थित डिपॉजिट-11बी खान और दोणीमल्लै में कुमारास्वामी खान परियोजनाएं प्रगति पर हैं।

एनएमडीसी ने वर्ष 2014-15 तक 34 एमटीपीए, वर्ष 2018-19 तक 75 एमटीपीए और वर्ष 2024-25 तक 100 एमटीपीए लौह अयस्क का उत्पादन करने की योजना बनाई है। कंपनी विद्यमान खानों से लगभग 78 एमटीपीए का ही उत्पादन कर सकती है और इसे अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए अतिरिक्त खानों में उत्पादन करना आवश्यक होगा।

ग्रीनफील्ड विस्तार/विविधीकरण कार्यक्रम के भाग के रूप में एनएमडीसी नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता वाला एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना कर रहा है। अनुमान है कि इस परियोजना की लागत लगभग 15525 करोड़ रूपए होगी।

कंपनी 572 करोड रूपये की अनुमानित लागत से दोणिमल्लै मे एक पैलेट संयंत्र की भी स्थापना कर रही है जिसके जून, 2015 तक कमीशन हो जाने की संभावना है।

एनएमडीसी ने कर्नाटक में विंड मिल की स्थापना करके नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपने कार्यो का विस्तार किया है और कंपनी सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी संभावनायें तलाश रही है। एनएमडीसी ने कोयला, रॉक फास्फेट, लाईम स्टोन, गोल्ड और डायमण्ड के क्षेत्र में होरिजेंटल इंटीग्रेशन के जरिये अपने व्यापार का विस्तार करने की योजना बनाई है।

कंपनी की पर्थ, आस्ट्रेलिया स्थित लिगेसी आयरन लिमिटेड, जो कि एएसएक्स सूची बद्ध एक कंपनी है, में 78.56 प्रतिशत की शेयर धारिता है। लिगेसी की पश्चिमी आस्ट्रेलिया में हावथोर्न रिसोर्सेज लिमिटेड की माउण्ट बेवन लोह अयस्क परियोजना में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

12 एमटी/प्रतिवर्ष अतिरिक्त क्षमता की निकासी के लिए एनएमडीसी ने किरनडुल से जगदलपुर तक 150 किमी रेलवे लाइन के दोहरीकरण के लिए रेलवे के साथ भी समझौता ज्ञापन सम्पन्न किया है।

(IV) मॉयल लिमिटेड: कंपनी वर्ष 1962 मे बनाई गई थी (पंजीकृत कार्यालय, मॉयल भवन, 1 ए काटोल रोड, नागपुर-440013)। यह उच्च ग्रेड के मैंगनीज अयस्क का उत्पादक करने वाली सबसे बडी कंपनी है, जो कि इस्पात विनिर्माण हेतु अनिवार्य आदान सामग्री फैरो अलॉय के निर्माण के लिए एक आधारभूत सामग्री है। उच्च ग्रेड के मैगनीज और डाई आक्साईड अयस्क के संबंध में घरेलू मांग में वृद्धि को देखते हुए कंपनी ने अपने खानों के विकास और आधुनिकीकरण के लिए अपने खानों की संख्या बढ़ाने के लिए तथा वर्ष 2020-21 तक उत्पादन क्षमता को 1.1 मिलियन टन से बढ़ाकर 2.0 मिलियन टन तक बढाने के लिए विविध पूँजीगत स्कीमों को आरम्भ किया है। व्यापार की मात्रा और लाभप्रदता बढाने के लिए मॉयल ने 90 के दशक के दौरान मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में अपने कार्यकलापों का विस्तार किया है। विविधीकरण के एक भाग के रूप में कंपनी ने वर्ष 1991 में इलेक्ट्रोलाइटिक मैंगनीज डाइऑक्साइड के विनिर्माण के लिए एक परियोजना स्थापित की थी और वर्ष 1998 के दौरान मध्य प्रदेश के बालाघाट में 10000 एमटी क्षमता का एक फैरो मैंगनीज संयंत्र स्थापित किया था। इसके अलावा, कंपनी के पास मध्य प्रदेश में नागदा हिल्स में 20 मेगावाट क्षमता की विंड पावर इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन यूनिट भी है।

कंपनी के प्रचालन में विस्तार को मद्देनजर रखते हुए मॉयल ने प्रमुखत: इन कंपनियों में फैरो मिश्र की आवश्यकता को पूरा करने के लिए फैरो मिश्र उत्पादन की यूनिट की स्थापना हेतु सेल और आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित किए हैं। प्रारम्भिक अनुमानों के मुताविक इस परियोजना की कुल लागत लगभग 600 करोड़ रूपये है और मॉयल की निवेश हिस्सेदारी अनुमानत: लगभग 150 करोड़ रूपये होगी। फैरो मिश्र

उत्पादन के लिए आवश्यक घटक विद्युत की लागत में वृद्धि के मद्देनजर सस्ती दरों में विद्युत प्राप्त करने की सम्भावनाओं का पता लगाया जा रहा है, ताकि परियोजना के क्रियान्वयन में आगे बढ़ा जा सकें।

(V) केआईओसीएल लिमिटेड (पंजीकृत कार्यालय, 11 ब्लॉक, कोरमंगला, बंगलौर-560034 में है) कुद्रेमुख में खनन कार्यों के साथ 100% निर्यातोन्मुख यूनिट (ईओयू) के रूप में पूर्ण रूप से सरकारी कम्पनी के रूप में वर्ष 1976 में स्थापित की गई थी। वर्ष 1980 में, 7.50 एमटीपीए लौह अयस्क की क्षमता के साथ कुद्रेमुख में एक बेनिफिसिएशन प्लाँट स्थापित किया गया था। वर्ष 1987 मे, 3 एमटीपीए क्षमता के साथ मंगलोर में एक पेलेट प्लाँट स्थापित किया गया था और बाद में इसकी क्षमता बढ़ाकर 3.5 एमटीपीए कर दी गई थी। वर्ष 2001 में एक संयुक्त उद्यम नामत: केआईएससीओ के अधीन मंगलोर में पिग ऑयरन प्लांट स्थापित किया गया था जिसका अब 01.04.2007 से केआईओसीएल के साथ विलय हो गया है। आर्थिक दृष्टि से अव्यवहार्य स्थितियों के कारण ब्लास्ट फर्नेस का परिचालन 05.08.2009 से रोक दिया गया है। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार केआईओसीएल लिमिटेड का खनन कार्य दिनांक 01.01.2006 से रोक दिया गया था। वर्तमान में केआईओसीएल मुख्य रूप से मंगलोर में पेलेट संयंत्र का प्रचालन बाजार से लौह अयस्क प्राप्त करके कर रहा है।

(VI) हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) : हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन वर्ष 1964 में स्थापित सार्वजनिक क्षेत्र की एक बड़ी निर्माण एजेन्सी है। इसे निगमित करने का उद्देश्य देश में एकीकृत इस्पात संयंत्रों की स्थापना के लिए स्वदेशी क्षमता सृजित करना है। इस संगठन ने सक्षम मानव संसाधनों को एकत्र करके और विकसित निर्माण उपस्करों का बेड़ा जुटा कर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना किया है। तब से कंपनी लगातार प्रगति हासिल करती रही है और बाद के वर्षों में एचएससीएल ने भारत में लगभग प्रत्येक बड़े इस्पात संयंत्र की स्थापना में वृहत योगदान दिया है। ग्रामीण सड़कों के निर्माण में कंपनी ने पीएमजीएसवाई के तहत त्रिपुरा उत्तर पूर्व राज्य में भारत सरकार के भारत निर्माण कार्यक्रम में भी भागीदारी की है। वहां एचएससीएल डीपीआर तैयार करने से लेकर निर्माण पश्चात् पांच वर्षों के लिए सड़कों के अनुरक्षण की जिम्मेदारी के साथ एक परियोजना क्रियान्वयन यूनिट के रूप में कार्य करता रहा है। कंपनी त्रिपुरा राज्य में पीएमजीएसवाई के तहत 1073 किलोमीटर और झारखण्ड में 2543 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण कर रही है। पीएमजीएसवाई के तहत कार्य का मूल्य वर्तमान में 2100 करोड़ रूपए है जिसके एनआरआरडीए के अनुमोदनार्थ प्रतीक्षित डीपीआर के प्राप्त हो जाने पर बढ़ जाने की संभावना है।

(VII) मेकॉन लिमिटेड : (जिसका पंजीकृत कार्यालय मेकॉन बिल्डिंग, पो.ओ. हीनू, रॉची-834002 में स्थापित है) देश में पहला परामर्शी और इंजीनियरी संगठन है जिसे आई एस ओ : 9001-2008 मान्यता प्राप्त है तथा जो वर्ल्ड बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक, यूरोपियन बैंक ऑफ रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट, अफ्रीकन डेवलपमेंट बैंक (एएफडीबी) तथा यूनाइटेड नेशन्स इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन में पंजीकृत है। यह कंपनी मेटल, विद्युत, तेल एवं गैस और अवसंरचना के क्षेत्र में अग्रणी बहुविधिक डिजाइन, इंजीनियरिंग, परामर्शी और ठेका संगठन हैं। कंपनी का उद्देश्य अवधारणा से लेकर कमीशनिंग करने तक तकनीकी परामर्श-

डिजाइन एवं इंजीनियरी, संयंत्र की डिजाइन एवं आपूर्ति, उपस्कर एवं प्रणालियां प्रदान करना और नए औद्योगिक कंपनियों का क्रियान्वयन करना है।

वर्तमान में मेकॉन सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में भारत की लगभग सभी बड़ी स्टील परियोजनाओं में शामिल है। कंपनी विद्युत, तेल एवं गैस और अवसंरचना के विविध क्षेत्रों में संलग्न हैं तथा साथ ही सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के तहत बड़े कार्यों में संलिप्त है।

मेकॉन ने भारत के साथ मिलकर इंडोनेशिया, कतार, साउदी अरब, ओमान, यूएई, वियतनाम, अमेरिका इत्यादि विभिन्न देशों में लगभग 130 परियोजनाओं में गुणवत्ता डिजाइन और इंजीनियरी एवं परामर्शी सेवाएं प्रदान करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में अपने पंख फैलाए हैं।

(VIII) एम एस टी सी लिमिटेड : (पंजीकृत कार्यालय, 225 सी, एजेसी बोस रोड, कोलकाता-700020)। इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है। यह भारत सरकार का एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान है। पहले यह लघु इस्पात संयंत्रों को वितरण के लिए कार्बन इस्पात गलन स्क्रैप का आयात करने वाली माध्यम एजेंसी के रूप में नामित थी । इसका मुख्यालय कोलकात्ता में स्थित है। इस कंपनी का माध्यम एजेंसी का स्वरूप फरवरी, 1992 से समाप्त हो गया। अब यह अन्य निजी व्यावसायिक कंपनियों की तरह पूर्णत: स्वतंत्र एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में काम कर रही है। कंपनी ट्रेडिंग कार्यकलाप, ई-कॉमर्स, लौह एवं अलौह स्क्रैप और सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और रक्षा मंत्रालय सहित सरकारी विभागों में उत्पन्न होने वाले अधिशेष भंडारों का निपटान कार्य देखती है। एमएसटीसी फैरो स्क्रेप निगम लि. (एफएसएनएल) की धारक कंपनी है जिसके 100% प्रदत्त इक्विटी हिस्सा एमएसटीसी द्वारा धारित है।

4. <u>लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास</u> (आरएंडडी)

भारतीय इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के कार्य मुख्य रूप से बड़े इस्पात संयंत्रों और कुछेक राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं यथा नेशनल मेटलर्जिकल लेबोरेटरी (एनएमएल), जमशेदपुर और इस्टीट्यूट ऑफ मिनिरल्स एंड मेटेरिएल्स टेक्नोलोजी (आईएमएमटी), भुनेश्वर द्वारा किया जाता है। अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में मुख्य रूप से उद्योग द्वारा दिन-प्रतिदिन सामना की जा रही समस्याओं के निवारण के लिए अल्प कालीन पहल निहित है जहां कि नये/विघटनकारी प्रौद्योंगिकियों के विकास पर कम से कम जोर दिया जाता है। परिणामत: आर एण्ड डी में इस्पात कम्पनियों के टर्न ओवर का 0.15-0.30 प्रतिशत के रूप में बहुत कम निवेश होता है जबकि विदेशों की प्रतिष्ठित इस्पात कंपनियों में यह 1-2 प्रतिशत है। इस्पात मंत्रालय अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में खर्च में वृद्धि करने के लिए योजनागत निधि और इस्पात विकास निधि से वित्तीय सहायता के साथ 02 स्कीमों पर कार्रवाई कर रहा है।

******

अध्याय-II

प्रमुख स्कीमों का वर्ष 2015-2016 के लिए निष्कर्ष बजट

कार्यक्रमों के अवधारणात्मक, रूपांकन और कार्यान्वयन को निष्कर्षोन्मुखी बनाकर विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 2005-06 में निष्कर्ष बजट की अवधारणा शुरू की गई थी। यह इस अवधारणा पर आधारित है कि परिव्यय अनिवार्य रूप से निष्कर्ष नहीं होतें। निष्कर्ष बजट का अभिप्राय न केवल मध्यवर्ती वास्तविक उत्पादन, जिसे अधिक तात्कालिक ढंग से मापा जा सकता है, को ट्रैक करना है, बल्कि सरकार के हस्तक्षेप के अन्तिम उद्देश्य का निष्कर्ष है। इसके लिए सुदृढ़ परियोजना/कार्यक्रम बनाने, मूल्यांकन क्षमताओं के साथ-साथ प्रभावी सुपुर्दगी प्रणालियों की आवश्यकता होती है। सम्पूर्ण कार्रवाई को मानिटर करने, योग्य बनाकर सुपुर्दगी की यूनिट लागत की बेंच-मार्किंग सहित निष्कर्ष विकास को मापने योग्य परिभाषित करना है। इसके लिए भौतिक परिसंपतियों के बेहतर उपयोग की आवश्यकता है और प्रभावी मानीटरिंग सहित परियोजना प्रबंधन और कार्यक्रम कार्यान्वयन में सुधार करने के लिए कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसलिए, निष्कर्ष बजट सभी प्रमुख कार्यक्रमों के विकास निष्कर्ष को मापने के लिए तंत्र तैयार करने का एक प्रयास है।

11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित घरेलू लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए शामिल किया गया है। इसे 12वीं पचवर्षीय योजना में शामिल किया गया है जिसके लिए 200 करोड़ रूपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। इस स्कीम के तहत कुल 10 (दस) आर एण्ड डी परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। 12वीं पचवर्षीय योजना के दौरान दिसम्बर, 2014 तक इस स्कीम के अधीन कुल 34.63 करोड़ रूपये की संचित धनराशि जारी की गई है।

बजट अनुमान 2015-16, जो 12वीं पचवर्षीय योजना (2012-17) का चौथा वर्ष है, में स्कीम हेतु 15.00 करोड रुपये निर्धारित किए गए हैं। नए घटक अर्थात कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरियेंटेड (कार्गो) स्टील शीट्स के लिए प्रौद्योगिकी का विकास और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए 1.00 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान शामिल किया गया है और 14.00 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान वर्तमान स्कीम के लिए किया गया हैं।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालनों के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम बनाते हैं और कार्यान्वित करते हैं। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की स्कीमें उनकी वार्षिक योजना अथवा दीर्घकालीन योजनाओं की घटक होती हैं। चूंकि, प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई स्कीमें हैं, जो कि अधिकांशत: कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और कंपनी के प्रचालनों से जुड़े एमओयू से संबंधित हैं, इसलिए निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी स्कीमों को शामिल करना मुश्किल होगा। इसलिए, यह विचार किया गया था कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक लागत की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख परियोजनाओं को ही शामिल किया जाए, जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

परिव्यय और निष्कर्ष/लक्ष्यों का विवरण (2015-16)

(50.00 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली अनुमानित/स्वीकृत स्कीमें)

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
क	**50.00 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली अनुमानित/स्वीकृत स्कीमें**										
1.	**स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)**										
(क)	**भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी)**										
(i)	सीओबी-9 की कोल्ड रिपेयर	कोक की मांग में कमी को पूरा करना तथा कोक ओवन गैस के संतुलन को स्थिर करना एवं उत्सर्जन स्तर को घटाना	332.65	--	--	100.00	उत्पादन को बेहतर बनाना और पर्यावरण तथा वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण निवारण मानकों को प्राप्त करना।	इससे संयंत्र का सतत प्रचालन सुनिश्चित होगा	अगस्त'14	जून, 15	• मैसर्स मेकॉन द्वारा डिजाइन इंजीनियरिंग में विलम्ब • बैटरी प्रोपर के लिए रिफ्रैक्ट्री ईंटों की कमी
(ii)	बीएसपी का विस्तार	अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए तप्त धातु एवं क्रूड इस्पात के उत्पादन में वृद्धि करना; निम्न उत्पादन तथा ऊर्जा गहन इकाइयों को समाप्त करना, परिसज्जित इस्पात उत्पादन को बढ़ाकर सेमिज को घटाना; उच्चतर लोचता एवं लाभप्रदता के लिए उत्पाद मिश्र को बढ़ाना एवं मूल्यवर्धन करना; भारतीय रेलवे की अपेक्षाओं को पूरा करना।	17266.00	--	--	2286.72	तप्त धातु की क्षमता 4.08 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	एक बार सुविधा की कमीशनिंग होने के बाद समग्र उत्पादन क्षमता बढ़कर 2.7 एमटीपीए हो जाएगी।	मार्च'13	सितम्बर, 15 (1 कंवर्टर 2 कास्टर)	एसएमएस - III पैकेज प्रभावित हुआ क्योंकि कार्य की धीमी प्रगति के कारण मैसर्स रत्ना इन्फ्रा के साथ सिविल कार्य पैकेज के लिए किए गए प्रारंभिक संविदा को समाप्त करना पड़ा और फरवरी, 11 में मैसर्स रत्ना इन्फ्रा की जोखिम एवं लागत पर मैसर्स एचएससीएल को नया संविदा दिया गया। इसके बाद खराब प्रगति के कारण मैसर्स एचएससीएल की संविदा को भी समाप्त करना पडा और शेष सिविल कार्यों के लिए मैसर्स एचएससीएल की जोखिम एवं लागत पर मैसर्स सिम्प्लैक्स को ऑर्डर दिया गया है। उपकरणों को संस्थापित करने संबंधी पैकेज की भी पुन: निविदा करनी पडी क्योंकि संविदा के अनुसार काम पूरा होने की अवधि के भीतर संस्थापन संबंधी पर्याप्त फ्रंट कार्यों को सौंपा नहीं जा सका था। मैसर्स एस्सार प्रोजेक्ट्स को नई संविदा दी गई। एचईसी (उत्पादन के दौरान उपस्कार संस्थापन तथा बाद में सामग्री हैंडलिंग दोनों के लिए क्रेनों का संस्थापन) और एचएससीएल (सिविल और संरचनात्मक कार्य) द्वारा कार्य की धीमी प्रगति ने बीआरएम और यूआरएम की प्रगति को प्रभावित किया है। मैसर्स ईपीआई के खराब प्रदर्शन (ओएचपी भाग-ख और फूएल एंड फलक्स क्रसिंग और स्क्रिनिंग फैसिलटिज) ने अधिकतर डिजाइन इंजीनियरिंग, जनशक्ति और संसाधन नियोजन तथा समन्वयन पर्यवेक्षण के क्षेत्र में कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(ख)	**दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी)**										
(i)	दुर्गापुर स्टील प्लांट का विस्तार	ऊर्जा गहन इकाइयों को समाप्त करना, ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी लगाना, सेमिज में कमी और तप्त धातु क्षमता में वृद्धि करना	2875.00	--	--	564.00	तप्त धातु की क्षमता 2.09 एमटीपीए से बढ़ाकर 2.45 एमटीपीए करना	ऊर्जा बचत के साथ-साथ उत्पादन में दक्षता	दिसम्बर'12	मार्च '15	एमएसएम के लिए, लगभग 180 प्रतिशत तक पाइलिंग के लिए कार्य क्षेत्र में वृद्धि के कारण सिविल कार्य की प्रगति प्रभावित हुई क्योंकि मेकॉन ने केवल भवन संरचनाओं के लिए पहले पाइलों पर विचार किया था और मशीन फाउंडेशन के लिए अपेक्षित पाइलों पर विचार नहीं किया गया था। इससे संरचनात्मक उत्थापन कार्य भी प्रभावित हुआ। इसके साथ ही सिविल ठेकेदार मैसर्स जैन इन्फ्रा के खराब प्रदर्शन से भी यह कार्य प्रभावित हुआ। फरवरी, 13 में मैसर्स ब्रिज एवं रूफ (बीएंडआर) को नया ऑर्डर दिया गया। इसके अतिरिक्त, मैसर्स एचईसी द्वारा प्राथमिकता क्रेनों की आपूर्ति में विलम्ब से उपकरणों को लगाने का कार्य प्रभावित हो रहा है। ब्लूम कम राउण्ड कास्टर के लिए, सिविल ठेकेदार मैसर्स जैन इन्फ्रा के खराब प्रदर्शन के कारण कार्य प्रभावित हुआ। जोखिम क्रय सूचना (आरपीएन) पार्टी को जारी किया गया। अक्तूबर, 12 में मैसर्स ब्रिज एंड रूफ को नया ऑर्डर दिया गया। गैस लाइनों और भूमिगत केबलों को बदलने के लिए समर्थनकारी पैकेज शुरू करने में भी विलम्ब हुआ है, साथ ही उन्हें एक बार में नहीं किया जा सका और अस्थाई तौर पर ही इसे किया गया था, जिससे कि मुख्य पैकेज वाले ठेकेदार के क्षेत्र संबंधी सिविल कार्यों को पूरा करने के लिए सिविल ठेकेदार को स्पष्ट फ्रंट हासिल हो सके। साथ ही जलापूर्ति पैकेज में मैसर्स मिक्को का प्रदर्शन भी खराब रहा।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(ii)	सीओबी-5 का पुनर्निर्माण	कोक की मांग में कमी को पूरा करने के साथ-साथ कोक ओवन गैस बैलेंस का स्थिरीकरण और उत्सर्जन स्तर को घटाना।	313.05	--	--	50.00	उत्पादन में सुधार हुआ और नीवनतम प्रदूषण मानकों को प्राप्त किया गया।	इससे संयंत्र का सतत प्रचालन सुनिश्चित होगा	जून'15	जून'15	--
(ग)	**राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी)**										
(i)	सीओबी-3 का पुनर्निर्माण	4.5 एमटीपीए तप्त धातु उत्पादन के लिए कोक की आवश्यकता पूरी करना और उत्सर्जन स्तरों को कम करना।	237.09	--	--	70.00	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।	इससे संयंत्र का सतत प्रचालन सुनिश्चित होगा	जनवरी, 15	अगस्त, 15	• सिलिका ईंटों की गुणवत्ता से संबंधित मुद्दे • बीईसी द्वारा रिफैक्ट्री उत्थापन की धीमी प्रगति • बीईसी द्वारा ओवेन मशीनों की आपूर्ति में विलम्ब
(ii)	हीट ट्रीटमेंट सुविधाओं की स्थापना	प्रतिरक्षा तथा सामरिक महत्व के अन्य क्षेत्रों के लिए क्वेंच्ड और टेम्पर्ड प्लेटों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति करना।	160.48	--	--	11.00	12000 टन का अतिरिक्त उत्पादन	परिसज्जित उत्पादों का मूल्य संवर्धन	सितम्बर, 14	जून, 15	ठेकेदारों का खराब प्रदर्शन: • डिजाइन और इंजीनियरिंग में सीएएन इंजीनियरिंग • उपकरण आपूर्ति में इंपायर इंड. इक्विपमेंट एंड रीलाएबल हाई टेक
(iii)	बीएफ-I का उन्नयन	फर्नेश कार्य की मात्रा में वृद्धि होने से बीएफ उत्पादकता और हॉट मेटल का उत्पादन बढेगा। उन्नयन से कोक दर भी कम होगी।	779.41	--	--	200.00			अप्रैल, 16	अप्रैल, 16	--
(घ)	**बोकारो स्टील प्लांट (बीएसपी)**										
(i)	बीएसएल का विस्तार	तप्त धातु उत्पादन में वृद्धि करना, ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी लगाना, अतिरिक्त कोल्ड रोलिंग की क्षमता संस्थापित करने के साथ मूल्यवर्धित कोल्ड रोल्ड उत्पादों के लिए हॉट रोल्ड क्वायल्स की उच्च मात्रा का रूपांतरण करना।	6325.00	--	--	499.00	1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स और तप्त धातु का उत्पादन 4.59 से 5.77 एमटीपीए बढ़ाना।	मूल्यवर्धित कोल्ड रोल्ड उत्पादों की उपलब्धता में बढ़ोतरी करना	दिसम्बर'11	मई, 15	सभी प्रमुख सुविधाएं जैसे उन्नत बीएफ नं.2, कोक ओवन बैटरी नं.1 और 2 तथा नया 1.2 एमटीपीए का कोल्ड रोलिंग मिल कमीशन हो चुकी हैं। विलम्ब के मुख्य कारण हैं: • कंसोर्टियम पार्टनर और उप ठेकेदारों के साथ मुख्य ठेकेदारों की समन्वय संबंधी समस्याएं। • परामर्शदाता मेकॉन द्वारा ड्राइंगों के अनुमोदन में विलम्ब

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
											हॉट स्ट्रिप मिल की कमीशनिंग का संबंध शटडाउन की उपलब्धता से है।
(ii)	सीओबी-7 का पुनर्निर्माण	कोक मांग और CO गैस की कमी को पूरा करना और अद्यतन सांविधिक उत्सर्जन मानदण्डों का अनुपालन करना	245.67	--	--	98.00	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।	इससे संयंत्र का सतत प्रचालन सुनिश्चित होगा।	मई'16	मई'16	• डिजाइन इंजीनियरिंग और सिविल तथा संरचनात्मक कार्य प्रगति पर है। • रिफ्रैक्टरी की आपूर्ति एवं उत्थापन का कार्य प्रगति पर है। • ओवन मशीनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
(ड)	**कच्चा माल प्रभाग**										
(i)	मेघाहातावुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	118.85	--	--	10.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से 6.50 एमटीपीए करना	इस्पात संयंत्रों के लिए कच्ची सामग्री की निरंतर आपूर्ति की उपलब्धता	जून, 12	अक्तूबर, 15	मैसर्स टेकप्रो द्वारा अपने उपठेकेदारों को भुगतान न करने के कारण मुख्य पैकेज का कार्य बाधित हो रहा है। आरएमडी और निगमित स्तर पर निरंतर अनुवर्ती कारवाई एवं समीक्षा के बाद भी प्रगति में सुधार नहीं हो सका। सेल उप ठेकेदारों को सीधे भुगतान करके मदद कर रहा है। लगात वसूली आधार तथा सीधे भुगतान पर सेल द्वारा नगद प्रवाह किए जाने की वजह से कार्य धीरे-धीरे हो रहा है। री-क्लेमर का उत्थापन रूका हुआ है क्योंकि उत्थापन के दौरान मैसर्स एलकॉन इंजीनियरिंग (रीक्लेमर का आपूर्तिकर्ता) की उपस्थिति अपेक्षित है, जिसने टेकप्रो के साथ वाणिज्यिक मसलों के कारण इसके लिए मना किया है।
(ii)	बोलानी लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	254.55	--	--	42.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.1 एमटीपीए से 10 एमटीपीए करना	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.1 एमटीपीए से 10 एमटीपीए करना	नवम्बर'13	जून'15	• पर्यावरणीय एवं वन स्वीकृतियों के कारण खानों की रूक-रूक कर बंदी और पट्टे के नवीनीकरण ने स्थल कार्य को प्रभावित किया है (इन मुद्दों के कारण फरवरी, 12 से मई, 14 की अवधि के दौरान यह खान पांच बार कुल 294 दिन बंद रही)। • ठेकेदारों का खराब प्रदर्शन
(छ)	**चन्द्रपुर फैरोएलॉय प्लांट**										
(i)	1x45 एमवीए सब-मर्जड आर्क फर्नेस की स्थापना	एचसीएफईएमएन और एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन	187.33	--	--	25.00	स्टैंडएलोन बेसिस पर 37500 टन एचसीएफईएमएन और 35000 टन एचसीएसआईएमएन	--	अक्टूबर'13	अगस्त, 15	सिविल कार्य की शुरूआत एमओईएफ से पर्यावरण मंजूरी में विलम्ब के कारण प्रभावित हुई। इसके अलावा स्थल पर खराब संसाधन जुटाने और मुख्य ठेकेदार मैसर्स टैक्कप्रो द्वारा ऐसे उप ठेकेदारों जो अपने वादों को पूरा करने में असफल रहे और

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
							अथवा 60,000 टन एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन				जिन्होंने स्थल पर कार्य को रोक दिया, को भुगतान न करने के कारण सिविल और संरचनात्मक कार्य में विलम्ब हुआ है। आरपी कार्रवाई की गई और मैसर्स एचएससीएल को नए आर्डर दिए गए।
2.	**राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)**										
(i)	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए विस्तार	संयंत्र की क्षमता बढ़ाना	12291.00	--	--	250.00	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए तक उत्पादन बढ़ाना	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए तक उत्पादन बढ़ाना	लगभग पूरा हो गया है और शेष इकाइयां तैयार की जा रही हैं।		स्टेज-1 इकाई चालू की गई और लाइम किल्न प्लांट को छोड़कर स्थिर करने का कार्य चल रहा है, जहां किल्न 1 और 2 को अप्रैल और जून, 2015 में कमीशन किए जाने की आशा है। स्टेज-2 इकाई में स्पेशल बार मिल और स्ट्रक्चरल मिल शामिल हैं, पहले स्टेज-2 इकाई की दिसम्बर, 14 तक उत्तरोतर कमीशन किए जाने की योजना थी। तथापि, हाल ही में चक्रवात हुदहुद के दौरान नुकसान के कारण कमीशनिंग का कार्यक्रम प्रभावित हुआ और अब इसके मार्च, 15 और अप्रैल, 15 तक कमिशन किए जाने की योजना है।
(ii)	सीओबी-4(फेज-।।)	सीओबी-4 का स्वतंत्र बैटरी के रूप में परिचालन करना और उप उत्पाद की रिकवरी में वृद्धि करना।	355.30	--	--	20.00	उप उत्पाद की रिकवरी में वृद्धि करना	उप उत्पाद की रिकवरी में वृद्धि करना	दिसम्बर, 14		उप उत्पाद संयंत्र- यह इकाई दिसम्बर, 14 में कमिशन की गई। कोल हैंडलिंग प्लांट। यह इकाई जून, 15 तक कमीशन किए जाने की संभावना है।
(iii)	कोक ओवन बैटरी नं.5	6.3/7.3 एमटीपीए स्टेज के लिए कोक की आवश्यकताओं और गैस बैलेंस को पूरा करना तथा सीओबी # 1, 2 और 3 के क्रमश: पुनर्निर्माण को सुगम बनाना।	2858.00	--	--	50.00	0.82 एमटीपीए कुल कोक का उत्पादन करना	इससे ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित होगी	मुख्य पैकेज अवार्ड किए जाने से 29 महीने		निविदा की प्रक्रिया/अंतिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में है।
(iv)	विद्युत संयंत्र-।।	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करके अतिरिक्त विद्युत की आवश्यकता को पूरा करना, जो कि अन्यथा पर्यावरण में उड़ जाएंगी।	677.00	--	--	40.00	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना ग्रीन हाऊस गैस	जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए हल्के उप उत्पाद	मई, 15		हुदहुद के प्रभाव के कारण इसका मई, 2015 के लिए पुनर्निर्धारण किया गया है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
							(जीएचजी) के वातावरण में उत्सर्जन को कम करने के एक-मात्र विचार से शुरू की गई है। हालांकि आरआईएनएल की 120 मेगावाट तक विद्युत आवश्यकता को इससे पूरा किया जा रहा है, जिससे कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सके।	गैसों का इस्तेमाल करके 120 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।			
(iv)	विद्युत संयंत्र-।।	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करके अतिरिक्त विद्युत की आवश्यकता को पूरा करना, जो कि अन्यथा पर्यावरण में उड़ जाएंगी।	677.00	--	--	40.00	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना ग्रीन हाऊस गैस (जीएचजी) के वातावरण में उत्सर्जन को कम करने के एक-मात्र विचार से शुरू की गई है। हालांकि आरआईएनएल की 120 मेगावाट तक विद्युत आवश्यकता को इससे पूरा किया जा रहा है, जिससे कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सके।	जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करके 120 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	मई, 15		हुदहुद के प्रभाव के कारण इसका मई, 2015 के लिए पुनर्निर्धारण किया गया है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(v)	पुल्वेराइज्ड कोल इंजेक्शन	कम महंगे पुल्वेराइज्ड कोल वाले महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम	133.00	--	--	6.00	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाना । तप्त धातु के उत्पादन की लागत कम करना।	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाना । तप्त धातु के उत्पादन की लागत कम करना।	2014-15 की चौथी तिमाही		बीएफ-1 स्ट्रीम का 72 घंटे तक एकीकृत ट्रायल पूरा हुआ। बीएफ-1 में पीसीआई को 2014-15 की अंतिम तिमाही में कमीशन किया जाना है।
(vi)	लौह अयस्क भंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	450.00	--	--	25.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	जून, 15		पूरा होने के विभिन्न चरणो में है।
(vii)	जल भंडारण प्रणाली बढ़ाना	16 एमक्यूएम क्षमता वाले अतिरिक्त भंडारण जलाशय का निर्माण। विस्तार के लिए जल की आवश्यकता को पूरा करना।	220.00	--	--	5.00	जल भंडारण क्षमता 16 एमक्यूएम तक बढ़ाना।	जल भंडारण क्षमता बढ़ाना	--		निविदा दिए जाने के विभिन्न चरणों में है।
(viii)	एपट्रांस्को की 220 केवी प्रणाली को मजबूत करना	400 एमवीए विद्युत के प्रारेषण हेतु बीएसपी में एपी विद्युत ग्रिड और आंतरिक प्रणाली को मजबूत करना।	86.34	--	--	18.00	400 एमवीए विद्युत के पारेषण हेतु एपी विद्युत ग्रिड को मजबूत करना।	विद्युत पारेषण हेतु एपी विद्युत ग्रिड को मजबूत करना	--		चरण-एक का कार्य पूरा हुआ। 400/220 केवी सब स्टेशन की स्थापना के तौर तरीकों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
(ix)	400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए 220केवी विद्युत प्रणाली को बढ़ाना	विस्तार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए सब स्टेशन आदि जैसी बीएसपी की	58.10	--	--	3.00	विस्तार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए सब स्टेशन आदि जैसी	वीएसपी की आंतरिक प्रणालियों को मजबूत करना	--		अगस्त, 2014 में कमीशन किया गया लेकिन कमीशनिंग के दौरान तकनीकी मुद्दे उभरकर आए। सुधार कार्यों को करने के लिए कार्रवाई शुरू की गई।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		आंतरिक प्रणालियों को मजबूत करना।					बीएसपी की आंतरिक प्रणालियों को मजबूत करना।				
(x)	बीएफ-1 और 2 कैटेगरी मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3800 घन मीटर करना।	1663.00	--	--	200.00	0.5 एमटी तक उत्पादन बढ़ाकर हॉट मेटल का उत्पादन 2 एमटी से 2.5 एमटी करना।	उत्पादन बढ़ाना	बीएफ-1 30 जुलाई, 2014 बीएफ-2 2015-16 की चौथी तिमाही		ब्लास्ट फर्नेश -1 30 जुलाई, 2014 को कमीशन हुआ और इसका नियमित परिचालन हो रहा है। ब्लास्ट फर्नेश-2 प्रगति के विभिन्न चरणों में है।
(xi)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा 2 धमन भट्टियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	974.76	--	--	200.00	0.97 एमटी तक इस्पात के उत्पादन को बढ़ाना	उत्पादन बढ़ाना	तीसरा कन्वर्टर: 15-16 की चौथी तिमाही चौथा कास्टर: जुलाई, 16	ये पैकेज अंतिम रूप दिए जाने संबंधी/ कार्यों के विभिन्न चरणो में हैं।	--
(xii)	सिंटर प्लांट की उपत्पादकता में वृद्धि	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	343.00	--	--	100.00	सिन्टर का उत्पादन 5.5 एमटी से 6.8 एमटी बढ़ाना	उत्पादन बढ़ाना	अक्तूबर, 16		ये पैकेज अंतिम रूप दिए जाने/कार्य के विभिन्न चरणों में हैं।
(xiii)	एसएमएस कंवर्टर का पुनरूद्धार	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा उपस्करों का अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	404.16	--	--	120.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए प्रौद्योगिकी आवश्यकता।	कन्वर्टरों को बदलना	पहले कनवर्टर के लिए 2015-16 की चौथी तिमाही		ये पैकेज अंतिम रूप दिए जाने/कार्य के विभिन्न चरणों में हैं।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(xiv)	खानों के विकास हेतु अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	500.00	--	--	20.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोकिंग कोल/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और परिव्यय में खानों का अधिग्रहण करना शामिल हैं।	कच्ची सामग्री के संबंध में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी लाना।	जारी		पिछले कुछ वर्षों से आरआईएनएल खानों के अधिग्रहण के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। आरआईएनएल ने विभिन्न चरणों में 29 लौह अयस्क खनन पट्टों के लिए आवेदन किया है, जिनमें से राजस्थान सरकार से एक खदान के लिए आशय पत्र(एलओआई) प्राप्त हुआ है, जिसका क्षेत्र 945.85 हैक्टेयर है। मैसर्स एमईसीएल द्वारा बनेरा ब्लॉक के चरण-1 का अन्वेषण कार्य चल रहा है। जहां तक भिलवाड़ा में जहाजपुर ब्लॉक के आवंटन का संबंध है, खान मंत्रालय, भारत सरकार ने इस मामले की जांच करने और इसको अधिसूचित करने पर विचार करने हेतु राजस्थान सरकार को सलाह दी है। राजस्थान सरकार ने आरआईएनएल के पक्ष में भारत सरकार से अनुरोध किया है।
(xv)	टीपीपी और बीएच में अतिरिक्त स्टीम टरबाईन चालित ब्लोअर टीबी-5 की स्थापना .	टीबी-1, 2, 3 में आधुनिकीकरण का कार्य चलने की स्थिति में आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तथा साथ ही भविष्य में बीएफ-4 के लिए स्टैंडबाई के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए टीबी-5 की स्टैंडबाई के रूप में स्थापना करना।	280.52	--	--	90.00	यदि वर्तमान टरबाईनों में आधुनिकीकरण/ अनुरक्षण का कार्य चल रहा हो तो बीएफ-1 और बीएफ-2 में कोल्ड ब्लास्ट की आवश्यकता को पूरा करने के लिए टीबी-5 की स्थापना करना।	बीएफ-1 और बीएफ-2 में कोल्ड ब्लास्ट की आवश्यकता को पूरा करना	सितम्बर, 2016		मुख्य पैकेज का पहले ही ऑर्डर किया जा चुका है और इसे सितम्बर, 2016 तक पूरा किया जाना है। इंजीनियरिंग कार्य शुरू हो गया है । शेष पैकेज निविदा दिए जाने की विभिन्न प्रक्रियाओं में है।
(xvi)	एएमआर स्कीमें	संयंत्र की अच्छी देखरेख बनाए रखना	जारी	--	--	75.00	उपस्करों के अच्छे रख-रखाव को बनाए रखना और संयंत्र की कार्यशील जीवन के संदर्भ में उत्पादन/उत्पादकता के वर्तमान स्तर को बनाए रखना।	संयंत्र की अच्छी देख-रेख बनाए रखना।	जारी		--

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(xvii)	अनुसंधान एवं विकास स्कीमें	उत्पादकता बढ़ाना/लागत कम करना/नए उत्पादों का विकास	जारी	--	--	50.00	विद्यमान प्रौद्योगिकी संबंधी विकास, अन्वेषणात्मक अध्ययनों के जरिए प्रचालन संबंधी क्रियाकलापों के लिए प्रौद्योगिकी समाधान के साथ समस्या का समाधान, लागत कम करने/ उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रक्रिया संबंधी पैरामीटरों का विफलता विश्लेषण और महत्वपूर्ण परीक्षण	उत्पादकता बढ़ाना/ लागत कम करना/नए उत्पादों का विकास	जारी		--
(xviii)	फोर्ज्ड व्हील प्लांट	लालगंज, रायबरेली, उत्तर प्रदेश में फोर्ज्ड व्हील के विनिर्माण के लिए सुविधा की स्थापना करना	1177.00	--	--	60.00	रेलवे के लिए 100000 व्हीलों का निर्माण करना	अपोक्षाकृत अधिक उत्पादन	संविदा की प्रभावी तारीख से 36 महीने		मृदा जांच का कार्य पूरा हो गया है। प्लांट क्षेत्र के लिए बाहरी चारदिवारी का कार्य लगभग पूरा हो गया है। निविदा प्रक्रिया/अंतिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में है।
(xix)	एक्सल प्लांट	इस प्रयोजन हेतु आरआईएनएल की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी का गठन करके पश्चिम बंगाल, न्यू जलपाईगुड़ी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण हेतु सुविधा की स्थापना करना।	391.00	--	--	5.00	रेलवे से 20,000 से लेकर 25000 तक की संख्या में प्राप्त आश्वासन को पूरा करने के प्रयोजन हेतु आरआईएनएल की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी का गठन करके पश्चिम बंगाल, न्यू जलपाईगुड़ी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण संबंधी उपयुक्त क्षमता वाली इकाई की स्थापना करना।	एक्सल आदि की उपयुक्त क्षमता स्थापित करना	--		जमीन के पट्टे एवं ऑफटेक करार का अंतिम मसौदा रेलवे को 08.01.2014 को भेजा गया है। दिनांक 03.04.2014 के रेल मंत्रालय के अनुरोध के अनुसरण में 27.05.2014 को आगे की परियोजना रिपोर्ट भेजी गयी और इसके उपरांत विचार-विमर्श किया गया। करार संपन्न करने के लिए रेलवे की स्वीकृति की प्रतीक्षा है। प्रमुख प्रौद्योगिकी पैकेज के लिए निविदाएं पहले ही जारी की चुकी हैं।
(xx)	एलएमएमएम वाकिंग बिम फर्नेश का पुनरूद्धार करना	फर्नेश का पुनरूद्धार	186.00	--	--	5.00	ब्रेकडाउन/स्थिरीकरणको कम करना	ब्रेकडाउन कम करना	--		कंसल्टेंसी के लिए निविदा की जा रही है।
(xxi)	सेंट्रल स्टोरेज यार्ड	संभालने और परिवहन को सुगम करना	270.00	--	--	5.00	केंद्रीयकृत भंडारण स्थल पर क्षमता बढ़ाना	क्षमता बढ़ाना	--		परमर्शदाता ने वैकल्पिक रेल ट्रेक लेआऊट तैयार किया, जिसे रेलवे को प्रस्तुत किया गया है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
3.	**<u>एनएमडीसी लिमिटेड</u>**										
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	--	--	5.00	क्षमता 7 एमटीपीए	इससे लौह अयस्क की उपलब्धता में बढोतरी होगी।	मार्च'15		दंतेवाड़ा, बस्तर क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों ने निर्माण संबंधी कार्यों की प्रगति को बाधित किया है/इसमें व्यवधान उत्पन्न किया है। उपद्रवियों द्वारा 16 मार्च, 2014 को लगाई गई आग की घटना से डाऊनहिल कन्वेयर (बेल्ट उपस्कर एवं संरचनाएं) लगभग 200 मीटर की लंबाई में क्षतिग्रस्त हुआ, जिसका उत्थापन कार्य चल रहा है। मौजूदा परिस्थितियों के कारण ठेकेदार और इससे जुड़े श्रमिक सामान्य तरीके से काम करने में समर्थ नहीं हैं।
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	898.55	--	--	65.00	क्षमता 7 एमटीपीए	उपभोक्ताओं के लिए अतिरिक्त लौह अयस्क की उपलब्धता बनी रहेगी।	अगस्त' 2015		डाउनहिल कन्वेयर सिस्टम पैकेज ठेकेदार (मैसर्स एलेकॉन) की खराब वित्तीय स्थिति से कार्य की प्रगति प्रभावित हुई।
(iii)	दौणिमल्लै में पैलेट संयंत्र	पैलेट उत्पादन के क्षेत्र में कार्यों का विस्तार करना	572.00	--	--	40.00	क्षमता 1.2 एमटीपीए	पैलेट की उपलब्धता बढ़ेगी।	जून, 2015		बेनेफेशिएशन पैकेज ठेकेदार की वित्तीय बाधाओं के कारण आपूर्ति में विलम्ब हुआ और संसाधन कम जुटाए जा सके, जिससे कार्य की प्रगति प्रभावित हुई है।
(iv)	नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता वाला स्टील प्लांट	i) छत्तीसगढ़ राज्य में निकाले गए लौह अयस्क में मूल्यवर्धन सुनिश्चत करना।. ii) आदिवासी बहुल बस्तर क्षेत्र का विकास। iii) विशेष रूप से भारतीय बाजार में इस्पात उत्पादों की बढ़ रही मांग को आंशिक रूप से पूरा करना। iv) व्यापार वृद्धि के लिए उपलब्ध निधियों का निवेश।	15525.00	--	--	2450.00	क्षमता 3 एमटीपीए	देश में इस्पात की आवश्यकता को पूरा करने के लिए इस्पात की उपलब्धता में बढोतरी होगी।	दिसम्बर' 2016		इस्पात संयंत्र हेतु प्रचालनात्मक जल के लिए नागरनार में सबरी नदी से इस्पात संयंत्र स्थल तक जल की पाइप लाईन डालने हेतु वन संबंधी मंजूरी एवं मार्ग अधिकार

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
4.	**मॉयल लिमिटेड**										
(i)	सेल के साथ फेरो मैंगनीज/सिल्को मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की मांग को पूरा करने के लिए फेरो/सिल्को मैंगनीज के उत्पादन हेतु भिलाई में इस परियोजना की स्थापना की जाएगी।	391.00	0.00	0.00	0.25	यह परियोजना 31000 एमटी फेरो मैंगनीज और 75000 एमटी सिल्को मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	यह परियोजना 31000 एमटी फेरो मैंगनीज और 75000 एमटी सिल्को मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	जून, 12	फर्नेस और सहायक उपकरणों के लिए वर्क ऑर्डर देने के बाद 24 महीने	निवेश में इन कारणों से देरी हुई है: **(क)** प्रारंभ में फर्नेश पैकेज के लिए उच्चतर ऑफर मिलना, जिसके कारण दोनों ही परियोजनाओं के लिए निविदाएं पुन: जारी करने का निर्णय लिया गया। **(ख)** सेल और आरआईएनएल के फेरो एलॉय की आवश्ययकता में बदलाव के कारण नए टीईएफआर तैयार करने पड़े और **(ग)** पूरे भारतवर्ष में विद्युत की दरों में वृद्धि और आंध्र प्रदेश में विद्युत की कमी के कारण परियोजनाओं की समीक्षा आवश्यक हो गई। सस्ती दरों पर बिजली (जो फेरा एलॉय के उत्पादन का एक मुख्य भाग है) प्राप्त करने की संभावनाओं की तलाश की जा रही है, जिससे कि परियोजना के क्रियान्वयन को आगे बढ़ाया जा सके।
(ii)	आरआईएनएल के साथ फेरो मैंगनीज/सिल्को मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की मांग को पूरा करने के लिए फेरो/सिल्को मैंगनीज के उत्पादन हेतु बोब्बिल में इस परियोजना की स्थापना की जाएगी।	217.00	0.00	0.00	0.25	यह परियोजना 20000 एमटी फेरो मैंगनीज और 37500 एमटी सिल्को मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	यह परियोजना 20000 एमटी फेरो मैंगनीज और 37500 एमटी सिल्को मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	जून, 12	फर्नेस और सहायक उपकरणों के लिए वर्क ऑर्डर देने के बाद 24 महीने	
	योग (क)		**70623.99**	**0.00**	**0.00**	**7863.22**					

(करोड़ रुपए)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
					बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
			मूल	संशोधित	गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4(i)	4(ii)	5 (i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
ख.	***इस्पात मंत्रालय की स्कीम***											
	लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने की स्कीम											
1(i)	(चल रही परियोजनाएं)	1. लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। 2. प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता सुधार करना। 3. लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिकेशन और मिश्रण (जैसेपैलेटाइजेशन)।	48.00	32.97*	--	0.00	--	1) गहरी बैनिफिशिएशन के जरिए सिंटर उत्पादकता में सुधार करना तथा निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं चूरे का युक्तिसंगत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का सम्मिश्रण करना। 2) भारतीय कच्ची सामग्रियों अर्थात् निम्न ग्रेड लौह अयस्क तथा गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण के वैकल्पिक पूरक रूट का विकास करना। 3) नवाचारी फ्लक्स और/अथवा डिजाइन (रिफ्रैक्ट्री) में परिवर्तन प्रेरण भट्टी रूट के माध्यम से डीआरआई का उपयोग करते हुए निम्न फास्फोरस इस्पात का उत्पादन करना। 4) हाइड्रोजन प्लाज्मा और कार्बनडाइऑक्साईड उत्सर्जन की समाप्ति के द्वारा लौह अयस्क/चूरे की स्मैल्टिंग रिडक्शन। 5) भारत में बरसुआ तथा अन्य खानों से लौह अयस्क स्लाइम्स का बैनीफिशिएशन। 6) चूरे की बदलती डिग्री के साथ भारतीय गोथेटिक/हेमेटाइटिक अयस्क के लिए पायलट स्केल पैलेटाइजेशन प्रौद्योगिकी का विकास।	कॉलम-6 के अनुसार ही	--	11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-12), यह स्कीम 12वीं योजना (2012-17) के दौरान जारी है।	**1)** अनुसंधान और विकास से संबंधित यह स्कीम 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस्पात मंत्रालय में लागू की गई थी और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इसके मूल्यांकन तथा अनुमोदन में पर्याप्त समय लगा। **2)** ईएफसी ने इस स्कीम को नवम्बर, 2008 में अनुमोदित किया और वित्त मंत्रालय ने इस स्कीम को जनवरी, 2009 में इस शर्त के साथ अंतिम रूप से मंजूरी दी कि यह स्कीम 2009-10 से लागू की जाएगी। **3)** इस्पात मंत्रालय ने संबंधित पक्षों के साथ परामर्श करके अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के चयन के लिए अनुवर्ती कारवाई की और इन्हें विशेषज्ञों के पैनल से मंजूर करवाया तथा फरवरी, 2010 में चार परियोजनाओं का अनुमोदन हुआ। चार और पारियोजनाओं का अनुमोदन पीएएमसी द्वारा नवम्बर, 2010 में किया गया। **4)** स्कीम के अनुमोदन तथा बाद में अलग-अलग अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुमोदन में विलम्ब के कारण चार परियोनाएं केवल अप्रैल, 2010 में, दो परियोजनाएं जनवरी, 2011 में तथा शेष दो परियोजनाएं दिसम्बर, 2011 में ही शुरू हो पाईं। इसलिए यह परियोजनाएं

(करोड़ रुपए)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं /समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
					बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
			मूल	संशोधित	गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4(i)	4(ii)	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
								7) प्रक्रिया इष्टतमीकरण द्वारा लौह एवं इस्पात उत्पादन में कार्बनडाइआक्साईड की कमी करना। 8) उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फाइरेजेशन सहित उच्च राखांश वाले भारतीय कोयले से निम्न राखांश वाले (10 प्रतिशत राखांश) कोयले (कोकिंग/गैर कोकिंग) का उत्पादन।				12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पूरी नहीं हो पाईं। **5)** अब तक 5 परियोजनाएं ही पूरी हो पाई हैं तथा 3 परियोजनाएं प्रगति पर हैं जिन्हें 2014-15 और 2015-16 में पूरा हो जाने की संभावना है। 6) जैसाकि परियोजना प्राधिकारियों द्वारा सूचित किया गया है, चल रही परियोजनाओं के लिए और निधियों की आवश्यकता नहीं है।
1(ii)	(नया घटक)	कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरियंटिड (सीआरजीओ) स्टील शीट्स और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना।	150.00	150.00	--	1.00	--	सीआरजीओ स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित इस्पात उत्पादों के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना।	कॉलम-6 के अनुसार ही	--	12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान। 13वीं योजना में जारी रह सकती है।	कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों तथा अन्य मूल्य वर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी विकास को स्कीम के उद्देश्य के रूप में शामिल करने के लिए नवम्बर, 2014 में एसएफसी और एचएसएम के सम्यक् अनुमोदन से अनुसंधान और विकास स्कीम का संशोधन हुआ है। अग्रणी अनुसंधान एवं विकास एजेंसी एनएमएल जमशेदपुर द्वारा प्रस्तुत आवश्यकता के अनुसार,सीआरजीओ परियोजना के लिए बजट अनुमान 2015-16 में 16 करोड़ रूपए का आबंटन प्रस्तावित किया गया है।
1(iii)	नई परियोजनाएं	1. भारतीय लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना 2. प्रेरण भट्ठी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में	2.00	17.13#	--	14.00		1. प्रमुख फेरूजीनस रॉ मैटेरियल के रूप में डीआरआई का उपयोग करते हुए इंडक्शन फर्नेश रूट के जरिए निम्न फासफोरस वाले इस्पात का उत्पादन – एक औद्योगिक	कालम-6 के अनुसार ही		12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान। 13वीं पंचवर्षीय योजना में भी	लौह एवं इस्पात क्षेत्र से संबंधित राष्ट्रीय महत्व के किसी अन्य विषय को इस स्कीम के उद्देश्य के रूप में अनुसंधान एवं विकास में शामिल करने के लिए नवम्बर, 2014 में एसएफसी

(करोड़ रुपए)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं /समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
					बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
			मूल	संशोधित	गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4(i)	4(ii)	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		सुधार करना 3. लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बेनेफिशिएशन तथा मिश्रण (जैसे- पैलेटाइजेशन) 4. लौह एवं इस्पात क्षेत्र से संबंधित राष्ट्रीय महत्व के किसी अन्य विषय पर अनुसंधान एवं विकास संबंधी कार्रवाई करना						मूल्यांकन 2. कोक ओवन बैटरी के कोक हैंडलिंग प्लांट में इष्टतम कोयले के मिश्रण के लिए स्वचालित प्रणाली का विकास			यह स्कीम जारी रहेगी।	एवं एचएसएम के सम्यक अनुमोदन से अनुसंधान एवं विकास स्कीम का संशोधन हुआ है। नई परियोजनाओं के लिए बजट अनुमान 2015-16 के लिए 4 करोड़ रुपए का आवंटन प्रस्तावित है।
	योग *(ख)*		200.00	200.00$		15.00						

*चूंकि चालू परियोजनाओं के लिए और अधिक व्यय की जरूरत नहीं है, इसलिए 12वीं पंचवर्षीय योजना में आवंटन 48 करोड़ रुपए से घटाकर 32.87 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है।

12वीं पंचवर्षीय योजना में नई परियोजनाओं के लिए आवंटन 2 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 17.13 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है।

$अनुसंधान एवं विकास स्कीम के लिए कुल 200 करोड़ रुपए का आवंटन यथावत् है।

(करोड़ रुपए)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं /समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
ग.	अन्य स्कीमें/कार्यक्रम										
(i)	पीएसयूज से संबंधित										
	(i) 50.00 करोड़ से कम लागत वाली विभिन्न एएमआर स्कीमें, चल रही और नई स्कीमें। (ii) 50.00 करोड़ से अधिक स्वीकृत लागत वाली स्कीमें जो फाइनल होने के प्रारम्भिक चरण में हैं	संयंत्र, उपस्करों और मशीनरियों, का नियमित अनुरक्षण एवं रख रखाव, उत्पादन लागत को कम करना, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना, उत्पादकता आदि में बढ़ोत्तरी करना।	--	--		5222.25	--	--	--	--	ये स्कीमें पीएसयूज के दिन-प्रतिदिन की कार्यप्रणाली और प्रचालनों से संबंधित हैं। ऐसी स्कीमों जिनके लिए आवश्यक अनुमोदन अभी प्राप्त किया जाना है, को शामिल नहीं किया गया है।
	योग (ग)		*--*	*--*	*15.00*	*13070.47*					
	सकल योग - क + ख + ग		*70823.99*	*0.00*	*15.00*	13085.47					

सरकार की बजटीय सहायता से चलाई जा रही परियोजनाओं/स्कीमों में प्रयुक्त निधि की सामान्य बचत/सुपुर्दगी

क्र. सं.	अनुसंधान और विकास परियोजना	अग्रणी एजेन्सी	वापस की गई राशि (रु. करोड़ में)	वापसी का वर्ष	टिप्पणी
1	निम्न ग्रेड के लौह अयस्क एवं चूरे के युक्तिसंगत उपयोग के लिए गहन बेनेफिशिएशन एवं मिश्रण के जरिए सिन्टर उपलब्धता में सुधार	सीएसआईआर-एनएमएल जमशेदपुर	0.68	2014-15	अनुमानित लागत के विपरीत कम व्यय
2	भारतीय रॉ मैटिरियल अर्थात् निम्न ग्रेड के लौह अयस्क और गैर कोकिं के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण का वैकल्पिक अनुपूरक रूट	सीएसआईआर-एनएमएल जमशेदपुर	1.94	2014-15	अनुमानित लागत के विपरीत कम व्यय
3	नवाचारी फ्लक्स और/या डिजाइन (रिफैक्टरी) में परिवर्तन लाकर प्रेरण भट्ठी रूट के जरिए डीआरआई का इस्तेमाल करके निम्न फासफोरस का उत्पादन	सीएसआईआर-एनएमएल जमशेदपुर	0.12	2014-15	अनुमानित लागत के विपरीत कम व्यय
4	उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फराइजेशन सहित उच्च राख (10 प्रतिशत राखांश) वाले कोयले (कोकिंग और कोकिंग) का उत्पादन	सीएसआईआर-आईएमएमटी भुवनेश्वर	3.29	2014-15	एएमपीआरआई भोपाल से दो उपकरण बिना किसी लागत के प्राप्त हुए

****

अध्याय-III

सुधार उपाय और नीतिगत पहल

1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण

भारतीय इस्पात क्षेत्र ऐसा प्रथम महत्वपूर्ण क्षेत्र था जिसे लाइसेंसिंग और मूल्य निर्धारण एवं वितरण नियंत्रण से पूर्णत: मुक्त किया गया है। ऐसा भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग द्वारा दर्शायी गई उसकी आंतरिक मजबूती और क्षमताओं को देखते हुए किया गया हैं। आर्थिक सुधार और उसके परिणामस्वरूप लोहा और इस्पात क्षेत्र के उदारीकरण जो 1990 के आरंभ में शुरू हुआ था, से इस्पात उद्योग में काफी विकास हुआ है और निजी क्षेत्र में ग्रीन फील्ड इस्पात संयंत्र स्थापित हुए हैं।

विश्व स्टील एसोसिएशन द्वारा जारी आंकड़ों के आधार पर भारत विश्व में क्रूड इस्पात का उत्पादन करने में चीन, जापान और अमरीका के बाद चौथे स्थान पर सबसे बड़े उत्पादक के रूप में है। वर्ष 2008-09 में क्रूड स्टील क्षमता 66.34 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) थी जिसे बढ़ाकर वर्ष 2013-14 (अनंतिम) में 101.02 एमटीपीए कर दिया गया है। वर्ष 2012-13 में भारतीय क्रूड स्टील का उत्पादन 78.42 एमटी था जो वर्ष 2013-14 में 81.69 एमटी हो गया है। वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2013 में चीन और अमरीका के बाद विश्व में तैयार स्टील की खपत के संदर्भ में भारत का तीसरा स्थान था। वर्ष 2003 से भारत विश्व में सबसे बड़ा स्पंज आयरन उत्पादक देश है। स्टील क्षेत्र ने सकल घरेलू उत्पाद में 2 प्रतिशत का योगदान किया है। भारत वर्ष 2007-08 के बाद पहली बार वर्ष 2013-14 में इस्पात का विशुद्ध निर्यातक देश बना है। यह क्षेत्र 6 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार देता है। संयुक्त संयंत्र समिति द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2013-14 के दौरान कुल तैयार स्टील (अलॉय और नॉन अलॉय) की बिक्री के लिए 87.67 मिलियन टन का उत्पादन हुआ जिसमें वर्ष 2012-13 की तुलना में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारतीय लोहा और इस्पात क्षेत्र की वृद्धि और विकास के लिए पिछले कुछ वर्षों में किए गए महत्वपूर्ण नीतिगत उपाय नीचे दिए गए हैं:-

(i) जनवरी, 1992 से इस्पात के मूल्य निर्धारण और वितरण पर से नियंत्रण समाप्त कर दिया गया था। इसके साथ-साथ यह सुनिश्चित किया गया था कि लघु उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

(ii) आयात लाइसेंसिंग, विदेशी मुद्रा निर्मुक्ति, माध्यमीकरण और अधिक आयात टैरिफ से लोहे और इस्पात के आयात को पूर्णत: मुक्त करने के लिए आयात शुल्क स्तर को कम करके लोहा और इस्पात के लिए नियंत्रित आयात प्रणाली को धीरे-धीरे काफी उदार बनाया गया है। लोहे और इस्पात मदों का स्वतंत्र रूप से निर्यात करने की भी अनुमति दी गयी है।

(iii) इस समय फ्लैट इस्पात (एलॉय और गैर-एलॉय) पर आयात शुल्क 7.5 प्रतिशत और अन्य सभी मदों पर 5 प्रतिशत है। कच्चे माल पर आयात शुल्क भिन्न-भिन्न है तथा मैल्टिंग स्क्रैप पर 2.5 प्रतिशत है, कोकिंग कोल, मेट कॉक दोनों पर 2.5 प्रतिशत और अन्य कच्चे माल यथा जिंक, लौह अयस्क और फैरो अलॉय पर 2 से 5 प्रतिशत के बीच है।

(iv) किसी भी इस्पात मद पर कोई निर्यात शुल्क नहीं लगता है तथापि, सरकार ने लौह अयस्क के सभी प्रकारों पर यथामूल्य 30 प्रतिशत का निर्यात शुल्क और लौह अयस्क पैलेट पर 5 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया है ताकि घरेलू इस्पात उद्योग की दीर्घकालीन आवश्यकता के लिए खनिजों का संरक्षण किया जा सकें। सरकार ने स्थापना हेतु आयात किये गये संयंत्र और मशीनरीं अथवा लौह अयस्क पैलेट संयंत्रों के विस्तार अथवा लौह अयस्क बेनीफिसिएसन संयंत्रों पर भी सीमा शुल्क 7.5 प्रतिशत से घटाकर 2.5 प्रतिशत कर दिया है।

(v) वर्तमान में स्टील पर आबकारी शुल्क 12 प्रतिशत है।

(vi) भारतीय लोहा और इस्पात उद्योगों के लिए अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी का एक रोड़मैप इस्पात मंत्रालय द्वारा जारी किया गया है जिसका उद्देश्य अनुसंधान एवं विकास और इस्पात प्रौद्योगिकी के बीच अंतर को उजागर करना तथा अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी अपग्रेडेशन कार्यक्रम में निवेश करने के लिए उपयुक्त कार्ययोजना/ रणनीति तैयार करने के लिए इस्पात उद्योग को प्रेरित करना है।

(vii) इस्पात उद्योग में अवसंरचनागत कमियों और कच्चे सामग्री के मुद्दों का समाधान करने के लिए सचिव (इस्पात) की अध्यक्षता में अंतर मंत्रालयीन (आईएमजी) की बैठक नियमित आयोजित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय बिलम्बित परियोजना के संबंध में तेजी से निर्णय लेने के लिए मंत्रीमण्डल सचिवालय की परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) में सक्रिय रूप से भूमिका निभा रहा है।

(viii) माननीय इस्पात मंत्री की अध्यक्षता में इस्पात मंत्रालय में एक राष्ट्रीय इस्पात उपभोक्ता परिषद का गठन किया गया था जो उत्पादकों और उपभोक्ताओं के साथ नियमित पारस्परिक क्रिया को सुविधाजनक बनाता है और इस्पात के उत्पादों की आपूर्ति /उपलब्धता/ मूल्य निर्धारण तथा अन्य जुड़े मुद्दों के संबंध में उपभोक्ताओं के समक्ष आ रही समस्या का समाधान करता है। परिषद की 24वीं बैठक 3 फरवरी, 2014 को लखनऊ में हुई थी।

(ix) इस्पात मंत्रालय इस्पात उद्योग के सहयोग से प्रगति मैदान, नई दिल्ली में प्रतिवर्ष भारत अंतराष्ट्रीय व्यापार मेला में ''स्टील पेवेलियन'' का आयोजन करता है, जहां इस्पात के उपयोग की विभिन्नताओं और उसके लाभों को बताने के लिए लोहा एवं इस्पात और खनन क्षेत्र की मदों को प्रदर्शित किया जाता है।

(x) सरकार ने ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडर्ड एक्ट 1986 के अंतर्गत ''इस्पात एवं इस्पात उत्पाद (गुणवतता नियंत्रण) आदेश'' यह सुनिश्चित करने के लिए जारी किया है कि कोई भी निर्माता ऐसे इस्पात और इस्पात उत्पादों का बिक्री अथवा वितरण हेतु निर्माण, आयात और भंडारण नही कर सकता, जो

मानकों को पूरा नही करते है और जिन पर स्टेंडर्ड मार्क (बीआईएस अथवा आईएसआई मार्क) अंकित न हो।

(xi) घरेलू ग्रामीण इस्पात खपत के पैटर्न की पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) के माध्यम से अखिल भारत स्तर पर अध्ययन कार्य पूरा कर लेने के बाद इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त सचिव, भारत सरकार की अध्यक्षता में एक निगरानी समिति का गठन ग्रामीण अध्ययन रिपोर्ट की विभिन्न सिफारिशों के कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए किया गया है। इस समिति में सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों, इस्पात मंत्रालय, जेपीसी और आईएनएसडीएजी से प्रतिनिधि शामिल है।

(xii) वर्ष 2025 तक 300 एमटीपीए स्टील का लक्ष्यित उत्पादन को प्राप्त करने पर जोर देने के लिए इस्पात उद्योग के विकास हेतु विद्यमान राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 को प्रतिस्थापित करते हुए एक नई राष्ट्रीय इस्पात नीति का प्रारूप तैयार करने की प्रक्रिया आरम्भ की गई है।

2. <u>इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल</u>

राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी) 2005 के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित प्रमुख पहलें की गई हैं:-

(i) <u>सेल, आरआईएनएल और एनएमडीसी लिमिटेड की मेगा विस्तार योजनाएं</u>

<u>सेल</u>: स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने भिलाई, बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर तथा बर्नपुर स्थित अपने एकीकृत इस्पात संयंत्रों एवं सेलम स्थित अपने विशेष इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य शुरू किया है। वर्तमान दौर में कच्चे इस्पात की उत्पादन क्षमता को 12.8 मिलियन टन से बढ़ाकर 21.4 मिलियन टन प्रति वर्ष किया जा रहा है। वर्तमान चरण के लिए सांकेतिक निवेश लगभग 61870 करोड़ रूपये है। लगभग 10000 करोड़ रूपये की अतिरिक्त रकम को सेल खानों के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए निर्धारित किया गया है। उत्पादन क्षमता बढ़ाने के अतिरिक्त सेल की विस्तार योजना से पुरानी पड़ चुकी प्रौद्योगिकियों को समाप्त करने, ऊर्जा बचत, उत्पाद मिक्स को समृद्ध बनाने, प्रदूषण नियंत्रण, आदान सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए खानों और कोलेरिज का विकास करने, उपभोक्ता केन्द्रित प्रक्रियाएं लागू करने और उच्चतर उत्पादन मात्राओं के संदर्भ में संयंत्र में तदनुरूपी अवसंरचनात्मक सुविधाओं की स्थापना करने के संबंध में सेल संयंत्रों की जरूरतें पर्याप्त रूप से पूरी होती हैं।

राउरकेला इस्पात संयंत्र में बीएफ-बीओएफ-कास्टर-प्लेट मिल की इन्टिग्रेटेड प्रोसेस रूट के अंतर्गत सभी सुविधाएं प्रचालन में है और वे निर्धारित क्षमता का लगभग 70 प्रतिशत प्रचालन कर रही है। प्लांट की स्थापित क्रूड इस्पात क्षमता 1.9 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़कर 4.2 एमटीपीए हो गई है। इस्को इस्पात संयंत्र में इन्टिग्रेटेड प्रोसेस रूट के अंतर्गत सभी सुविधाएं प्रचालन में है और वे स्थिर हो रही है। संयंत्र की स्थापित क्रूड इस्पात क्षमता 0.50 एमटीपीए से बढ़कर 2.50 एमटीपीए हो गई है। बोकारा इस्पात संयंत्र में सभी बड़ी सुविधाएं यथा अपग्रेडेड बीएफ संख्या 2, कोक ओवन बैटरी संख्या 1 व 2 तथा नई 1.2 एमटीपीए कोल्ड रोलिंग मिल इत्यादि कमीशन कर ली गई हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र में अयस्क हैंडलिंग प्लांट भाग –ए,

एसपी- 3 में दूसरी सिंटर मशीन और कोक ओवन बैटरी पूरी कर ली गई है। दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में कोक ओवन बैटरी -2 का पुनर्निर्माण पूरा हो गया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में और बोकरो इस्पात संयंत्र में शेष सुविधाएं क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में है। आधुनिकीकरण और विस्तार के वर्तमान चरण के तहत शेष सुविधाओं को उत्तरोत्तर रूप से 2015 तक पूरा करने के प्रयास किए जाते है।

आरआईएनएल:

आरआईएनएल ने 12291 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से तरल इस्पात क्षमता को दो गुना करते हुए 6.3 एमटीपीए करने के लिए प्रमुख विस्तार योजना आरम्भ की है। चरण-1 की सभी बड़ी यूनिटे कमीशन कर ली गई है और वे नियमित प्रचालन में है। चरण -2 के तहत शेष यूनिट अर्थात स्पेशल बार मिल और स्ट्रक्चरल मिल को क्रमश: मार्च, 2015 और अप्रैल, 2015 तक कमीशन करने की योजना बनाई गई है।

आधुनिकीकरण एवं अपग्रेडेशन: तरल इस्पात क्षमता को बढ़ाकर 7.3 एमटीपीए करने के लिए विद्यमान ब्लास्ट फर्नेसों, कन्वरटरों का अपग्रेडेशन और आधुनिकीकरण तथा एसएमएस-2 में तीसरे कन्वटर, चौथे कास्टर की स्थापना का कार्य शुरू कर दिया गया है। ब्लास्ट फर्नेस-1 के श्रेणी-1 की बड़ी मरम्मत और अपग्रेडेशन का कार्य 30 जुलाई, 2014 को फर्नेस की ब्लोईंग के साथ पूरा कर लिया गया था।

एनएमडीसी लिमिटेड: एनएमडीसी लिमिटेड ने लौह अयस्क के उत्पादन को वर्ष 2014-15 तक 34 एमटीपीए, वर्ष 2018-19 तक 75 एमटीपीए और वर्ष 2024-25 तक 100 एमटीपीए करने की योजना बनायी है। कंपनी विद्यमान खानों से लगभग 78 एमटीपीए का उत्पादन कर सकती है और उसे अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए अतिरिक्त खानों को प्राप्त करने की आवश्यकता होगी।

एनएमडीसी लगभग 15525 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से छत्तीसगढ़ के नागर-नार में 3 एमटीपीए क्षमता के एक ग्रीन फील्ड इन्टीग्रेटेड इस्पात संयंत्र की स्थापना कर रहा है।

एनएमडीसी ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड में फारवर्ड इंटीग्रेशन के जरिए अपना कारोबार बढ़ाने की प्रक्रिया में है। यह कार्य निम्नलिखित की स्थापना के जरिए किया जाएगा- (क) कर्नाटक के दौणिमलै में 1.2 एमटीपीए क्षमता वाला पैलेट प्लांट, (ख) छत्तीसगढ़ में बचेली और नागरनार के बीच स्लरी पाइपलाइन से परस्पर जुड़े बेलाडिला परिसर में 10 एमटीपीए क्षमता वाले बेनीफिसिएशन प्लांट सहित नागरनार में 2 एमटीपीए क्षमता वाला पैलेट प्लांट।

(ii) स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी)

प्रमोटर कंपनियों के रूप में सेल, आरआईएनएल, सीआईएल, एनटीपीसी और एनएमडीसी के साथ दिनांक 20.5.2009 को इंटरनेशलन कोल वेंचर्स लिमिटेड (आईसीवीएल) नामक स्पेशल पर्पज व्हीकल को एक संयुक्त उद्यम के रूप में निगमित किया गया है जिसका उद्देश्य प्रमोटर कंपनियों की कोयला आवश्यकता को पूरा करने के लिए विदेशों में कोयला सम्पत्तियों को अधिग्रहित करना है। आईसीवीएल को एक नवरत्न कंपनी के रूप में काम करने की शक्तियां और स्वायत्तता प्रदान की गई है परंतु इसे औपचारिक रूप से नवरत्न कंपनी का

दर्जा प्राप्त नहीं होगा। आईसीवीएल विभिन्न लक्षित देशों यथा आस्ट्रेलिया, कनाडा, इण्डोनेशिया, मोजाम्बिक और अमेरिका में कोयला संपत्तियों की सक्रिय रूप से खोज कर रहा है। यह वर्तमान में लक्षित देशों में कोयला खानों और संपत्ति के लिए विस्तृत अध्ययन कार्य कर रहा है। इसने हाल ही में 2.6 बिलियन टन कोयला संसाधन वाले रियो टिन्टो से मोजाम्बिक में कोयला खान और कोयला परिसम्पत्तियां अर्जित की है।

(iii) **<u>विलय/अधिग्रहण तथा रणनीतिक समझौते/संयुक्त उद्यम</u>**

इस्पात इकाइयों की प्रचालनात्मक क्षमता में सुधार करने और सीनर्जी प्राप्त करने के लिए कई विलय/अधिग्रहण/नीतिपरक समझौते/संयुक्त उद्यम हुए हैं अथवा बातचीत की विभिन्न अवस्था में है। इनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(क) <u>विलय/अधिग्रहण</u>

- सेल द्वारा जयपौर, ओडीशा में नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) में अधिकांश स्टेक के अधिग्रहण की संभावना के लिए इस्पात मंत्रालय ने वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मामला उठाया है। ऐसी अधिग्रहण प्रक्रिया से लाभकारी एकीकृत स्टील संयंत्र के रूप में एनआईएनएल की पूर्ण संभावित क्षमता का लाभ मिलेगा। सेल की प्रगति और बाजार अंश में वृद्धि होगी तथा इसके अलावा, पत्तन आधारित संयंत्र और आबद्ध लौह अयस्क भंडारों तक उसकी पहुँच संभव होगी और इनका लाभपूर्ण उपयोग होगा।

(ख) <u>कार्यनीतिक समझौता और संयुक्त उद्यम</u>

- <u>सेल एससीएल केरला लिमिटेड (एसएसकेएल), कोजिकोडे का प्रचालन पुन: आरम्भ होना:</u> तत्कालीन स्टील कम्प्लैक्स लिमिटेड, एक बीआईएफआर पंजीकृत कंपनी का प्रबंधन सेल द्वारा वर्ष 2010 में बीआईएफआर मुक्त होने के पश्चात् अपने हाथ में ले लिया गया था और इसे सेल तथा केरल सरकार बराबर शेयर धारिता के साथ एक संयुक्त उद्यम कम्पनी नामत: सेल- एससीएल केरला लिमिटेड के रूप में परिवर्तित किया गया था। संयुक्त उद्यम कंपनी ने परिसर में 65000 टीपीए के टीएमटी रोलिंग मिल की स्थापना के लिए प्रक्रिया आरम्भ कर दी है और मिल का उत्थापन प्रगति पर है।

- सेल इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन ऑफ उड़ीसा लिमिटेड (आईडीसीओएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों आईएफसीएल (आईडीसीओएल फेरो क्रोम अलॉय लिमिटेड) और आईकेआईडब्ल्यूएल (आईडीसीओएल कलिंगा आयरन वर्कस् लिमिटेड) के साथ संयुक्त उद्यम/ अधिग्रहण की सम्भावना का पता लगाने के लिए इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन ऑफ उड़ीसा लिमिटेड (आईडीसीओएल) के साथ भी विचार-विमर्श कर रहा है। दोनों कंपनियों के बीच एमओयू हस्ताक्षरित करने के अनुसरण में सेल ने परिसम्पत्ति के मूंल्याकन का कार्य शुरू किया है और निवेश योजना तैयार की है जिससे आईडीसीओएल की दोनों सहायक कंपनियों की भूमि और संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा। विस्तृत अध्ययन से संबंधित दौरे और आईडीसीओएल के प्राधिकारियों के साथ हुए श्रृंखला बद्ध विचार-विमर्श तथा सेल बोर्ड द्वारा दिये गये अनुमोदन के आधार पर आईकेआईडब्ल्यूएल में 100 प्रतिशत इक्विटी भागीदारी और आईएफसीएएल में इक्विटी भागीदारी

(51 प्रतिशत) के अधिग्रहण हेतु वित्तीय बोली अगस्त, 2013 में प्रस्तुत कर दी गई थी। उड़ीसा सरकार के इन्टर डिर्पाटमेंटल कोर ग्रुप (आईडीसीजी) के साथ बात-चीत चल रही है।

- लौह अयस्क की खनन क्षमता को बढ़ाने के लिए पूर्व तटीय रेलवे की कोटावल्सा-किरणदुल लाइन के 150 किलोमीटर लंबी जगदलपुर-किरणदुल लाइन के दोहरीकरण हेतु एनएमडीसी ने भारतीय रेलवे के साथ एक समझौता-ज्ञापन संपन्न किया है।

- एनएमडीसी ने आरआईएनएल के साथ एक समझौता ज्ञापन संपन्न किया है, जिसका उद्देश्य नागरनार से विजाग तक स्लरी पाइपलाइन की व्यवस्था करना तथा विजाग में पैलेट प्लांट की स्थापना करना है। यह परियोजना संयुक्त उद्यम परियोजना होगी।

- आरआईएनएल ने फारवर्ड इटींग्रेसन /व्यावसायिक विविधीकरण के लिए कई रणनितिक समझौते किये है। इस दिशा में विभिन्न पारस्परिक क्रिया निम्नवत है:-

  - भारतीय रलवे की हाई स्पीड रेल गाडियों के पहीयों के उत्पादन के लिए रायबरेली, उत्तर प्रदेश में फोर्ज्ड ह्वील प्लांट की स्थापना की जा रही है।

  - 50000 एक्सल प्रतिवर्ष का उत्पादन करने के लिए एक एक्सल संयंत्र की स्थापना की जा रही है।

  - नागरनार से विशाखापट्टनम तक 13 एमटीपीए क्षमता की लौह अयस्क स्लरी पाईप लाईन विछाने और विशाखापट्टनम में 6 एमटीपीए पैलेट संयंत्र की स्थापना करने के लिए एनएमडीसी के साथ संयुक्त उद्यम पहल।

(iv) **<u>कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)</u>**

- कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) एक ऐसी अवधारणा है, जिसके द्वारा संगठन अपने कार्यो से ग्राहकों, कर्मचारियों, शेयरधारकों और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति जिम्मेदारी लेते हुए समाज के हितों के लिए कार्य करते है। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और समाज पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। अत: सीएसआर को सतत विकास की प्रक्रिया से जोड़ा गया है।
- लोक उद्यम विभाग ने अपने 21 अक्तूबर, 2014 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 15(13)2013-डीपीई (जीएम) के द्वारा ''केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) के लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व और उत्तरजीविता के संबंध में दिशानिर्देश'' जारी किए है।
- पीएसयूज द्वारा अपने-अपने सीएसआर गतिविधियों के तहत विभिन्न कार्य यथा स्कूलों का निर्माण, चिकित्सा सुविधाओं का प्रावधान, सड़क के किनारे नालियों का निर्माण, गांव की सड़कों में प्रकाश व्यवस्था, स्कूलों मे शौचालयों का निर्माण इत्यादि किये जाते है।

स्टील क्षेत्र के पीएसयू द्वारा सीएसआर का बजट और व्यय

(लाख रूपये में)

पीएसयू	2010-11		2011-12		2012-13		2013-14		2014-15 (दिसम्बर, 14)	
	बजट	व्यय	बजट	व्यय	बजट	व्यय	बजट	व्यय	बजट	व्यय
सेल	9400.00	6895.26	6400.00	6125.00	4200.00	5329.00	4000.00	6206.00	7800.00	1287.00
आरआईएनएल	1540.00	1173.00	1200.00	1062.22	750.00	1600.00	750.00	2031.00	1423.00	1129.00
एनएमडीसी	8156.00	6223.00	8013.00	8671.00	14530.00	10110.00	17105.00	13142.00	25018.69	6397.48*
मॉयल	542.00	575.00	628.00	655.91	680.00	1056.00	863.00	1036.00	1419.00	330.00
केआईओसीएल	100.00	59.36	230.00	119.00	283.00	79.00	93.00	227.00	110.00	8.84
एमएसटीसी	100.00	95.74	150.00	166.00	355.00	193.28	260.00	482.86	120.00	57.75@
एफएसएनएल	10.00	9.06	9.00	9.06	9.00	9.00	4.00	4.50	25.27	3.50
मेकॉन	180.50	110.91	325.00	220.51	497.49	235.33	460.46	257.63	468.76	183.63
एचएससीएल	25.00	2.87	0.00	7.51	0.00	24.02#	0.00	0.00	0.00	0.00
बर्डग्रुप कंपनी	216.00	83.00	38.00	26.00	17.00	48.00	64.32	92.27	36.35	24.10
योग	**20269.50**	**15227.20**	**16993.00**	**17062.21**	**21321.49**	**18683.63**	**23599.78**	**23479.26**	**36421.07**	**9421.30**

@ फरवरी, 2015 तक

* नवम्बर, 2014

\# पिछले वर्ष से लाई गई निधि से खर्च

(v) इस्पात का ग्रामीण वितरण नेटवर्क

- सेल ग्रामीण डीलरशीप स्कीम पर जोर देते हुए अपने उत्पादों की अधिक खपत हेतु पहुँच को व्यापक बनाने के लिए अपने डीलर नेटवर्क का व्यापक विस्तार कर रहा है। 01 जनवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार सेल के डीलरशिप नेटवर्क में 2877 डीलर हैं, जिसमे 1027 ग्रामीण डीलर शामिल है। अप्रैल-दिसम्बर, 2014 के अनुसार 380 नये डीलरों की नियुक्ति की गई है जिसमें 207 ग्रामीण डीलर शामिल है। सेल की ग्रामीण डीलरशिप स्कीम को ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लाक/तालुका स्तर पर अपने व्यापार के क्षेत्र का विस्तार करने के लिए वर्ष 2011-12 में आरम्भ किया गया था।

- सेल डीलरों की नियुक्ति एक सतत प्रक्रिया है। सेल की डीलरशिप नीति के अनुसार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों को तरजीह दी जाती है, बशर्ते कि वे स्वयं के लिए निर्धारित अहर्ता मानदण्ड / शर्तो को पूरा करे। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के डीलरों को प्रतिभूति जमा का भुगतान करने से छूट दी जाती है जबकि सामान्य

श्रेणी के अंतर्गत डीलरों को सम्मत मासिक कुल खरीद के लिए 500/- रूपए प्रति टन की दर से प्रतिभूति जमा का भुगतान करना होता है।

- आरआईएनएल नये उत्पादों के विकास और आपूर्ति तथा व्यापक कवरेज हेतु वितरण नेटवर्क में सुधार के जरिये स्टील के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर आधार पर प्रयास करता रहता है।

- आरआईएनएल के वितरण नेटवर्क में 5 क्षेत्रीय कार्यालय, 23 शाखा कार्यालय, 22 स्टॉकयार्ड और 6 प्रेषण बिक्री एजेन्ट है। आरआईएनएल ने शहरी, अर्ध शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्टील उत्पादों की आपूर्ति करने के लिए 115 रिटेलर नियुक्त किये हैं।

- ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात के उपयोग को लोकप्रिय बनाने की दृष्टि से आरआईएनएल-वीएसपी ने छोटे-छोटे कस्बों में जिला स्तरीय डीलरों और पंचायत स्तरीय स्थानों एवं ब्लाकों में ग्रामीण डीलरों के पंजीकरण की योजना लागू की है। ग्रामीण डीलरों के पंजीकरण की प्रक्रिया सतत और सरल है। ग्रामीण डीलरशिप के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अल्पसंख्यक और महिला उद्यमियों को वरीयता दी जाती है। दिसम्बर, 2014 के अंत तक अर्ध शहरी और गांवों में रहने वाले उपभोक्ताओं को इस्पात उत्पादों की सप्लाई के लिए देश के लगभग सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में आरआईएनएल के 453 ग्रामीण डीलर हैं। आरआईएनएल ने रॉची, रायपुर, त्रिची, इलाहाबाद, पणजी, जम्मू, सिलिगुडी और विजयवाड़ा में विपणन संपर्क कार्यालय शुरू किये हैं।

(vi) **<u>लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास कार्यों को प्रोत्साहन</u>**

लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) मुख्यतया इस्पात संयंत्रों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किया जाता है। लोहा एवं इस्पात और गौण कंपनियों द्वारा वर्ष में लगभग 300 करोड़ रूपए का आर एण्ड डी कार्यों में निवेश किया जाता है, जो कारोबार का मुश्किल से 0.15 % से 0.30% के बीच होता है। भारतीय स्टील कंपनियों द्वारा किये जाने वाला आर एण्ड डी निवेश विदेशों की प्रमुख इस्पात कंपनियों द्वारा किये जाने वाले निवेश का लगभग 1/10 है। घरेलू कच्ची सामग्री के उपयोग को बढ़ाने, प्रौद्योगिकी आर्थिक प्राचलों में सुधार करने, ऊर्जा खपत और सीओ2 उत्सर्जन में कमी करने तथा नए इस्पात उत्पाद का विकास करने की आवश्यकता है। मंत्रालय के आर एंड डी के प्रोत्साहनवर्धक प्रयासों में प्रमुखतया निम्नलिखित तीन क्षेत्रों पर जोर दिया जाता है :-

(क) लोहा और इस्पात निर्माण की नई प्रौद्योगिकियों, विशेष तौर से जो हमारे घरेलू संसाधनों से संबंधित हैं, को तेजी से अपनाने/अंगीकार करने के लिए पहल करना।

(ख) लौह अयस्क चूर्ण और अकोककर कोयले का उपयोग कर अभिनव/पाथ ब्रेकिंग प्रौद्योगिकियों में घरेलू क्षमता का विकास;

(ग) लौह अयस्क, कोयला इत्यादि जैसे कच्चे माल का बेनिफिसिएशन और एग्लोमरेशन।

(घ) इंडक्शन भट्टी रूट के जरिए उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना

(ड.) सीआरजीओ स्टील जैसे मूल्य वर्धित इस्पात उत्पादों का स्वदेशी विकास

आर एंड डी पर और अधिक बल देने के लिए इस्पात मंत्रालय ने सितम्बर, 2011 में ''भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग के लिए अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी'' पर एक रोड मैप प्रकाशित किया है जिसका उद्देश्य भारतीय इस्पात उद्योग को आर एण्ड डी और प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के जरिये अपनी प्रौद्योगिकियों में सुधार हेतु प्रेरित करना है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय लोहा और इस्पात क्षेत्र में आर एण्ड डी को प्रोत्साहित करने के लिए निम्नलिखित प्रमुख पहल पर कार्रवाई कर रहा है :-

(क) इस्पात विकास निधि (एसडीएफ) से आर एण्ड डी

इस स्कीम के तहत सचिव (इस्पात) की अध्यक्षता वाली आर एण्ड डी संबंधी अधिकार प्राप्त समिति ने 83 अनुसंधान परियोजनाओं को अभी तक अनुमोदन प्रदान किया है जिनकी लागत 389.63 करोड़ रूपये के एसडीएफ घटक समेत 696.27 करोड़ रूपये है। इनमें से 47 परियोजनाएं पूरी कर ली गई है। इस्पात संयंत्रो द्वारा विभिन्न आर एण्ड डी परियोजनाओं के अनुसंधान परिणामों का क्रियान्वयन किया गया है, जिसके फलस्वरूप उनकी उत्पादकता में सुधार हुआ है तथा ऊर्जा खपत और प्रदूषण में कमी आई है।

(ख) योजना निधि से आर एंड डी

इस स्कीम के तहत सचिव (इस्पात) की अध्यक्षता वाली परियोजना अनुमोदन एवं निगरानी समिति ने अभी तक 10 आर एण्ड डी परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया है, जिनकी कुल लागत योजना निधि से 95.66 करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता के साथ 138.10 करोड रूपये है। अभी तक वे 5 परियोजनाएं पूरी कर ली गई है जिनमें लोहा और इस्पात क्षेत्र के लाभार्थ लौह अयस्क एवं कोयला के बेनिफिशिएसन और एग्लोमरेशन के लिए प्रयोगशाला/पायलट स्तर पर प्रक्रियाएं /प्रौद्योगिकियां विकसित की गई है। प्रयोगशाला स्तर के इण्डक्शन फर्नेस में कम फास्फोरस वाले स्टील के उत्पादन के लिए प्रयोगशाला स्तर पर भी प्रक्रिया विकसित की गई है, जिसके लिए औद्योगिक ट्रायल चल रहे है।

(ग) स्टील रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया

देश के लोहा और इस्पात क्षेत्र में आर एण्ड डी की अगुवाई करने के लिए इस्पात मंत्रालय उद्योग के नेतृत्व वाला एक संस्थानिक तंत्र नामश: स्टील रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया (एसआरटीएमआई) की स्थापना को सुगम बना रहा है। एसआरटीएमआई का वित्त पोषण इस्पात मंत्रालय और भारतीय इस्पात उद्योग द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

(vii) <u>चुनिंदा इस्पात मदों के संबंध में मेंडेटरी क्वॉलिटी कंट्रोल ऑर्डर</u>

इस्पात मंत्रालय ने 16 ऐसे स्टील उत्पादों को अभिज्ञात किया है, जिनका प्रत्यक्ष प्रभाव उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य/सुरक्षा पर पड़ रहा है और जो इस्पात एवं इस्पात उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेशों के जरिये अवसंरचना के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। यह आदेश 01 अक्तूबर, 2014 से सभी 15 उत्पाद श्रेणियों (एक उत्पाद को हटा लिया गया है) पर पूर्णत: लागू होता है। यह प्रत्याशा है कि उपभोक्ताओं को महत्वपूर्ण अंतिम अनुप्रयोगों के लिए गुणवत्ता परक इस्पात उपलब्ध कराने में समय लगेगा। इस आदेश के तहत जनता को भी कम गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादों की आपूर्ति के विरूद्ध कानूनी सहारा लेने का अधिकार दिया गया है।

(viii) **जेंडर बजटिंग**

महिला सशक्तिकरण हेतु वित्त मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेशानुसार मंत्रालय में एक जेंडर बजट सेल स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य मंत्रालय में जेंडर बजट की अवधारणा को कार्यान्वित करने के लिए कदम उठाना है।

3. <u>नई राष्ट्रीय इस्पात नीति</u>

इस्पात उद्योग मूलत: घरेलू और विश्व स्तर पर बाजार में परिवर्तन से संचालित होता है। इसका अभिप्राय है कि राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2005 में सम्मिलित अधिकांश लक्ष्यों को बाजार की बदल रही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पुनर्निर्धारित/पुनर्मूल्यांकित करने की आवश्यकता है। इसलिए इस्पात मंत्री के अनुमोदन से एक नई इस्पात नीति के गठन करने का निर्णय किया गया। नई इस्पात नीति का उद्देश्य राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए देश में इस्पात के सभी विभिन्न पहलुओं जैसे भारत में इस्पात की मांग में वृद्धि, कच्चे माल, संसाधन एवं डिजाईन तथा नई स्टील परियोजनाओं को सुगम बनाना इत्यादि को शामिल करते हुए एक व्यापक नीति बनाना है। नई नीति दस्तावेजों से पहले लोहा और इस्पात क्षेत्र के लिए दीर्घकालीन योजना को अंतिम रूप दिये जाने हेतु तैयार लिया गया है।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली निर्माण संबंधी एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसीएम) ने वर्ष 2025 तक इस्पात उत्पादन के लिए 300 मिलियन टन का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह एक अतिमहत्वाकांक्षी लक्ष्य है और इसे प्राप्त करने के लिए सेल और आरआईएनएल अपने दूसरे चरण के आधुनिकीकरण /विस्तार कार्यो के लिए योजनाएं तैयार कर रहे है। इसके अतिरिक्त, खनिज संपदा से संपन्न उड़ीसा, झारखण्ड, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ में बड़े इस्पात संयंत्रों की स्थापना को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रयास किये जा रहे है। स्पेशल पर्पज व्हीकल्स (एस.पी.वीएस.), जो कि इन परियोजनाओं के विकास के लिए उत्तरदायी होंगे, का गठन सेल, आरआईएनएल, एनएमडीसी और राज्य सरकार के पीएसयूज के बीच साझेदारी स्थापित करके ऐसा किया जायेगा।

****

अध्याय - IV

निष्कर्ष बजट 2013-14 और 2014-15 के पिछले निष्पादन की समीक्षा

11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित शामिल किया गया है। इस योजना को कार्यान्वयन के लिए औपचारिक रूप से दिनांक 23.1.2009 को अनुमोदित किया गया था। 200 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ इस योजना को 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) में जारी रखा गया है। दिसम्बर, 2014 तक दस (10) आर एंड डी परियोजना प्रस्तावों का अनुमोदन कर दिया गया है।

12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए 200 करोड़ रूपये के आवंटन में 32.87 करोड़ रूपये चल रही परियोजनाअें हेतु, 150 करोड़ रूपये कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड (सीआरजीओ) स्टील सीटों और अन्य मूल्य वर्धित नये उत्पादों (नया घटक) हेतु और 17.13 करोड़ रूपये नई परियोजनाओं, जिनका क्रियान्वयन स्कीम की विद्यमान लक्ष्यों के तहत किया जाना है, हेतु शामिल है। बजट अनुमान 2014-15 में 20.00 करोड़ रूपये का आवंटन किया गया था, जिसे संशोधित अनुमान 2014-15 में घटाकर 7.00 करोड़ रूपये किया गया है।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न स्कीम/ कार्यक्रम बनाते हैं और उनका कार्यान्वित करते हैं। स्कीम के स्वरूप पर निर्भर करते हुए सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनागत स्कीमें उनकी संबंधित वार्षिक योजनाओं अथवा पंचवर्षीय योजनाओं अथवा दोनों की घटक होती हैं। प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई योजनागत स्कीमें हैं। अधिकांश स्कीमें कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और प्रचालनों से संबंधित हैं। इसलिए यह महसूस किया गया है कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी स्कीमों को शामिल करना न तो व्यवहारिक होगा और न ही निष्कर्ष बजट के उद्देश्य के अनुरूप होगा। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख योजना और गैर-योजनागत स्कीमों को ही शामिल किया जाए। इस मानदंड के आधार पर वर्ष 2013-14 के निष्कर्ष बजट में शामिल 45 बड़ी योजनागत स्कीमों और वर्ष 2014-15 में शामिल 39 स्कीमों के संबंध में निर्दिष्ट निष्कर्षो की तुलना में वास्तविक उपलब्धियां निम्नलिखित तालिकाओं में दी गई है। इस्पात मंत्रालय की योजनागत स्कीमों के तहत उपलब्धियां तालिका में दी गई हैं। यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश प्रमुख स्कीमों कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं अत: इन स्कीमों की उपलब्धियों का अपेक्षाकृत अधिक सार्थक और वास्तविक मूल्यांकन इन स्कीमों के पूरा किए जाने के बाद ही संभव है।

वर्ष 2013-14 के दौरान स्कीमों के पिछले निष्पादन की समीक्षा

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
क	**50.00 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली अनुमानित/स्वीकृत स्कीमें**											
1.	**स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)**											
(क)	**भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी)**											
(i)	सीओबी-9 की कोल्ड रिपेयर	कोयले की मांग की कमी को पूरा करना तथा कोक ओवन गैस बैलेंस को स्थिर करना एवं उत्सर्जन स्तर को घटाना	359.78 (332.65)	137.00	65.62	उत्पादन को बेहतर बनाना और पर्यावरण तथा वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण निवारण मानकों को प्राप्त करना।	जुलाई, 12/ अगस्त'14	अगस्त, 14	59.99	102.39	कोक की उपलब्धता में वृद्धि	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(ii)	बीएसपी का विस्तार	अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए तप्त धातु एवं क्रूड इस्पात के उत्पादन में वृद्धि करना; निम्न उत्पादन तथा ऊर्जा गहन इकाइयों को समाप्त करना, परिसज्जित इस्पात उत्पादन को बढ़ाकर सेमिज को घटाना; उच्चतर लोचता एवं लाभप्रदता के लिए उत्पाद मिश्र को बढ़ाना एवं मूल्यवर्धन करना; भारतीय रेलवे की अपेक्षाओं को पूरा करना।	18847.00 (17266.00)	5300.00	4460.00	तप्त धातु की क्षमता 4.08 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	अगस्त'14 (उत्तरोत्तर रूप से)/ मार्च'13	मार्च'15	3958.01	12491.86	अयस्क हैंडलिंग संयंत्र (ओएचपी)-ए	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(ख)	**दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी)**											
(i)	दुर्गापुर स्टील प्लांट का विस्तार	ऊर्जा गहन इकायों को समाप्त करना, ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी लगाना, सेमिज में कमी और तप्त धातु क्षमता में वृद्धि करना	3164.00 (2875.00)	775.00	675.00	तप्त धातु की क्षमता 2.09 एमटीपीए से बढ़ाकर 2.45 एमटीपीए करना	अगस्त'10 (उत्तरोत्तर रूप से)/ दिसम्बर'12	मार्च'15	631.42	2153.22	• आरएमएचपी का बैरेल टाइप रिक्लेमर • सीओबी-2 का पुनर्निर्माण	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ग)	राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी)											
(i)	ब्लास्ट फर्नेस (बीएफ) - 4 में कोल डस्ट इंजेकशन सिस्टम	कोक दर में कमी तथा फर्नेश उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता	70.71 (66.02)	10.25	5.00	1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पुल्वेराइज्ड कोल में प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर	जनवरी'07/ अक्तूबर'08	जून'14	1.07	57.91	सतत संयंत्र परिचालन	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(ii)	आरएसपी का विस्तार	अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए तप्त धातु और क्रूड स्टील के उत्पादन में वृद्धि करना, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना, अधिक मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन; ऊर्जा खपत तथा पर्यावरण में सुधार करना तथा उत्पादन की लागत में कमी लाना।	12922.00 (11812.00)	2050.00	2048.00	तप्त धातु की क्षमता 2.00 एमटीपीए से बढ़ाकर 4.5 एमटीपीए करना	अगस्त'10 (उत्तरोत्तर रूप से)/ मार्च'13	सितम्बर'14	1837.72	10870.17	पूरी की गई मुख्य सुविधाएं – • सिन्टर प्लान - 3 • ओर बेडिंग और ब्लैंडिंग प्लांट • कोक 1 बैटरी कॉम्प्लेक्स • तीसरा स्लैब कास्टर • ब्लास्ट फर्नेस-5 और इससे जुड़ी सुविधाएं सेल के चालू आधुनिकीकरण एवं विस्तार योजना के अंतर्गत 4060 एम3 वाल्यूम का ब्लास्ट फर्नेस पहला फर्नेस है, जिसे पूरा करके प्रचालित किया गया है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
iii)	सीओबी-3 का	4.5 एमटीपीए तप्त धातु	258.53	45.00	47.65	उत्पादन बेहतर	जून 2012	जनवरी'15	29.05	31.93	रीफैक्टरी का	वर्ष 2014-15 में इस

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	पुनर्निर्माण	उत्पादन के लिए कोक की आवश्यकता पूरी करना और उत्सर्जन स्तरों को कम करना।	(237.09)			बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।					उत्थापन 18.04.14 को शुरू किया गया है।	परियोजना की समीक्षा की गई है।
iv)	हीट ट्रीटमेंट सुविधाओं की स्थापना	प्रतिरक्षा तथा सामरिक महत्व के अन्य क्षेत्रों के लिए क्वेंच्ड और टेम्पर्ड प्लेटों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति करना।	178.73 (160.48)	12.00	26.00	12000 टन का अतिरिक्त उत्पादन	अक्तूबर'12 / सितम्बर14	सितम्बर14	18.52	18.86	मूल्यवर्द्धित उत्पादों की बढ़ी हुई उपलब्धता।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(घ)	**बोकारो स्टील प्लांट (बीएसपी)**											
(i)	बीएसएल का विस्तार	तप्त धातु उत्पादन में वृद्धि करना, ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी की शुरूआत, अतिरिक्त कोल्ड रोलिंग की क्षमता संस्थापन के साथ मूल्यवर्धित कोल्ड रोल्ड उत्पादों के लिए हॉट रोल्ड क्वायल्स की अधिक मात्रा का रूपांतरण करना।	6951.00 (6325.00)	1200.00	1020.00	1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स और तप्त धातु का उत्पादन 4.59 एमटीपीए से 5.77 एमटीपीए बढ़ाना।	मई'10 (उत्तरोत्तर रूप से)/ दिसम्बर'11	सितम्बर'14	1121.42	4591.34	एसिड रि-जनरेशन प्लांट, क्वायल पैकेजिंग लाइन, स्किन पास मिल, कम्प्रेस्ड एयर स्टेशन पूरा हो चुका है। पीएलटीसीएम के लिए जुलाई, 13 में टैंडेम कोल्ड मिल के जरिए एचआर पिकिल्ड क्वायल्स को कम करने के लिए एकीकृत ट्रायल रन किया गया। इलेक्ट्रोलाइटिक क्लिनिंग लाइन्स एंड बेल एनिलिंग फर्नेस भी तैयार हो गए हैं। बीएफ-3 की कास्ट हाऊस सं. 6 और बीएफ-2 की संख्या	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ड.)	**इस्को स्टील प्लांट**										3 का कास्ट हाऊस स्लैग ग्रैनुलेशन प्लांट पूरा हो गया है।	
(i)	आईएसपी का विस्तार	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्री योग्य इस्पात का उत्पादन करने के लिए नई सुविधाएं स्थापित करना।	17960.59 (16408.00)	1750.00	1432.00	2.91 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात	जून'08 (उत्तरोत्तर रूप से)/ दिसम्बर' 10	सितम्बर'14	1307.32	15787.87	पूरी की गई मुख्य सुविधाएं : • रॉ मैटेरियन हैंडलिंग कॉम्प्लैक्स • कोक ओवन बैटरी कॉम्प्लैक्स सीडी सीपी और उप उत्पाद संयंत्र के साथ • सिंटर प्लांट • वायर रॉड मिल • नया ब्लास्ट फर्नेस और ऑक्सीजन प्लांट तैयार हैं। • बिलेट कास्टर नं. 1 में पहला बिलेट कास्ट किया गया।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(च)	**रॉ मैटेरियल डिविजन (आरएमडी)**											
(i)	बोलानी लौह अयस्क खान की लदान क्षमता में वृद्धि	लदान क्षमता में बढ़ोतरी करना और पूर्ण रेक लदान के लिए रेलवे लाइन, ओवर हेड इलैक्ट्रिकल वर्क और सिगनलिंग और दूरसंचार में सुधार करना	124.88 (119.88)	15.00	20.50	--	जून'08 / दिसम्बर' 09	सितम्बर'13 (पूर्ण)	1.96	99.30	लोडिंग कनवेयर (एलसी-3) पूरा हुआ।	एक लाइन पूरी हुई।
(ii)	मेघाहाताबुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	125.78 (118.85)	31.00	25.83	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से 6.50 एमटीपीए करना	मार्च'10/जून'12	जून'14	7.85	65.37	क्रशिंग और लोडिंग सैक्शन संबंधी कार्य पूरा हो चुका है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iii)	बोलानी लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	275.28 (254.55)	93.00	58.13	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.1 एमटीपीए से 10 एमटीपीए करना	नवम्बर'11/ नवम्बर'13	जून'14 (7.5 एमटीपीए) जून'15 (10 एमटीपीए)	59.55	104.16	-	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(छ)	चन्द्रपुर फैरोएलॉय प्लांट **(सीएफपी)**											
(i)	1x45 एमवीए सब-आर्क फर्नेस की स्थापना	एचसीएफईएमएन और एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन	203.85 (187.33)	25.00	96.38	स्टैंडएलोन बेसिस पर 37500 टन एचसीएफईएमएन और 35000 टन एचसीएसआईएमएन अथवा 60,000 टन एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन।	दिसम्बर' 11/ अक्तूबर'13	शेष कार्यों के लिए जोखिम तथा लागत आधार पर पुनर्निविदा जारी की गई।	49.70	119.88		वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
2.	**राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)**											
	चल रही स्कीमें											
i)	एएमआर स्कीमें	संयंत्र की अच्छी देखरेख बनाए रखना		100.00	100.00	कोक की आवश्यकता एवं गैस बैलेंस को पूरा करने के लिए दूसरी बैटरी अत्यावश्यक है, जिससे कि अन्य	जारी	--	194.20	--	--	--

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
						तीन कोक ओवन बैटरियों की बड़ी मरम्मत के दौरान तप्त धातु एवं लिक्विड इस्पात के उत्पाद को बनया रखा जा सके।						
ii)	आर एंड डी स्कीमें	उत्पादकता में वृद्धि करना / लागत में कमी करना / नए उत्पादों का विकास करना		15.00	15.00	विद्यमान प्रौद्योगिकी संबंधी विकास, अन्वेषणात्मक अध्ययनों के जरिए प्रचालन संबंधी क्रियाकलापों के लिए प्रौद्योगिकी समाधान के साथ समस्या का समाधान, लागत कम करने/उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रक्रिया संबंधी पैरामीटरों का विफलता विश्लेषण और महत्वपूर्ण परीक्षण	जारी	--	50.27	--	नए उत्पादों की उपलब्धता	--
iii)	कोक ओवन बैटरी नं.4 चरण-II	स्वतंत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 को प्रचालित करना। गैस का पूरा उपयोग तथा अतिरिक्त उपोत्पाद सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उपोत्पाद की बेहतर प्राप्ति में वृद्धि और कोल हैण्डलिंग में शेष सुविधाएं।	355.00	35.00	35.00	स्वतंत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 को प्रचालित करना। उपोत्पादों की रिकवरी में बढ़ोतरी में करना।	कोल हैंडलिंग साईड: जून'08- उपोत्पाद साइड: सितम्बर'08	उत्तरोत्तर रूप से जून'14 से अगस्त'14	26.76	256.95	पुशिंग उत्सर्जन नियंत्रण प्रणाली - 30 अप्रैल'14 को इकाई की कमिशनिंग हो चुकी है। कोल हैंडलिंग प्लांट-कनवेयर सं. वाई-25, 26 और 27 का उत्थापन का कार्य पूरा हो चुका है। अमोनियम सल्फेट प्लांट-इकाई की आंशिक रूप से कमीशनिंग हो चुकी है और मई'14 तक इकाई की पूरी कमिशनिंग की जाएगी। बैनजोल रिकवरी और डिस्टीलेशन प्लांट-	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											पाइप लाइन सहित उपस्कर उत्थापन का कार्य पूरा हो चुका है। इंस्ट्रूमेंटेशन वर्क्स का उत्थापन कार्य पूरा होने के अंतिम चरण में है। इकाई की उत्तरोत्तर रूप से जून'14 से अगस्त'14 तक कमिशनिंग की जाने की संभावना है।	
(iv)	6.3 एमटीपीए लिक्विड इस्पात तक विस्तार	प्लांट की क्षमता बढ़ाना	12291.00	600.00	600.00	उत्पादन बढ़ाना। लिक्विड इस्पात के उत्पादन को बढ़ाकर 6.3 एमटीपीए करना।	28.10.2005 से चरणों में 36/48 महीने स्टेज-1 अक्तूबर, 08 स्टेज-2 अक्तूबर, 09	सितम्बर'14	556.64	10792.66	आरआईएनएल की 6.3 एमटीपीए विस्तार योजना लाईम किल्न प्लांट को छोड़कर चरण-1 की सभी प्रमुख इकाईयों की कमिशनिंग के साथ लगभग पूरी हो चुकी है। इकाइयां जिनकी कमिशनिंग हो चुकी है:- ▪ जुलाई'13 में सिन्टर प्लांट 3 की कमिशनिंग हो चुकी है। ▪ अक्तूबर'13 में स्टील मैल्ट शॉप-2 में कनवर्टर-2 की कमीशनिंग हो चुकी है। ▪ नवम्बर'13 में स्टील मैल्ट शॉप-2 में कॉस्टर-3 की कमिशनिंग हो चुकी है। ▪ जनवरी'14 में डब्ल्यूआरएम-2 की प्रथम लाइन की कमिशनिंग हो चुकी है। ▪ फरवरी'14 में स्टील मैल्ट शॉप-2 में एलएफ-2 की कमिशनिंग हो चुकी है। ▪ मार्च'14 में स्टील मैल्ट शॉप-2 में कनवर्टर-1 की कमिशनिंग हो चुकी है। ▪ मार्च'14 में डब्ल्यूआरएम-2 की दूसरी लाइन कमिशनिंग हो चुकी है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(v)	बीएफ-1 और बीएफ-2 के लिए पुल्वेराइज्ड कोल इंजेक्शन सिस्टम	कम महंगे पुल्वेराइज्ड कोल वाले महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम।	133.00	8.00	8.00	तप्त धातु का वर्धित उत्पादन। तप्त धातु की उत्पादन की लागत में कमी करना।	बीओडी के अनुमोदन के अनुसार अक्तूबर, 07 तक इसे कमीशन किया जाना था।	अगस्त'14	3.57	101.04	सभी तकनीकी कार्य पूरे हो चुके हैं। एन2 कम्प्रेसरस के लिए दिनांक 16 अप्रैल/14 को चीन से विशेषज्ञ आ चुके हैं और इन्होंने 25 अप्रैल/14 को एक कम्प्रेसर को ठीक किया। परीक्षण और कमिशनिंग गतिविधियां प्रारंभ करने के लिए चीन से कमिशनिंग विशेषज्ञ आये। अगस्त'14 में परीक्षण आधार पर इंजेक्शन शुरू करने की योजना है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(vi)	लौह अयस्क खानों और कोकिंग कोल खानों का अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	500.00	3.00	3.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोकिंग कोल /लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और परिव्यय में खानों का अधिग्रहण करना शामिल हैं।	जारी	--	0.00	0.28	राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में 30 वर्षों की अवधि के लिए 945.85 हैक्टेयर क्षेत्रफल की एक खान हेतु राजस्थान सरकार से दिनांक 31-05-2013 को एलओआई प्राप्त की गई। भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर में लगभग 4,866 हैक्टेयर क्षेत्र के एक अन्य लौह अयस्क ब्लॉक के आवंटन के लिए संबंधी राजस्थान सरकार की सिफारिश पर खान मंत्रालय विचार कर रहा है। इस मामले पर कार्रवाई की जा रही है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(vii)	लौह अयस्क भंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	450.00	50.00	50.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिनों के लिए बढ़ेगी।	सितम्बर'09	दिसम्बर'14	74.09	309.45	एचईसी द्वारा अनलोडिंग प्रणाली-एक वैगन पुशर के लिए लगभग सभी मैकेनिकल उपस्कर और अन्य वैगन पुशर के लिए पार्ट्स की आपूर्ति हो चुकी है। अन्य पैकेज- मुख्य आपूर्तियां और सिविल कार्य पूरे हो चुके हैं। उपस्कर उत्थापन का कार्य प्रगति पर है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(viii)	एपट्रांस्को की 220 केवी प्रणाली को मजबूत करना	400 एमवीए विद्युत के पारेषण हेतु एपी विद्युत ग्रिड को मजबूत करना।	86.34	5.00	5.00	इससे विस्तार पर आरआईएनएल हेतु 400एमवीए की संविदात्मक मांग में बढ़ोतरी हो सकेगी	अगस्त'09	--	0.31	63.33	चरण-1 का कार्य पूर्ण हो चुका है। एपी ट्रांस्को के संशोधित प्रस्ताव के अनुरूप 400/220 केवी के सबस्टेशन की स्थापना से संबंधित तौर तरीकों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(ix)	बीएफ-1 और 2 कैटेगरी मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3800 घन मीटर करना।	1663.00	406.00	406.00	तप्त धातु का उत्पादन 0.5 मिलियन टन बढ़ाकर 2 मिलियन टन तथा 2.5 मिलियन टन करना।	बीएफ-1: नवम्बर'12 बीएफ-2: जुलाई'15	बीएफ-1: मई'14 बीएफ-2: जुलाई'15	314.77	356.15	बीएफ-1: उत्थापन कार्य पूरा होने के अंतिम चरण में है और मई'14 के अंत तक कमिशनिंग किए जाने की संभावना है। बीएफ-2: जुलाई'15 तक पूर्ण किए जाने के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बड़े पैमाने मरम्मत को पूरा किए जाने के लिए विस्तृत इंजीनियरिंग का कार्य प्रगति पर है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(x)	सिंटर प्लांट उत्पादकता में वृद्धि करना।	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	343.00	2.00	2.00	सिंटर का उत्पादन 5.5 एमटी से बढ़ाकर 6.8 एमटी करना।	सितम्बर'16	सितम्बर'16	0.03	1.01	मुख्य पैकेज के लिए पूर्ण होने और 28 माह की अवधि के साथ दिनांक 05.03.2014 को ऑर्डर दिए गए हैं।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(xi)	एसएमएस कंवर्टर का पुनरूद्धार	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा उपस्करों का अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है।	404.16	25.00	25.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए प्रौद्योगिकी आवश्यकता।	जुलाई'15	मई'16	2.05	2.05	मुख्य आयातित आपूर्तियों के लिए ऑर्डर दिए जा चुके हैं। मुख्य देशज आपूर्तियों के लिए ऑर्डर दिए जा चुके हैं और आपूर्तियां प्रारंभ हो चुकी हैं। सिविल कार्य प्रगति पर है। द्वितीय उत्सर्जन प्रणाली के	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
		यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।									लिए गैस डक्ट रूटिंग को अंतिम रूप दिया जा चुका है और ड्राईंग्स का अनुमोदन हो चुका है।	
(xii)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा धमन भट्टियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	974.76	2.00	2.00	0.97 एमटी इस्पात के उत्पादन को बढ़ाना	तीसरा कनवर्टर: जुलाई'15 चौथा कॉस्टर: जून'16	तीसरा कनवर्टर: जुलाई'15 चौथा कॉस्टर: जून'16	0.00	0.14	तीसरा कनवर्टर-इंजीनियरिंग गतिविधियां प्रगति पर है। चौथा कॉस्टर-27.02.2014 को मुख्य पैकेज के लिए ऑर्डर दिए जा चुके हैं।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(xiii)	सिंटर मशीन 1 और 2 के सिंटर स्ट्रेटलाइन कूलर संबंधी 20.6 मेगावाट की वेस्ट हीट रिकवरी परियोजना	ग्रीन ऐड प्लान के तहत न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नालॉजी डेवलपमेंट आर्गेनाईजेशन (एनईडीओ), जापान के प्रौद्योगिकीय सहयोग के तहत सिंटर मशीन 1 और 2 के वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम आन स्ट्रेट लाइन कूलर के जरिए 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	96.00	10.00	10.00	सिंटर मशीनों की वेस्ट हीट से और कोई फोसिल ईंधन जलाए बगैर 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	मार्च'12	मार्च'14 में कमीशन हो चुका है।	20.23	87.41	यह इकाई 19 मार्च'14 को कमीशन हुई।	---
(xiv)	विद्युत संयंत्र-2	हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करना जो अन्यथा वातावरण में उड़	677.00	150.00	150.00	हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करना जो अन्यथा वातावरण में उड़	सितम्बर'13	सितम्बर'14	213.47	296.29	बॉयलर-1 और 2 के हाइड्रो परीक्षण का कार्य पूरा हो चुका है। टीजी बिल्डिंग के एक भाग और कम्प्रेसर	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
		जाएंगी। यह परियोजना वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के एकमात्र इरादे के साथ स्वीकार की गई है जबकि आरआईएनएल की विद्युत की आवश्यकता की आंशिक पूर्ति करना जिसके द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना।				जाएंगी। यह परियोजना वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के एकमात्र इरादे के साथ स्वीकार की गई है जबकि आरआईएनएल की विद्युत की आवश्यकता की आंशिक पूर्ति करना जिसके द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए हल्की उपोत्पाद गैसों को प्रयोग करते हुए 120एमडब्ल्यू विद्युत उत्पन्न करना।					बिल्डिंग के भाग जहां पर कार्य प्रगति पर है, को छोड़कर प्रमुख सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य पूरे हो चुके हैं। टीजी उपस्कर के उत्थापन का कार्य प्रगति पर है। इकाई की सितम्बर'14 तक कमीशन किए जाने की योजना है।	
(xv)	एक्सल प्लांट	इस प्रयोजन के लिए आरआईएनएल की 100% अनुषंगी कंपनी का गठन करके पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण हेतु सुविधा की स्थापना करना।	391.00	20.00	20.00	रेलवे द्वारा निश्चित रूप से 20,000 से 25,000 की संख्या में माल उठाने संबंधी आवश्यकता के उद्देश्य की पूर्ति हेतु आरआईएनएल की 100% अनुषंगी कंपनी का गठन करके पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में	आपूर्तिकर्ता की डिलेवरी कार्यक्रम के अनुरूप आरआईएनएल के अनुसार: 30 माह रेलवे के अनुसार:24 माह में अंतिम रूप दिया जाएगा।	--	0.11	0.22	मैसर्स मेकॉन की एक परामर्शदाता के रूप में नियुक्ति की गई है। दिनांक 08.01.2014 को रेलवे को भूमि पट्टा और कुल खरीद करार का अंतिम प्रारूप भेजा गया। करारों को अंतिम रूप देने के लिए रेलवे से मंजूरी अभी लम्बित है। मुख्य प्रौद्योगिकीय पैकेजों यथा फोर्जिंग लाइन और फर्नेस	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
						एक्सल की उपयुक्त क्षमता और अन्य संबंधित उत्पादों का विनिर्माण करने वाली इकाई की स्थापना करना।					तथा मशीनिंग लाइन के लिए निविदाएं जारी की जा चुकी है। प्रस्तावों की संवीक्षा की जा रही है।	
(xvi)	टीपीपी और बीएच में अतिरिक्त स्टीम टरबाईन चालित ब्लोयर टीबी-5 की स्थापना .	टीबी-1, 2, 3 में आधुनिकीकरण का कार्य चलने की स्थिति में आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्टैंडबाई के रूप में और भविष्य में बीएफ-4 के लिए स्टैंडबाई के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए टीबी-5 की स्थापना करना।	280.52	1.00	1.00	यदि वर्तमान टरबाइनों में आधुनिकीकरण/ अनुरक्षण का कार्य चल रहा हो तो बीएफ-1 और बीएफ- 2 की कोल्ड ब्लास्ट आवश्यकता को पूरा करने के लिए टीबी-5 की स्थापना करना।	संविदा प्रदान करने से 27 माह	अगस्त'16	0.00	0.00	मुख्य पैकेज के लिए 14.03.14 को ऑर्डर दिए जा चुके हैं।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(xvii)	एसएलटीएम	1 एमटी अतिरिक्त लिक्विड इस्पात का उपयोग करना, जिसका उत्पादन वर्तमान बीएफ और कन्वर्टर्स/कास्टरों की पुनरूद्धार/उन्नयन के बाद होगा ।.	2512.00	5.00	5.00	5 ½" से 18" ओडी की साइज रेंज में 4,00,000 टीपीए सीमलैस ट्यूबों का उत्पादन करना।	संविदा प्रदान करने से 30 माह	2016-17	1.12	1.12	बोर्ड के निर्देश के अनुरूप निविदा को पहले ही निरस्त कर दिया गया है और नया बाजार सर्वेक्षण करवाने के लिए कार्रवाई की जा रही है तथा संभावित जेवी पार्टनर की तलाश हेतु ग्लोबल ईओआई जारी की गई है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(xviii)	सीओबी-5	6.3/7.3 एमटीपीए चरण के लिए कोक की आवश्यकताओं और गैस बैलेंस की पूर्ति करना और क्रमश: सीओबी # 1, 2 और 3 के पुनर्निर्माण को सुविधा प्रदान करना।	2858.00	2.00	2.00	0.82 एमटीपीए सकल कोक का उत्पादन करना।	परामर्शदात्री सहित ऑर्डर दिए जाने से 42 माह	2016-17	3.99	3.99	सीओबी-5 के मुख्य पैकेजों यथा बैटरी प्रोपर, कोक ड्राई कूलिंग प्लांट, विद्युत उत्पादन इकाई और उपोत्पाद संयंत्र के लिए निविदाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
3.	**केआईओसीएल लिमिटेड**											
(i)	कोक ओवन प्लांट	कोक ओवन प्लांट की स्थापना। इससे सस्ते मूल्य पर कोक की उपलब्धता में सुधार होगा।	452.00	10.00	--	--	--	--	--	--	केआईओसीएल ने 1:2 के ऋण इक्विटी औसत की प्रस्तावित निवेश योजना के साथ 452.22 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से 25 मेगावाट वाले कैप्टिव पॉवर प्लांट के साथ-साथ 3.0 लाख टीपीए क्षमता वाली कोक ओवन बैटरी की स्थापना का अनुमोदन कर दिया है। पर्यावरण और वन मंत्रालय ने परियोजना के लिए पर्यावरण संबंधी मंजूरी प्रदान कर दी है और कर्नाटक के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने परियोजना की स्थापना के लिए सहमति प्रदान कर दी है। भद्रावती में सेल की केओआईसीएल और वीआईएसएल दोनों इकाइयों के बेहतर हित में संभावित संयुक्त उद्यम हेतु इस मामले को मैसर्स सेल के साथ उठाया गया है। मामले पर कार्रवाई की जा रही है।	
(ii)	मंगलौर में स्थाई रेलवे साइडिंग का विकास	चूंकि अधिकांश कच्चे माल का परिवहन रेल के जरिए किया जाता है, इसलिए केआईओसीएल को अपने पैलेट प्लांट तथा ब्लास्ट फर्नेस यूनिट के लिए लौह अयस्क का प्रेषण प्राप्त करने के लिए बल्क मैटेरियल हैंडलिंग सुविधाओं का निर्माण करने का प्रस्ताव है।	130.00	5.00	--	--	--	--	--	3.76	मैसर्स कोंकण रेलवे कोरपोरेशन लि. द्वारा परियोजना हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है। 56 एकड़ भूमि का अधिग्रहण पहले ही किया जा चुका है। सुरक्षा कारणों के चलते और ट्रैक की रिलाइनमेंट के कारण अतिरिक्त भूमि की	
(iii)	रेल द्वारा लौह अयस्क की प्राप्ति के लिए बल्क मैटेरियल हैंण्डलिंग सुविधाओं का निर्माण		173.00	1.00	--	--	--	--	--	--		

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											आवश्यकता है। इन भूमियों के अधिग्रहण के प्रयास किए जा रहे हैं।	
(iv)	चिकनैयाकन्हल्ली और दूसरी खानों का विकास	वर्तमान में अपनी अयस्क की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कंपनी के पास अपनी निजी खानें नहीं हैं।	200.00	2.00	--	--	--	--	--	--	वन और अन्य मंजूरियों की प्राप्ति के लिए संशोधित स्केच जारी करने के लिए राज्य सरकार से मामले पर कार्रवाई की जा रही है।	
(v)	रमनदुर्ग खानों का विकास		900.00	1.00	--	--	--	--	--	--		
(vi)	डक्टाल स्पन पाप प्लांट		309.00	1.00	--	--	--	--	--	--	--	308.612 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से 1.0 लाख टीपीए क्षमता वाले डीआईएसपी प्लांट की स्थापना को अभी रोके रखा गया है।
(vii)	कुद्रेमुख में ईको-टाउन का विकास		100.00	1.00		--	--	--	--	--	--	परियोजना को अभी रोके रखा गया है।
4.	**एनएमडीसी लिमिटेड**											
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	60.00	40.00	क्षमता 7एमटीपीए	मार्च'12	जनवरी'15	20.49	369.57	7 पैकेजों के जरिए परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। ईपीसीएम परामर्शदाता के रूप में मैसर्स मेकॉन की नियुक्ति की गई है। सभी पैकेजों के लिए ऑर्डर दिए गए हैं और कार्य प्रगति पर हैं। क्रशिंग प्लांट पैकेज। सैकेण्डरी क्रशर, एससीएच की ईओटी क्रेन, स्कल्पिंग स्क्रीन के लिए ट्रायल रन किए गए। एप्रोन फीडर और	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											टिपर कन्वेयर का भी उत्थापन किया गया है। सिविल स्ट्रक्चरल और इलैक्ट्रिकल उत्थापन कार्य प्रगति पर है। डाउनहिल कन्वेयर प्रणाली पैकेज: एप्रोन फीडर, इलैक्ट्रिक होइस्ट्स, टीएच-2 में ईओटी क्रेन का उत्थापन किया गया, कन्वेयर 1120 तथा 1116 के ट्रायल रन किए गए। सभी एमसीसी पैनल चार्ज है। कन्व. 1117 बैल्ट डाली जा रही है और जुड़ाव कार्य प्रगति पर है। 7000 मीटर में से 600 मीटर बैल्ट डाली जा चुकी है। जल आपूर्ति लाइन का कार्य पूरा हो चुका है। सर्विस सेन्टर सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य प्रगति पर हैं।	
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	898.55	85.00	85.00	क्षमता 7एमटीपीए	मई'13	जनवरी'15	100.51	291.82	6 पैकेजों में परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। ईपीसीएम परामर्शदाता के रूप में मैसर्स मेकॉन की नियुक्ति की गई है। पैकेज-1 (क्रशिंग और स्टेकिंग सैक्शन), पैकेज-2 (डाउनहिल कन्वेइंग सिस्टम), पैकेज-3 (इलैक्ट्रिकल वर्क्स) पैकेज-4 (दूर संचार) और पैकेज-5 (सर्विस सेन्टर फेसलेटीज) के लिए कार्य प्रदान किया जा चुका है और कार्य प्रगति पर है। और पैकेज-6 (संपर्क सड़क) के लिए पुनर्निविदा दी गई है और बोलियों को अंतिम रूप दिए जाने का कार्य प्रगति पर है। पैकेज-1: प्राइमरी और सैकेण्डरी क्रशर, डम्पर प्लेटफार्म, खान कार्यालय भवन के लिए सिविल कार्य पूरा हो चुका है। अन्य सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य प्रगति पर हैं। प्राइमरी और सैकेण्डरी क्रशर और एप्रोन फीडर का उत्थापन का कार्य पूरा हो चुका है। अनुषंगी उपस्करों का उत्थापन कार्य प्रगति पर है। पैकेज-2: डिजाईन और इंजीनियरिंग का कार्य अंतिम चरण में है। सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य प्रगति पर हैं। पैकेज-3 और 5 के लिए सिविल, स्ट्रक्चरल फ्रेबिकेशन और उत्थापन कार्य प्रगति पर है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iii)	दौणिमल्लै में पैलेट संयंत्र	पैलेट उत्पादन के क्षेत्र में कार्यों का विस्तार करना	572.00	100.00	100.00	क्षमता 1.2 एमटीपीए	अप्रैल'13	सितम्बर'14	111.35	379.62	ईपीसीएम परामर्शदाता के रूप में मैसर्स एम.एन. दस्तूर को नियुक्त किया गया है। 6 पैकेजों (पैलेटाइजेशन, बेनीफिसिएशन, साइट लेवलिंग, एमआरएसएस, बाउंड्री वॉल और विविध भवन तथा मोबाइल उपस्कर) के जरिए परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। सभी पैकेजों के लिए ऑर्डर दिए जा चुके हैं और कार्य प्रगति पर है। पैलेट पैकेज: आयातित आपूर्तियां पूरी हो चुकी हैं और मुख्य देशज आपूर्तियां प्राप्त हो चुकी हैं। शेष आपूर्तियों का कार्य प्रगति पर है। प्रमुख सिविल कार्य पूर्ण हो चुके हैं। स्ट्रक्चरल और उत्थापन का कार्य प्रगति पर है। मिक्सर, कूलर, बॉलिंग डिस्क, किल्न, चैन, ग्रैट, स्क्रीन्स, पंखे, कम्प्रेसर, वर्टिकल रोल मिल आदि जैसे महत्वपूर्ण उपस्करों के उत्थापन का कार्य पूर्ण हो चुका है। अन्य उपस्करों का उत्थापन कार्य प्रगति पर है। रिफ्रैक्टरी का उत्थापन कार्य प्रगति पर है। बेनिफिसिएशन पैकेज: मुख्य सिविल कार्य पूर्ण हो चुके हैं। स्ट्रक्चरल और उत्थापन संबंधी कार्य प्रगति पर हैं। स्क्रीन्स, कन्वेयर, एक्सेसिरीज, थिकनर और हाइड्रो साईक्लोंस की स्थल पर प्राप्ति हो चुकी है। कन्सनट्रेट थिकनर, बॉल मिल, प्रेशर फिलर्स, मैग्नेटिक सैपरेटर्स, डिवाटरिंग साईक्लोंस, ईओटी क्रेन का उत्थापन कार्य पूर्ण हो चुका है। मोबाइल उपस्कर मसलन: फ्रंट एंड लोडर्स के लिए ऑर्डर जारी हो चुके हैं और स्टेगर्ड आपूर्तियों का कार्य प्रगति पर है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iv)	नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता वाला स्टील प्लांट।	i) छत्तीसगढ़ राज्य में निकाले गए लौह अयस्क में मूल्यवर्धन सुनिश्चत करना।. ii) आदिवासी बहुल बस्तर क्षेत्र का विकास। iii) विशेष रूप से भारतीय बाजार में इस्पात उत्पादों से संबंधित बढ़ रही मांग को आंशिक रूप से पूरा करना। iv) व्यापार वृद्धि के लिए उपलब्ध निधियों का निवेश।	15525.00	1880.00	1990.00	क्षमता 3 एमटीपीए	सितम्बर'16	अक्तूबर'16	2049.92	4230.44	1) इस्पात संयंत्र का संपूर्ण कार्य 9 प्रमुख प्रौद्योगिकी पैकेजों, 27 अनुषंगी पैकेजों, 16 अवसंरचना पैकेजों, 11 समर्थकारी पैकेजों और निविदा देने के लिए तथा क्रियान्वयन के लिए निजी रेलवे साईडिंग के 5 पैकेजों में बंटा हुआ है। सभी प्रमुख प्रौद्योगिकी पैकेज प्रदान किए जा चुके हैं और स्थल पर पूरी गति से कार्य चल रहा है। 2) 27 अनुषंगी पैकेजों में से 3 पैकेज प्रदान किए जा चुके हैं और एक प्रमुख अनुषंगी पैकेज के रूप में पॉवर ब्लोईंग स्टेशन के लिए स्थल पर सिविल, उपस्कर उत्थापन का कार्य प्रगति पर है। 9 अनुषंगी पैकेजों के लिए निविदा जारी की जा चुकी है और जिनमें से 5 निविदा मूल्यांकन के अधीन है। 8 अनुषंगी पैकेजों के लिए तकनीकी विशिष्टीकरण को अंतिम रूप दिया जा चुका है और शेष अनुषंगी पैकेजों के तकनीकी विशिष्टीकरण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 3) 16 इन्फ्रा पैकेजों में से 2 पैकेजों के लिए निविदा जांच जारी की जा चुकी है और पांच पैकेजों के लिए टीएस को अंतिम रूप दिया जा चुका है। शेष पैकेजों के तकनीकी विशिष्टीकरण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 4) 11 समर्थकारी पैकेजों में से 8 पैकेजे प्रदान किए जा चुके हैं, जिनमें से 5 पैकेज पूर्ण हो चुके हैं। 1 पैकेज के लिए तकनीकी विशिष्टीकरण को अंतिम रूप दिया जा चुका है और शेष पैकेजों के लिए तकनीकी विशिष्टीकरण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 5) 5 रेलवे साइडिंग पैकेजों में से 1 के लिए निविदा जांच जारी हो चुकी है और शेष 3 पैकेजों के लिए तकनीकी विशिष्टीकरण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 1 रेलवे साइडिंग पैकेज मसलन: रोड ओवर ब्रिज को डिपोजिट आधार पर एनएचएआई द्वारा क्रियान्वित किया जाना है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
5.	**मॉयल लिमिटेड**											
(i)	सेल के साथ फैरो मैगनीज/सिलिको मैगनीज प्लांट हेतु संयुक्त उद्यम	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की मांग को पूरा करने के लिए फेरो/सिलिको मैंगनीज के उत्पादन हेतु भिलाई में इस परियोजना की स्थापना की जाएगी।	391.00	00.00	2.00	इस परियोजना से 31000 एमटी फैरो मैंगनीज और. 75000 एमटी सिलिको मैंगनीज का उत्पादन होगा।	जून 2012	फर्नेश के लिए निविदा को अंतिम रूप देने के बाद मात्रा बढ़ाई जाएगी।	0.00	2.10	अप्रयोज्य	निम्नलिखित के कारण निवेश का क्रियान्वयन नहीं किया गया है:- (क) फर्नेस पैकेज के लिए उच्चतर प्रस्ताव प्राप्त करना, दोनों परियाजनाओं के लिए निविदा पुन: जारी करने के लिए निर्णय लेना और (ख) समग्र भारत में विद्युत की दर में वृद्धि और आन्ध्र प्रदेश में विद्युत की कमी, जिससे छत्तीसगढ़ में आन्धारा परियोजना को पुनर्स्थापित करने के लिए अन्य परियोजनाओं की समीक्षा आवश्यक है।
(ii)	आरआईएनएल के साथ फैरो मैगनीज/सिलिको मैगनीज प्लांट हेतु संयुक्त उद्यम	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की मांग को पूरा करने के लिए फेरो/सिलिको मैंगनीज के उत्पादन हेतु बाबिली में इस परियोजना की स्थापना की जाएगी।	217.00	15.00	1.00	इस परियोजना से 20000 एमटी फैरो मैंगनीज और. 37500 एमटी सिलिको मैंगनीज का उत्पादन होगा।	जून 2012	फर्नेश के लिए निविदा को अंतिम रूप देने के बाद मात्रा बढ़ाई जाएगी।	0.00	7.85	अप्रयोज्य	

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
ख.	**इस्पात मंत्रालय की स्कीम**											
1.	लौह और इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी को बढ़ावा देने के लिए स्कीम											
1 (i)	चालू परियोजनाएं लौह और इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी को बढ़ावा देने के लिए स्कीम	लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिसिएशन और मिश्रण। प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना।	48.00	12.00	8.00	1) गहरी बैनिफिशिएशन के जरिए सिंटर उत्पादकता में सुधार करना तथा निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं चूरे का युक्तिसंगत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का सम्मिश्रण करना। 2)भारतीय कच्ची सामग्रियों अर्थात्: निम्न ग्रेड लौह अयस्क और गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण के वैकल्पिक पूरक रूट का विकास करना। 3)नवाचारी फ्लक्स और/अथवा डिजाइन(रिफ्रैक्ट्री) में परिवर्तन करके प्रेरण भट्टी रूट के माध्यम से डीआरआई का उपयोग करते हुए निम्न फास्फोरस वाले इस्पात का उत्पादन करना। 4)हाइड्रोजन प्लाज्मा और कार्बनडाइऑक्साईड उत्सर्जन की समाप्ति के द्वारा लौह अयस्क/चूरे की स्मैल्टिंग रिडक्शन। 5)भारत में बरसुआ तथा अन्य खानों से लौह अयस्क स्लाइम्स का बेनीफिशिएशन। 6) चूरे की बदलती डिग्री के साथ भारतीय गोथिटिक/हेमेटाइट अयस्क के लिए पायलट स्केल पैलेटाइजेशन प्रौद्योगिकी का विकास। 7) प्रक्रिया इष्टतमीकरण द्वारा लौह एवं इस्पात उत्पादन में कार्बनडाइआक्साईड की कमी करना। 8)उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फाईरेजेशन सहित उच्च राखांश वाले भारतीय कोयले से निम्न राखांश वाले (10 प्रतिशत राखांश) कोयले (कोकिंग गैर कोकिंग) का उत्पादन।	11वीं योजना 2007-12 के दौरान	12वीं योजना 2012-17 में स्कीम जारी रही।	8.00	32.00	इस स्कीम के तहत 8 आर एंड डी परियोजना पर कार्रवाई चल रही थी। एक परियोजना पूर्ण हो चुकी है और 7 आर एंड डी परियोजनाएं प्रगति पर हैं।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल -13 मार्च 14 के लिए	मार्च 14 तक संचित 4		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1(ii)	(मौजूदा स्कीम के अंतर्गत नया घटक)	कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरियंटिड (सीआरजीओ) स्टील शीट्स और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास	150.00	32.00	शून्य	कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरियंटिड (सीआरजीओ) स्टील शीट्स और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास	12वीं योजना के दौरान	12वीं योजना के दौरान। 13वीं योजना में जारी रह सकती है।	शून्य	शून्य	17 जुलाई 2013 को योजना आयोग द्वारा सैद्धांतिक अनुमोदन दिया गया।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
1(iii)	(मौजूदा स्कीम के अंतर्गत नई परियोजनाएं)	नवाचारी लौह/इस्पात निर्माण प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास	2.00	2.00	शून्य	नवाचारी लौह/इस्पात निर्माण प्रक्रिया/ प्रौद्योगिकी का विकास	12वीं योजना के दौरान	12वीं योजना के दौरान	शून्य	शून्य	इंडक्शन फर्नेस रूट के जरिए डीआरआई का प्रयोग करते हुए कम फास्फोरस वाले इस्पात के उत्पादन संबंधी पूर्ण परियोजना के चरण-2 (औद्योगिक स्केल) पर कार्रवाई के लिए सीएसआईआर-एनएमएल, जमशेदपुर से प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।	वर्ष 2014-15 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

प्रक्षेपित निष्कर्षों/लक्ष्यों की तुलना में वास्तविक उपलब्धि 2014-15

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
क	**50.00 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित/स्वीकृत स्कीमें**											
1.	स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल)											
क	भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी)											
(i)	सीओबी-9 की कोल्ड रिपेयर	कोक की मांग में कमी को पूरा करना तथा कोक ओवन गैस बैलेंस को स्थिर करना एवं उत्सर्जन स्तर को घटाना	359.78 (332.65)	100.00	60.00	उत्पादन को बेहतर बनाना और पर्यावरण तथा वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण निवारण मानकों को प्राप्त करना।	अगस्त, 14	जून, 15	56.62	159.01		• मैसर्स मेकॉन द्वारा डिजाइन इंजीनियरिंग में विलंब • बैटरी प्रापर के लिए रिफ्रैक्टरी ईंटों की कमी
(ii)	बीएसपी का विस्तार	अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से हॉट मैटल और क्रूड स्टील के उत्पादन में वृद्धि ; कम उत्पादन तथा ऊर्जा गहन यूनिटों को समाप्त करना, तैयार स्टील उत्पादन बढ़ाकर सैमी को कम करना; उच्चतर लोचता तथा लाभप्रदता के लिए प्रोडक्ट मिक्स का विस्तार और मूल्यवर्द्धन; भारतीय रेल की आवश्यकता को पूरा करना	18847.00 (17266.00)	2960.00	1839.72	एचएम क्षमता को 4.08 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	मार्च '13	सितम्बर, 15 (1 कनर्वटर 2 कास्टर)	1343.241	13835.10	पूरी की गई मुख्य सुविधाएं : • अयस्क हैंडलिंग प्लांट (ओएचपी) –ए • एसपी-3 में दूसरा सिन्टर मशीन • आक्सीजन प्लांट की पहली इकाई(बीओओ आधार) • सितम्बर, 14 में सीओबी-11 के लिए पहली पुशिंग की गई	एसएमएस -III पैकेज प्रभावित हो गया था क्योंकि कार्य की प्रगति धीमी होने के कारण मैसर्स रत्ना इन्फ्रा के साथ सिविल वर्क पैकेज से संबंधित प्रारंभिक ठेके को समाप्त करना पड़ा था और इस पैकेज के लिए मैसर्स रत्ना इन्फ्रा के जोखिम तथा कीमत से फरवरी, 11 में मैसर्स एचएससीएल को नया ठेका दिया गया। इसके बाद एचएससीएल के साथ किए गए ठेके को भी खराब प्रगति के कारण समाप्त करना पड़ा था और शेष सिविल कार्यों के लिए मैसर्स एचएससीएल के जोखिम और कीमत पर मैसर्स सिमपलैक्स को आर्डर दिया गया है। उपस्कर उत्थापन पैकेज की भी पुन: निविदा करनी पड़ी थी क्योंकि ठेके के पूर्ण होने की अवधि के भीतर उत्थापन

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
												फ्रंट संबंधी पर्याप्त कार्य सौंपे नहीं जा सके थे। मैसर्स एस्सार प्रोजेक्ट्स को नए ठेके दिए गए। बीआरएम और यूआरएम में एचईसी और एचएससीएल द्वारा कार्य के धीमी प्रगति से यह कार्य प्रभावित हुआ। इसके अतिरिक्त बीआरएम के मामले में प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ता(मैसर्स डैनिअली) द्वारा पर्याप्त फ्रंट उपलबध होने के बावजूद उपस्कर उत्थापन कार्य शुरू करने के लिए अनिच्छा व्यक्त की गई। उत्थापन कार्य सतत अनुवर्ती कार्रवाई के बाद शुरू हुआ। साथ ही यूआरएम के मामले में पर्याप्त फ्रंट उपलब्ध होने के बाद भी इस मिल में उपस्करों के उत्थापन का कार्य जारी रखने के लिए प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ता (मैसर्स एसएमएस मियर) ने अनिच्छा व्यक्त की। उत्थापन कार्य अप्रैल, 14 में पुन: शुरू हो गया है। मैसर्स ईपीआई के खराब प्रदर्शन (ओएचपी भाग-ख और फ्यूल एंड फलक्स क्रसिंग और स्क्रिनिंग फैसिलटिज) ने अधिकतर डिजाइन इंजीनियरिंग, जनशक्ति और संसाधन नियोजन तथा समन्वयन पर्यवेक्षण के क्षेत्र में कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।
(iii)	बीएफ-4 के लिए स्टोव का उन्नयन	अनुषंगी ईंधन इंजक्शन के लिए इंजक्शन की वृद्धि करना, जिससे कि उच्चतर एचबीटी हासिल हो सके, कोक की दर कम करना	75.95 (70.65)	10.00	20.00	1200 डिग्री सी एचबीटी हासिल करना	दिसम्बर, 14	शटडाऊन से संबद्ध	15.22	15.22		

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
ख	दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी)											
(i)	डीएसपी का विस्तार	ऊर्जा गहन इकाइयों को समाप्त करना, ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी लगाना, सेमिज में कमी और तप्त धातु क्षमता में वृद्धि करना	3164.00 (2875.00)	588.00	414.70	हॉट मैटल की क्षमता में 2.09 से 2.45 एमटीपीए की वृद्धि करना।	दिसम्बर '12	मार्च, 15	302.15	2455.37	पूरी की गई मुख्य सुविधाएं • आरए मएचपी का बैरल टाइप री-क्लेमर • सीओ बी-2 का पुनर्निर्माण • नया लैडल फर्नेस ब्लूम कम राउण्ड कास्टर के लिए कार्य दिसम्बर, 14 में पूरा हुआ और परीक्षण तथा ट्रायल शुरू हुआ।	एमएसएम के लिए सिविल ठेकेदार मैसर्स जैन इंफ्रा के कार्य निष्पादन से पाइलिंग के लिए कार्यक्षेत्र में वृद्धि के कारण लिए सिविल कार्य की प्रगति प्रभावित हुई। फरवरी, 13 में मैसर्स ब्रिज एंड रूफ (बीएंडआर) को नया आर्डर दिया गया। इसके अतिरिक्त मैसर्स एचईसी द्वारा प्राथमिकता क्रेनों की आपूर्ति में विलम्ब से उपकरणों को लगाने का कार्य प्रभावित हो रहा है। ब्लूम कम राउंड कास्टर के लिए सिविल ठेकेदार मैसर्स जैन इंफ्रा के खराब प्रदर्शन के कारण कार्य प्रभावित हुआ। जोखिम क्रय सूचना (आरपीएन) पार्टी को जारी की गई। अक्तूबर, 12 में मैसर्स ब्रिज एंड रूफ को नया आर्डर दिया गया। साथ ही कार्य को बदलने के इनेबलिंग पैकेज शुरू करने में भी विलंब हुआ है। ठेकेदार को जोखिम क्रय नोटिस जारी किया गया और शेष कार्य का मार्च, 12 में सिनो स्टील की ओर से आरएसपी द्वारा पुन: निविदा किया तथापि एकमात्र स्वीकार्य बोलीदाता मैसर्स एस ई पी सी द्वारा पेश की गई ऊंची कीमत के कारण ये ऑर्डर कार्यान्वित नहीं किए जा सके। परिणामस्वरूप मैसर्स सिनो स्टील को शेष कार्य करने और परियोजना को पूरा करने की अनुमति दी गई।

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	सीओबी-5 का पुनर्निर्माण	कोक की मांग में कमी को पूरा करने के साथ-साथ कोक ओवन गैस बैलेंस का स्थिरीकरण और उत्सर्जन स्तर को कम करना।	339.35 (313.05)	125.00	102.39	उत्पादन में सुधार हुआ और अद्यतन प्रदूषण मानदण्डों को प्राप्त किया गया।	जून, 15	जून, 15	76.43	160.41	--	
(ग)	**बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल)**											
(i)	बीएसएल का विस्तार	तप्त धातु उत्पादन में वृद्धि करना, ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी की शुरूआत, अतिरिक्त कोल्ड रोलिंग क्षमता की स्थापना के साथ मूल्यवर्धित कोल्ड रोल्ड उत्पादों के लिए हॉट रोल्ड क्वायल्स की उच्च मात्रा का रूपांतरण करना।	6951.00 (6325.00)	642.00	533.86	1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स और तप्त धातु का उत्पादन 4.59 एमटीपीए से 5.77 एमटीपीए बढ़ाना।	दिसम्बर, 11	मई, 15	361.38	4952.72	पूरी की गई मुख्य सुविधाएं: • सीओ बी नं. 1 और 2 का पुनर्निर्माण • बीएफ नं.2 का उन्नयन • नए कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्प्लेक्स के अधीन	सभी प्रमुख सुविधाएं जैसे उन्नत बीएफ नं.2, कोक ओवन बैअरी नं.1 और 2 तथा नया 1.2 एमटीपीए का कोल्ड रोलिंग मिल कमीशन हो चुकी हैं। विलम्ब के मुख्य कारण हैं: • कंसोर्टियम पार्टनर और उप ठेकेदारों के साथ मुख्य ठेकेदारों की समन्वय संबंधी समस्याएं। • परामर्शदाता मेकॉन द्वारा ड्राइंगों के अनुमोदन में विलम्ब हॉट स्ट्रिप मिल की कमीशनिंग का संबंध शटडाउन गैस लाइन और भूमिगत केबल की उपलब्धता से है, साथ ही उन्हें एक बार में नहीं किया जा सकता था और उन्हें अस्थाई तौर पर यदि कर दिया जाता तो सिविल ठेकेदार को मुख्य पैकेज के ठेकेदार के क्षेत्र के सिविल कार्यों को पूरा करने के लिए सही दिशा मिल जाती। साथ ही जलापूर्ति पैकेज में मैसर्स मिक्को का खराब प्रदर्शन रहा।

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	सीओबी-7 का पुनर्निर्माण	कोक मांग और कार्बन डाईआक्साइट गैस की कमी को पूरा करना और अद्यतन सांविधिक उत्सर्जन मानदण्डों का अनुपालन करना	265.50 (245.67)	--	48.00	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।	मई, 16	मई, 16	14.14	21.05	--	• डिजाइन इंजीनियरिंग और सिविल तथा संरचनात्मक कार्य प्रगति पर हैं। • रिफ्रैक्टरी की आपूर्ति एवं उत्थापन का कार्य प्रगति पर है।
घ.	**राउरकेला स्टील प्लांट**											
(i)	बीएफ – 4 में कोल डस्ट इजेक्शन सिस्टम	कोक दर में कमी के लिए तथा फर्नेस उत्पादकता को बेहतर बनाने के लिए तकनीकी आवश्यकता।	70.71 (66.02)	2.46	6.25	1:1 के आधार पर कोक के स्थान पर पल्वराइज्ड कोयले की व्यवस्था करना। 120 किलोग्राम/टीएचएम पर ब्लास्ट फर्नेस में कोल इजेक्शन दर।	अक्तूबर '08	जनवरी,15	0.36	58.27	एकीकृत कोल्ड ट्रायल सहित सभी कार्य पूरे किए गए। हॉट ट्रायल 01 अगस्त, 14 को शुरू होना है। • बीएफ-3 का कास्ट हाऊस संख्या 6 और बीएफ-2 की संख्या 3 का कास्ट हाऊस स्लैग ग्रैनुअलेशन प्लांट का कार्य पूरा हुआ।	डिजाइन इंजीनियरिंग, सिविल और ढांचा निर्माण कार्य एवं मैसर्स सिनो स्टील, चीन द्वारा उपस्करों की आपूर्ति में विलंब। सिनो स्टील तथा उप एजेन्सियों के बीच वाणिज्यिक विवाद हुआ।
(iii)	हीट ट्रीटमेंट सुविधाओं की स्थापना	प्रतिरक्षा तथा सामरिक महत्व के अन्य क्षेत्रों के लिए क्वेंच्ड और टेम्पर्ड प्लेटों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति करना।	178.78 (160.48)	80.00	122.57	12000 टन का अतिरिक्त उत्पादन	सितम्बर, 14	जून, 15	86.71	105.57		ठेकेदारों का खराब प्रदर्शन: डिजाइन और इंजीनियरिंग में सीएएन इंजीनियरिंग • उपकरण आपूर्ति में इंपायर इंड. इक्विपमेंट एंड रीलाएबल हाई टेक ओवन मशीन का निर्माण प्रगति पर है।

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iv)	आरएसपी का विस्तार	अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से हॉट मैटल और क्रूड स्टील के उत्पादन में वृद्धि; उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार; अपेक्षाकृत अधिक मूल्यवर्द्धित उत्पादों का उत्पादन ; ऊर्जा खपत तथा पर्यावरण में सुधार; और उत्पादन की लागत में कमी	12922.00 (11812.00)	1789.68	1600.00	हॉट मैटल क्षमता में 2.00 एमटीपीए से 4.5 एमटीपीए की वृद्धि	मार्च '13	दिसम्बर '14	811.63	11681.80	लगभग 70 प्रतिशत की निर्धारित क्षमता पर प्रचालन। प्लांट की संस्थापित क्रूड स्टील क्षमता 1.9 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़कर 4.2 एमटीपीए हो गई है।	बीएफ-बीओएफ-कास्टर-प्लेट मिल की एकीकृत प्रक्रिया रूट के अंतर्गत सभी नई सुविधाएं चालू हैं।
(v)	सीओबी-3 का पुनर्निर्माण	4.5 एमटीपीए तप्त धातु उत्पादन के लिए कोक की आवश्कता पूरी करना और उत्सर्जन स्तरों को कम करना।	258.53 (237.09)	85.00	96.06	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।	जनवरी, 15	अगस्त, 15	87.82	119.75	--	• सिलिका ईंटों की गुणवत्ता से संबंधित मुद्दे • बीईसी द्वारा रिफ्रैक्टरी उत्थापन की धीमी प्रगति • बीईसी द्वारा ओवेन मशीनों की आपूर्ति में विलम्ब
(ङ)	**इस्को स्टील प्लांट**											
(i)	आईएसपी का विस्तार	2.7 एमटीपीए हॉट मैटल, 2.5 एमटीपीए क्रूड स्टील और 2.37 एमटीपीए बिक्री योग्य स्टील का उत्पादन करने के लिए सुविधाओं के एक नए स्ट्रीम का संस्थापना	17960.59 (16408.00)	1244.00	1178.94	2.91 एमटीपीए हॉट मैटल, 2.5 एमटीपीए क्रूड स्टील और 2.37 एमटीपीए बिक्री योग्य स्टील	दिसम्बर, 10	दिसम्बर, 14	853.01	16640.88	सुविधाएं स्थिरीकरण और रैम्प-अप के अधीन हैं। प्लांट की संस्थापित क्रूड इस्पात क्षमता 0.50 एमटीपीए से बढ़कर 2.50 एमटीपीए हो गई है।	एकीकृत प्रक्रिया रूट के अंतर्गत सभी सुविधाएं चालू हैं।

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14 – दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
च	**कच्चा माल प्रभाग**											
(i)	मेघाहाताबुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	125.78 (118.85)	12.86	12.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से 6.50 एमटीपीए करना	जून, 12	अक्तूबर, 15	10.68	76.05	• क्रशिंग सेक्शन • विद्युत आपूर्ति में वृद्धि • लोडिंग सेक्शन का उन्नयन • वैगन लोडर का उत्थापन • तीन नग क्लासिफायर	मैसर्स टेकप्रो द्वारा अपने उपठेकेदारों को भुगतान न करने के कारण मुख्य पैकेज का कार्य बाधित हो रहा है। आरएमडी और निगमित स्तर पर निरंतर अनुवर्ती कारवाई एवं समीक्षा के बाद भी प्रगति में सुधार नहीं हो सका। सेल उप ठेकेदारों को सीधे भुगतान करके मदद कर रहा है। लागत वसूली आधार तथा सीधे भुगतान पर सेल द्वारा नगद प्रवाह किए जाने की वजह से कार्य धीरे-धीरे हो रहा है। री-क्लेमर का उत्थापन रूका हुआ है क्योंकि उत्थापन के दौरान मैसर्स एलकॉन इंजीनियरिंग (रीक्लेमर का आपूर्तिकर्ता) की उपस्थिति अपेक्षित है, जिसने टेकप्रो के साथ वाणिज्यिक मसलों के कारण इसके लिए मना किया है।
(ii)	बोलानी लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	275.28 (254.55)	52.71	20.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.1 एमटीपीए से 10 एमटीपीए करना	नवम्बर, 13	जून, 15	12.99	117.15	डंपिग प्लेटफॉर्म, चार क्लासिफायर, स्टॉकर और बक्केट व्हील रीक्लेमर का संशोधन कार्य पूरा कर लिया गया है।	पर्यावरणीय एवं वन स्वीकृतियों के कारण खानों की रूक-रूक कर बंदी और पट्टे के नवीनीकरण ने स्थल कार्य को प्रभावित किया है (इन मुद्दों के कारण फरवरी, 12 से मई, 14 की अवधि के दौरान यह खान पांच बार कुल 294 दिन बंद रही)। • ठेकेदारों का खराब प्रदर्शन

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(छ)	**चन्द्रपुर फैरोएलॉय प्लांट**											
(i)	1x45 एमवीए सब-मर्जड आर्क फर्नेस की स्थापना	एचसीएफईएमएन और एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन	203.85 (187.33)	23.00	45.00	स्टैंडएलोन बेसिस पर 37500 टन एचसीएफईएमएन और 35000 टन एचसीएसआईएमएन अथवा 60,000 टन एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन।	अक्तूबर, 13	अगस्त, 15	24.02	143.90		सिविल कार्य की शुरूआत एमओईएफ से पर्यावरण मंजूरी में विलम्ब के कारण प्रभावित हुई। इसके अलावा स्थल पर खराब संसाधन जुटाने और मुख्य ठेकेदार मैसर्स टैक्प्रो द्वारा ऐसे उप ठेकेदारों जो अपने वादों को पूरा करने में असफल रहे और जिन्होंने स्थल पर कार्य को रोक दिया, को भुगतान न करने के कारण सिविल और संरचनात्मक कार्य में विलम्ब हुआ है। आरपी कार्रवाई की गई और मैसर्स एचएससीएल को नए आर्डर दिए गए।
2.	**राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड**											
	चल रही स्कीमें											
(I)	एएमआर स्कीमें	संयंत्र की अच्छी देखरेख बनाए रखना	100.00	60.00	60.00	उपस्करों के अच्छे रख-रखाव को बनाए रखना और संयंत्र की कार्यशील जीवन के संदर्भ में उत्पादन/उत्पादकता के वर्तमान स्तर को बनाए रखना।	जारी	--	14.38	--	--	--

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	अनुसंधान एवं विकास स्कीमें (नया)	उत्पादकता बढ़ाना/लागत कम करना/नए उत्पादों का विकास	--	15.00	15.00	विद्यमान प्रौद्योगिकी संबंधी विकास, अन्वेषणात्मक अध्ययनों के जरिए प्रचालन संबंधी क्रियाकलापों के लिए प्रौद्योगिकी समाधान के साथ समस्या का समाधान, लागत कम करने/ उत्पादकता बढ़ाने के प्रक्रिया संबंधी पैरामीटरों का विफलता विश्लेषण और महत्वपूर्ण परीक्षण	जारी	--	20.32	---	--	--
(iii)	कोक ओवन बैटरी सं. 4-चरण-II	सीओबी-4 का स्वतंत्र बैटरी के रूप में प्रचालन करना और उप उत्पाद की रिकवरी में वृद्धि करना।	355.30	38.00	30.00	सीओबी-4 को स्वतंत्र बैटरी के रूप से चालू करना। उपोत्पादों की प्राप्ति में वृद्धि।	अक्तूबर, 12	दिसम्बर, 14	11.10	268.05	दिसम्बर, 2014 में उप उत्पाद संयंत्र का कमिशन पूरा हुआ। कोल हैंडलिंग प्लांट। यह यूनिट जून, 2015 तक कमीशन होने की संभावना है।	
(iv)	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए विस्तार	संयंत्र की क्षमता बढ़ाना	12291.00	400.00	470.00	उत्पादन बढ़ाना, लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए तक उत्पादन बढ़ाना	28.10.2005/ जून,**2011** से चरणों में 36/48 महीने	मार्च, 2015/ अप्रैल, 2015	322.37	11115.03	स्टेज-1 इकाई चालू की गई और लाइम किल्न प्लांट को छोड़ कर स्थीरिकरण का कार्य चल रहा है, जहां किल्न 1 और 2 को अप्रैल और जून, 2015 में कमीशन किए जाने की आशा है। इसके पहले किल्न 1 नवम्बर, 2014 में लाइट-अप किया गया। ईंटों के क्षतिग्रस्त होने के कारण आगे	

(करोड रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											कमीशनिंग संबंधी कार्रवाई रोक दी गई। स्टेज-2 इकाई में स्पेशल बार मिल और स्ट्रक्चरल मिल शामिल हैं। पहले स्टेज-2 इकाई की दिसम्बर, 14 तक उत्तरोतर कमीशन किए जाने की योजना थी। तथापि, हाल ही में चक्रवात हुदहुद के दौरान नुकसान के कारण कमीशनिंग का कार्यक्रम प्रभावित हुआ और अब इसके मार्च, 15 और अप्रैल, 15 तक कमीशन किए जाने की योजना है।	
(v)	बीएफ-1 और बीएफ-2 के लिए पल्वेराइज्ड कोल इंजेक्शन सिस्टम	कम महंगे पल्वेराइज्ड कोल वाले महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम	133.00	15.00	15.00	हॉट मेटल की उत्पादन में वृद्धि। हॉट मेटल के उत्पादन की लागत कम करना।	सितंबर, 09	2014-15 की चौथी तिमाही	1.17	102.21	बीएफ-1 स्ट्रीम का 72 घंटे तक एकीकृत ट्रायल पूरा हुआ। बीएफ-1 में पीसीआई को 2014-15 की अंतिम तिमाही में कमीशन किया जाएगा।	--
(vi)	लौह अयस्क खान एवं कोकिंग कोल खान अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	500.00	20.00	30.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोकिंग कोल/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और परिव्यय में खानों का अधिग्रहण शामिल हैं।	जारी	--	0.00	0.28	पिछले कुछ वर्षों से आरआईएनएल खानों के अधिग्रहण के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। आरआईएनएल ने विभिन्न चरणों में 29 लौह अयस्क खनन पट्टों के लिए आवेदन किया है, जिनमें से राजस्थान सरकार से एक खदान के लिए आशय पत्र(एलओआई) प्राप्त हुआ है, जिसका क्षेत्र 945.85 हैक्टेयर है।	

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											मैसर्स एमईसीएल द्वारा बनेरा ब्लॉक के चरण-1 के अन्वेषण का कार्य चल रहा है। जहां तक भिलवाड़ा में जहाजपुर ब्लॉक के आवंटन का संबंध है, खान मंत्रालय, भारत सरकार ने इस मामले की जांच करने और इसको अधिसूचित करने पर विचार करने हेतु राजस्थान सरकार को सलाह दी है। राजस्थान सरकार ने आरआईएनएल के पक्ष में भारत सरकार से अनुरोध किया है।	
(vii)	लौह अयस्क भंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	450.00	40.00	34.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिनों के लिए बढ़ेगी।	मई, 12	जून, 15	33.18	342.63	कन्वेयर और संबद्ध उपस्करों एवं स्टॉक यार्ड उपस्करों के बड़े उत्थापन संबंधी कार्य पूरे हो गए हैं। विद्युत संबंधी कार्य एवं कैबलिंग किया जा रहा है। स्टॉकिंग स्टीम की कमीशनिंग फरवरी, 15 में शुरू होने की संभावना है। यह इकाई जून, 15 में कमीशन होने की आशा है।	
(viii)	एपट्रांस्को की 220 केवी प्रणाली को मजबूत करना	400 एमवीए विद्युत के पारेषण के लिए एपी विद्युत ग्रिड को मजबूत करना।	86.34	5.00	5.00	इसके विस्तार से आरआईएनएल के 400 एमवीए की संकीर्ण मांग में वृद्धि हो सकेगी।	सितम्बर, 12	चरण-1 का कार्य पूरा हो गया है।	0.00	63.33	चरण 1 का कार्य पूरा हुआ। 400/220 केवी सब स्टेशन की स्थापना के लिए एपी ट्रांसको के संशोधित प्रस्ताव के अनुरूप तौर तरीकों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।	
(ix)	एपट्रांसको के 220केवी विद्युत प्रणाली को बढ़ाना	विस्तार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए सब स्टेशन आदि जैसी वीएसपी की आंतरिक प्रणालियों को मजबूत करना।	58.10	15.00	15.00	वीएसपी में 400एमवीए विद्युत की प्राप्ति को बढ़ाना।	अगस्त, 11	अनुसूची-1 को पुन: तैयार किया जा रहा है।	9.25	43.76	अगस्त, 2014 में कमीशन किया गया लेकिन कमीशनिंग के दौरान तकनीकी मुद्दे उभर कर आए। सुधार कार्यों को करने के लिए कार्रवाई शुरू की गई। मूल उपकरण विनिर्माण से संबंधित अनुशंसाओं की प्रतीक्षा है।	

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	1	2	3
(x)	बीएफ-1 और 2 कैटोगरी मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3800 घन मीटर करना।	1663.00	350.00	200.00	0.5 एमटी तक उत्पादन बढ़ाकर हॉट मेटल का उत्पादन 2 एमटी से 2.5 एमटी करना।	बीएफ- 1 : नवम्बर, 2012 बीएफ-2 : जुलाई, 2015	बीएफ-1 : जुलाई, 2014 बीएफ-2 : 2015-16 की चौथी तिमाही	197.73	553.88	ब्लास्ट फर्नेश -1 30 जुलाई, 2014 को कमीशन हुआ और इसका नियमित प्रचालन हो रहा है। मुख्य पैकेज के लिए ब्लास्ट फर्नेश-2 का आर्डर दिया जा चुका है और डिजाइन तथा इंजीनियरिंग कार्य किया जा रहा है। फर्नेश को 2015-16 की चौथी तिमाही में शटडाऊन करने की योजना है।	
(xi)	सिंटर प्लांट उपत्पादकता में वृद्धि	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	343.00	25.00	12.00	सिन्टर का उत्पादन 5.5 एमटी से 6.8 एमटी बढ़ाना	अक्तूबर, 16	अक्तूबर, 16	2.51	3.52	अक्तूबर, 16 तक उत्तरोतर दोनों ही सिन्टर मशीनों के पुनरूद्धारा के लिए 23.06.2014 को करार किया गया है। इंजीनियरिंग कार्य प्रगति पर है।	
(xii)	एसएमएस कंवर्टर का पुनरूद्धार	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा उपस्करों का अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	404.16	25.00	140.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए प्रौद्योगिकी आवश्यकता।	जुलाई, 15	कन्वर्टर-1 के लिए 2015-16 की चौथी तिमाही	100.95	103.00	आयातित प्रमुख आपूर्तियों के आर्डर दिए गए हैं। प्रमुख देशज आपूर्तियों के आर्डर दे दिए गए हैं तथा आपूर्ति शुरू हो गयी है। सिविल निर्माण कार्य प्रगति पर है। पहले कन्वर्टर का पुनरूद्धार बीएफ-2 श्रेणी-1 के बड़े मरम्मत के साथ-साथ 2015-16 की चौथी तिमाही में शुरू किए जाने की योजना है।	--
(xiii)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा 2 धमन भट्ठियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	974.76	150.00	100.00	इस्पात का उत्पादन 0.97 एमटी तक बढ़ाना।	तीसरा कन्वर्टर: जुलाई, 15 चौथा कास्टर: जुलाई, 16	तीसरा कन्वर्टर-2015-16 की चौथी तिमाही चौथा कास्टर-जुलाई, 16	25.01	25.15	तीसरा कन्वर्टर- मुख्य पैकेज का पहले ही ऑर्डर किया जा चुका है और शेष से संबंधित पैकेज को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विस्तृत इंजीनियरिंग कार्य प्रगति पर है और उपस्करों की आपूर्ति शुरू हो गयी है। यह इकाई 2015-16	

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	1	2	3
											की चौथी तिमाही तक पूरा होने की आशा है। चौथा कास्टर-जुलाई, 2016 तक कास्टर लगाने के लिए 02.06.201 को करार संपन्न किया गया है। इंजीनियरिंग कार्य प्रगति पर है।	
(xiv)	विद्युत संयंत्र-।।	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करके अतिरिक्त विद्युत की आवश्यकता को पूरा करना, जो कि अन्यथा पर्यावरण में उड़ जाएंगी।	677.00	100.00	220.00	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना ग्रीन हाऊस गैस (जीएचजी) के वातावरण में उत्सर्जन को कम करने के लिए एक-मात्र इरादे से शुरू की गई है, जबकि आरआईएनएल के विद्युत आवश्यकता को 120 मेगावाट तक पूरा किया जाना है, जिससे कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सके।	सितम्बर, 13	मई, 15	181.33	477.62	हाल के हुदहुद चक्रवात के कारण इस इकाई के मई, 2015 तक कमीशन होने की संभावना है।	--
(xv)	एक्सल प्लांट	पश्चिम बंगाल, न्यू जलपाईगुड़ी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण हेतु सुविधा की स्थापना करना।	513.00	5.00	5.00	पश्चिम बंगाल, न्यू जलपाईगुड़ी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण संबंधी उपयुक्त क्षमता वाली इकाई की स्थापना करना।	रेलवे के साथ करार के बाद 40 महीने	--	0.00	0.22	जमीन के पट्टे एवं ऑफटेक करार का अंतिम मसौदा रेलवे को 08.01.2014 को भेजा गया है। करार संपन्न करने के लिए रेलवे की स्वीकृति की प्रतीक्षा है, शेष पैकेज निर्माण कार्य के विभिन्न चरणों में हैं।	--

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित/समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(xvi)	फोर्ज्ड व्हील प्लांट (नया)	लालगंज, रायबरेली, उत्तर प्रदेश में फोर्ज्ड व्हील के विनिर्माण के लिए सुविधाओं की स्थापना करना	1177.00	70.00	70.00	रेलवे के लिए 100000 व्हीलों का निर्माण करना	संविदा की प्रभावी तारीख से 36 महीने	--	6.19	6.19	मृदा जांच का कार्य पूरा हो गया है। प्लांट क्षेत्र के लिए बाहरी चारदिवारी का कार्य लगभग पूरा हो गया है। निर्माण कार्य प्रगति पर है। निविदा प्रक्रिया चल रही है।	--
xvii)	टीपीपी और बीएच में अतिरिक्त स्टीम टरबाइन चालित ब्लोअर टीबी-5 की स्थापना .	टीबी-1, 2, 3 में आधुनिकीकरण का कार्य चलने की स्थिति में आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तथा साथ ही भविष्य में बीएफ-4 के लिए स्टैंडबाई के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए टीबी-5 की स्टैंडबाई के रूप में स्थापना करना।	280.52	50.00	25.00	यदि वर्तमान टरबाईनों में आधुनिकीकरण/ अनुरक्षण का कार्य चल रहा हो तो बीएफ-1 और बीएफ-2 में कोल्ड ब्लास्ट की आवश्यकता को पूरा करने के लिए टीबी-5 की स्थापना करना।	सितम्बर, 16	सितम्बर, 16	0.00	0.00	मुख्य पैकेज का पहले ही ऑर्डर किया जा चुका है और इसे सितम्बर, 2016 तक पूरा किया जाना है। इंजीनियरिंग कार्य शुरू हो गया है । शेष पैकेज निविदा दिए जाने की विभिन्न चरणों में है।	--
(xviii)	एसएलटीएम	01 एमटी अतिरिक्त लिक्विड स्टील का उपयोग करना, जिसका उत्पादन मौजूदा बीएफ और कन्वर्टर/कास्टर के पुनरूद्धार/उन्नयन के बाद होगा।	2512.00	10.00	1.00	5 1/2 "से 18" ओडी के आकार रेंज में सिमलेस ट्यूब का 4,00,000 टीपीए उत्पादन करना	--	--	0.00	1.12	प्रक्रियाधीन	--
(xix)	सीओबी-5	6.3/7.3 एमटीपीए स्टेज के लिए कोक की आवश्यकताओं और गैस बैलेंस को पूरा करना	2858.00	25.00	25.00	0.82 एमटीपीए कुल कोक का उत्पादन करना	मुख्य पैकेज अवार्ड किए जाने से 29 महीने	--	19.58	23.57	निविदा और अंतिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में है।	--

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित निष्कर्ष/कॉलम-7 के संदर्भ में उपलब्धियां	अभियुक्तियां/जोखिम कारक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
4.	**एनएमडीसी लिमिटेड**											
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	15.00	15.00	7 एमटीपीए क्षमता	मार्च'12	मार्च, 15	11.44	381.02	यह परियोजना 7 पैकेजों के जरिए क्रियान्वित की जा रही है। मेकॉन को ईपीसीएम परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया। सभी पैकेजों के आदेश का ऑर्डर किया जा चुका है और कार्य प्रगति पर है। मुख्य पैकेजों का ब्यौरा निम्नानुसार है:- प्राथमिक और द्वितीयक क्रसर क्षेत्र – अधिकतर सिविल संरचनात्मक और यांत्रिकी उत्थापन कार्य पूरा हो चुका है। विद्युत और फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है। मैसर्स उरालमार्स, मास्को के विशेषज्ञों की लगाए गए क्रसरों की अंतिम जांच और एकीकृत ट्रायल एवं कमिशनिंग से संबंधित कार्रवाई की प्रतीक्षा है। डाऊनहिल कन्वेयर सिस्टम। 7000 मीटर में से 500 मीटर की लंबाई के कन्वेयर बेल्ट को छोड़कर सभी प्रकार के यांत्रिक उपस्करों का उत्थापन कार्य किया गया। विद्युत, कैबलिंग और फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है। जलापूर्ति का कार्य पूरा हो गया है। पारेशन लाईन का कार्य प्रगति पर है। ट्रांसमिशन लाइन का कार्य प्रगति पर है।	दंतेवाड़ा, बस्तर क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों ने निर्माण संबंधी कार्यों की प्रगति को बाधित किया है/इसमें व्यवधान उत्पन्न किया है। उपद्रवियों द्वारा 16 मार्च, 2014 को लगाई गई आग की घटना से डाऊनहिल कन्वेयर (बेल्ट उपस्कर एवं संरचनाएं) लगभग 200 मीटर की लंबाई में क्षतिग्रस्त हुआ, जिसका उत्थापन कार्य चल रहा है। मौजूदा परिस्थितियों के कारण ठेकेदार और इससे जुड़े श्रमिक सामान्य तरीके से काम करने में समर्थ नहीं हैं।
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना	898.55	80.00	80.00	7 एमटीपीए क्षमता	मई'13	अगस्त, 15	59.87	351.68	छः पैकेजों में यह परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। ईपीसीएम परामर्शदाता के रूप में मेकॉन को नियुक्त किया गया। पैकेज-IV – दूरसंचार सिस्टम को छोड़कर सभी पैकेजों के लिए कार्य सुपुर्द किया गया है।	पैकेज-2 के पैकेज ठेकेदार (मैसर्स एलकॉन) की खराब वित्तीय स्थिति के कारण निर्माण कार्यों की प्रगति प्रभावित हुई।

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित निष्कर्ष/कॉलम-7 के संदर्भ में उपलब्धियां	अभियुक्तियां/जोखिम कारक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											मुख्य पैकेजों का ब्यौरा इस प्रकार है:- क्रसिंग सिस्टम पैकेज: प्राथमिक एवं द्वितीयक क्रसरों सहित सभी उपस्कर लगाए गए। विद्युत कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है। फिनिशिंग कार्य प्रगति पर है। डाउनहिल कन्वेयर सिस्टम पैकेज। सिविल और संरचनात्मक कार्य लगभग पूरे हो गए हैं। बनायी गयी संरचनाओं का कार्य प्रगति पर है। यांत्रिक उपकरणों का उत्थापन कार्य किया जाना है। सेवा केंद्र और जलापूर्ति सिविल और संरचनात्मक कार्य प्रगति पर है। दूरसंचार प्रणाली पैकेज की पुन: निविदा की गयी और बोली का मूल्यांकन किया जा रहा है।	
(iii)	दौणिमल्लै में पैलेट संयंत्र	पैलेट उत्पादन के क्षेत्र में कार्यों का विस्तार	572.00	60.00	60.00	1.2 एमटीपीए क्षमता	अप्रैल'13	जून, 2015	37.59	417.21	ईपीसीएम परामर्शदाता के रूप में मैसर्स एम.एन. दस्तूर को नियुक्त किया गया है। 6 पैकेजों (पैलेटाइजेशन, बेनीफिसिएशन, साइट लेवलिंग, एमआरएसएस, बाउंड्री वॉल और विविध भवन तथा मोबाईल उपस्कर) के जरिए परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।मुख्य पैकेजों का ब्यौरा इस प्रकार है। पैलेटाइजेशन पैकेज: यांत्रिक उपकरणों और सब-सिस्टम्स का कार्य पूरा हुआ। अलग-अलग उपस्करों का ट्रायल रन, रिफ्रैक्टरी और फिनिशिंग कार्य प्रगति पर हैं। बेनीफिसिएशन पैकेज मुख्य सिविल कार्य पूरे हुए। संरचनात्मक निर्माण और उत्थापन कार्य प्रगति पर है। कंसन्ट्रेट थिकनर, बॉल मिल, प्रेसर फिल्टर, व्हील्स और लिम्स डिवाटरिंग साइक्लोन और ईओटी क्रेन के उत्थापन कार्य पूरे हुए। शेष उपस्कर आपूर्तियों और उत्थापन का कार्य प्रगति पर है। मुख्य ट्रांसफारमर और जीआईएस सब-स्टेशन का उत्थापन कार्य पूरा हुआ। इंटरफेशिंग कार्य प्रगति पर है। मोबाइल उपस्कर पैकेज आपूर्ति का कार्य पूरा हुआ।	बेनेफेशिएशन पैकेज ठेकेदार की वित्तीय बाधाओं के कारण आपूर्ति में विलम्ब हुआ और संसाधन कम जुटाए जा सके, जिससे कार्य की प्रगति प्रभावित हुई है।

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित निष्कर्ष/कॉलम-7 के संदर्भ में उपलब्धियां	अभियुक्तियां/जोखिम कारक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iv)	नगरनार में 3 एमटीपीए क्षमता वाला स्टील प्लांट	i) छत्तीसगढ़ राज्य में निकाले गए लौह अयस्क में मूल्यवर्धन सुनिश्चत करना।. ii) आदिवासी बहुल बस्तर क्षेत्र का विकास। iii) विशेष रूप से भारतीय बाजार में इस्पात उत्पादों से संबंधित बढ़ रही मांग को आंशिक रूप से पूरा करना। iv) व्यापार वृद्धि के लिए उपलब्ध निधियों का निवेश।	15525.00	2280.00	2280.00	3 एमटीपीए क्षमता	मई'15	दिसम्बर, 2016	1633.26	5864.00	1) इस्पात संयंत्र का संपूर्ण कार्य 9 प्रमुख प्रौद्योगिकी पैकेजों, 26 अनुषंगी पैकेजों, 15 अवसंरचना पैकेजों, 11 समर्थकारी पैकेजों और निविदा देने के लिए तथा क्रियान्वयन के लिए निजी रेलवे साइडिंग के 5 पैकेजों में बंटा हुआ है। सभी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी पैकेज प्रदान किए जा चुके हैं और स्थल पर पूरी गति से कार्य चल रहा है। 2) 26 अनुषंगी पैकेजों में से 7 पैकेज प्रदान किए जा चुके हैं और एक प्रमुख अनुषंगी पैकेज के रूप में पॉवर ब्लोईंग स्टेशन के लिए स्थल पर सिविल उपस्कर उत्थापन का कार्य प्रगति पर है। 10 अनुषंगी पैकेजों के लिए निविदा जारी की जा चुकी है और जिनमें से 5 निविदा मूल्यांकन के अधीन है। 9 शेष पैकेज प्रगति पर है। 3) 15 इन्फ्रा पैकेजों में से 5 पैकेजों के लिए निविदा जांच जारी की जा चुकी है, जिनमें से 4 पैकेज का निविदा मूल्यांकन हो रहा है। शेष 11 पैकेज निविदा प्रलेख को अंतिम रूप दिए जाने के विभिन्न अवस्थाओं में हैं। 4) 11 समर्थकारी पैकेजों में से 8 पैकेजे प्रदान किए जा चुके हैं, जिनमें से 5 पैकेज पूर्ण हो चुके हैं। 1 पैकेज के लिए निविदा जारी की गयी है, जिसका मूल्यांकन किया जा रहा है। शेष 2 पैकेज निविदा प्रलेख को अंतिम रूप दिए जाने के विभिन्न अवस्थाओं में है। 5) 5 रेलवे साईडिंग पैकेजों में से 2 के लिए निविदा जांच जारी हो चुकी है । एक रेलवे साईडिंग पैकेज अर्थात्: रोड ओवर ब्रिज को निक्षेप आधार पर एनएचएआई द्वारा क्रियान्वित किया जाना है। शेष 2 पैकेज निविदा प्रलेख को अंतिम रूप दिए जाने के विभिन्न अवस्थाओं में है।	इस्पात संयंत्र हेतु प्रचालनात्मक जल के लिए नागरनार में सबरी नदी से इस्पात संयंत्र स्थल तक जल की पाइप लाइन डालने हेतु वन संबंधी मंजूरी तथा मार्ग अधिकार।

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
ख.	**इस्पात मंत्रालय की स्कीम**												
1.	लौह और इस्पात क्षेत्र में आरएंडडी को बढ़ावा देने की स्कीम												
1(i)	लौह और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए स्कीम	**(चल रही परियोजनाएं)** 1. लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। 2. प्रेरण भट्ठी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता सुधार करना। 3. लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिसिएशन और मिश्रण (जैसे पैलेटाइजेशन)	48.00	32.87*	6.00	0.00	1) गहरी बैनिफिशिएशन के जरिए सिंटर उत्पादकता में सुधार करना तथा निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं चूरे का युक्तिसंगत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का सम्मिश्रण करना। 2) भारतीय कच्ची सामग्रियों अर्थात्: निम्न ग्रेड लौह अयस्क और गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण के वैकल्पिक पूरक रूट का विकास करना। 3) नवाचारी फ्लक्स और/अथवा डिजाइन (रिफ्रैक्ट्री) में परिवर्तन करके प्रेरण भट्ठी रूट के माध्यम से डीआरआई का उपयोग करते हुए निम्न फास्फोरस इस्पात का उत्पादन करना। 4) हाइड्रोजन प्लाज्मा और कार्बनडाइऑक्साईड उत्सर्जन की समाप्ति के द्वारा लौह अयस्क/चूरे की स्मैल्टिंग रिडक्शन। 5) भारत में बरसुआ तथा अन्य खानों से लौह अयस्क स्लाइम्स का बैनीफिशिएशन। 6) चूरे की बदलती डिग्री के	11वीं योजना 2007-12 के दौरान	12वीं योजना 2012-17 में यह योजना सतत रूप से जारी रही है।	0.00	32.87	इस स्कीम के अंतर्गत 8 आरएंडडी परियोजनाओं पर कार्रवाई की गई। अब तक 5 परियोजनाओं को पूरा किया जा चुका है और 3 परियोजनाएं प्रगति पर हैं।	**1)** अनुसंधान और विकास से संबंधित यह स्कीम 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस्पात मंत्रालय में लागू की गई थी और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इसके मूल्यांकन तथा अनुमोदन में पर्याप्त समय लगा। **2)** ईएफसी ने इस स्कीम को नवम्बर, 2008 में अनुमोदित किया और वित्त मंत्रालय ने इस स्कीम को जनवरी, 2009 में इस शर्त के साथ अंतिम रूप से मंजूरी दी कि यह स्कीम 2009-10 से लागू की जाएगी। **3)** इस्पात मंत्रालय ने संबंधित पक्षों के साथ परामर्श करके अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के चयन के लिए अनुवर्ती कारवाई की और इन्हें विशेषज्ञों के पैनल से मंजूर करवाया तथा फरवरी, 2010 में चार परियोजनाओं का अनुमोदन हुआ। चार और पारियोजनाओं का अनुमोदन पीएएमसी द्वारा नवम्बर, 2010 में किया गया। **4)** स्कीम के अनुमोदन तथा बाद में अलग-अलग अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुमोदन में विलम्ब के कारण चार परियोनाएं केवल अप्रैल, 2010 में शुरू हो पाईं दो परियोजनाएं जनवरी, 2011 में तथा शेष दो परियोजनाएं दिसम्बर, 2011 में शुरू हो पाईं। इसलिए यह परियोजनाएं 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पूरी नहीं हो पाईं। **5)** चालू 8 परियोजनाएं 12वीं

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुदर्गी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
							साथ भारतीय गोथेटिक/हेमेटाइट अयस्क के लिए पायलट स्केल पैलेटाइजेशन प्रौद्योगिकी का विकास। 7) प्रक्रिया इष्टतमीकरण द्वारा लौह एवं इस्पात उत्पादन में कार्बनडाइआक्साईड की कमी करना। 8) उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फाईरेजेशन सहित उच्च राखांश वाले कोयले से निम्न राखांश (10 प्रतिशत राखांश) वाले कोयले (कोकिंग गैर कोकिंग) का उत्पादन।						पंचवर्षीय योजना में जारी रही हैं। मूल कार्यक्रम के अनुसार इन परियोजनाओं को 2012-13, 2013-14, 2014-15 और 2015-16 में पूरा हो जाने की संभावना है।
1(ii)	(नया घटक)	कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरियंटिड (सीआरजीओ) स्टील शीट्स और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना।	150.00	150.00	12.00	0.50	सीआरजीओ स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित इस्पात उत्पादों के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना।	12 वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान	12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान। 13वीं योजना में जारी रह सकती है।	0.25	0.25	सीआरजीओ परियोजना के डीपीआर के लिए 50 लाख रुपए की एमओएस फंडिंग का अनुमोदन एचएसएम द्वारा किया गया है। एनएमएल, जमशेदपुर को 25 लाख रुपए की पहली किस्त जारी की जा चुकी है। डीपीआर तैयार करने के लिए जनवरी, 2015 में ऑर्डर दिए जाने की आशा है। शेष 25 लाख रुपए मार्च, 2015 में जारी किए जाने की आशा है।	इस स्कीम के उद्देश्य के रूप में कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीट्स और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों को प्रौद्योगिकी के विकास में शामिल करने के लिए नवम्बर, 2014 में एसएफसी एवं एचएसएम के सम्यक अनुमोदन से अनुसंधान एवं विकास स्कीम का संशोधन हुआ है।

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम और स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगी-योग्य/प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम-7 में प्रक्षेपित परिणाम के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां/जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल, 14-दिसम्बर, 14 के लिए	दिसम्बर, 14 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1(iii)	नई परियोजनाएं	1. लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। 2. प्रेरण भट्ठी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना। 3. लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिसिएशन और मिश्रण(जैसे पैलेटाइजेशन) 4. लौह एवं इस्पात क्षेत्र से संबंधित राष्ट्रीय महत्व के किसी अन्य विषय के बारे में अनुसंधान एवं विकास करना	2.00	17.13#	2.00	6.50	1. प्रमुख फेरूजीनस रॉ मैटेरियल के रूप में डीआरआई का इस्तेमाल करके प्रेरण भट्ठी रूट के जरिए निम्न फास्फोरस वाले इस्पात का उत्पादन-एक औद्योगिक मूल्यांकन 2. कोक ओवन बैटरी के कोक हैंडलिंग प्लांट में इष्टतम कोयले के मिश्रण के लिए स्वचालित प्रणाली का विकास	12वीं पंचवर्षीय योजना। 13वीं पंचवर्षीय योजना में भी यह स्कीम जारी रहेगी।	12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान। 13वीं पंचवर्षीय योजना में भी यह स्कीम जारी रहेगी।	1.48	1.48	17 फरवरी, 2014 और 8दिसम्बर, 2014 को पीएमएसी की आयोजित बैठक में उनके द्वारा दो नयी आरएंडडी परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं। ये परियोजनाएं प्रगति पर हैं।	लौह एवं इस्पात क्षेत्र से संबंधित राष्ट्रीय महत्व के किसी अन्य विषय को इस स्कीम के उद्देश्य के रूप में अनुसंधान एवं विकास में शामिल करने के लिए नवम्बर, 2014 में एसएफसी एवं एचएसएम के सम्यक अनुमोदन से अनुसंधान एवं विकास स्कीम का संशोधन हुआ है।

*चूंकि चल रही परियोजनाओं के लिए और अधिक व्यय की जरूरत नहीं है इसलिए 12वीं पंचवर्षीय योजना में आवंटन 48 करोड़ रुपए से घटाकर 32.87 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है।

12वीं पंचवर्षीय योजना में नई परियोजनाओं के लिए आवंटन 2 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 17.13 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है।

$अनुसंधान एवं विकास स्कीम के लिए कुल 200 करोड़ रुपए का आवंटन यथावत है।

*****

अध्याय - V

वित्तीय समीक्षा

वर्ष 2015-16 की मांग संख्या 95 को बजट सत्र के दौरान इस्पात मंत्रालय की ओर से ससंद में प्रस्तुत किया जाएगा । इस मांग में इस्पात मंत्रालय के लिए योजना/ गैर योजना व्यय और इनके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी उपक्रमों के योजना व्यय शामिल हैं।

1. वर्ष 2015-16 में निधि की कुल आवश्यकता

बजट अनुमान 2015-16 में मांग संख्या 95 में शामिल निधि की कुल वित्तीय आवश्यकता को निम्न तालिका में संक्षिप्त रूप से दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

2015-2016 के लिए मांग संख्या 95	बजट अनुमान 2015-16		
	योजना	गैर-योजना	योग
राजस्व खंड	15.00	73.13	*88.13*
पूंजी खंड	0.00	0.00	*0.00*
कुल (सकल)	**15.00**	**73.13#**	***88.13***

एचएससीएल के लिए गारंटी शुल्क को मांफ करने से संबंधित लेखा समायोजनों के लिए 5.18 करोड़ रूपए का प्रावधान शामिल है।

2 वास्तविक व्यय: वर्ष 2012-13 से 2014-15 (दिसम्बर 2014 तक)

पूर्व तीन वर्षो के दौरान संबंधित वर्षों के बजट अनुमान और संशोधित अनुमान की तुलना में मंत्रालय के अनुदान के अन्तर्गत वास्तविक योजना और गैर योजना व्यय (सकल) का सार नीचे दिया गया है:

(करोड़ रूपए)

वर्ष	बजट अनुमान			संशोधित अनुमान			वास्तविक व्यय		
	गैर-योजना	योजना	योग	गैर-योजना	योजना	योग	गैर-योजना	योजना	योग
2014-15	72.92	20.00	92.92	71.10	7.00	78.10	53.92	1.73	55.65*
2013-14	72.97	46.00	118.97	70.46	8.00	78.46	70.02	8.00	78.02
2012-13	75.89	46.00	121.89	220.58	26.49	247.07	218.40	24.90	243.30

*** दिसम्बर 2014 तक**

3 गैर योजना व्यय

3.1 वर्ष 2014-15 (बजट अनुमान एवं संशोधित अनुमान) में सचिवालय विशेष, विकास आयुक्त, लोहा एवं इस्पात (डी सी आई एंड एस), कोलकाता और इस मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पी.एस.यू.) समेत इस्पात मंत्रालय के गैर योजना प्रावधान तथा वर्ष 2015-16 (बजट अनुमान) में निधि की आवश्यकताओं का ब्यौरा निम्न तालिका में दिया गया है :-

(करोड़ रूपए)

सं.	मुख्य शीर्ष एवं व्यय की मदें	बजट अनुमान 2014-15	संशोधित अनुमान 2014-15	बजट अनुमान 2014-15 की तुलना में संशोधित अनुमान में % वृद्धि/ कमी	बजट अनुमान 2015-16	बजट अनुमान 2014-15 की तुलना में % वृद्धि/ कमी
I.	मुख्य शीर्ष - 3451					
1.	सचिवालय - आर्थिक सेवाएं	23.26	21.37	*-8.12%*	23.35	*0.39%*
II.	मुख्य शीर्ष - 2852					
2.	विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात, कोलकाता	0.14	0.19	*35.71%*	0.23	*-76.66%*
3.	प्रतिष्ठित धातुकर्मियों को पुरस्कार	0.23	0.25	*8.70%*	0.26	*13.04%*
4.	**ब्याज इमदाद:**					
(i)	वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान हेतु हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि. को इमदाद	44.11	44.11	*0.00%*	44.11	*0.00%*
5.	गारंटी शुल्क माफ करना (गैर-नकद संव्यवहार)					
(i)	एचएससीएल - नकद साख (सी सी) सीमा, बैंक गारंटी (बीजी) और वीआरएस ऋणों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।	5.18	5.18	*0.00%*	5.18	*0.00%*
	धटाएं- निवल प्राप्तियां [5(i) से (ii) *]#*	*-5.18*	*-5.18*	*0.00%*	*-5.18*	*0.00%*
	योग: गैर-योजना व्यय (प्राप्तियों को हटाकर)	**67.74**	**65.92**	**-2.68%**	**67.95**	**0.31%**
	योग: गैर-योजना व्यय (सकल)	**72.92**	**71.10**	**-2.50%**	**73.13**	**0.29%**

3.2 बजट अनुमान 2014-15 में 72.92 करोड़ रू. के गैर योजना प्रावधान की तुलना में वर्ष 2015-16 का बजट अनुमान प्रावधान 73.13 करोड़ रू. है।

4. योजना व्यय

4.1 लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी के प्रोत्साहन की स्कीम हेतु बजट अनुमान 2015-16 में योजना परिव्यय के लिए 15.00 करोड़ रूपये की सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) का प्रावधान किया गया है, जिसमें निम्नलिखित शामिल है:

(i) कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों हेतु प्रौद्योगिकी के विकास के एक नए घटक के लिए 1.00 करोड़ रूपए का प्रावधान।

(ii) आर एंड डी स्कीम के विद्यमान लक्ष्यों के तहत नई परियोजनाओं के लिए 14.00 करोड़ रूपए का प्रावधान।

4.2 बजट अनुमान 2014-15 में 20.00 करोड़ रू. की कुल योजना बजटीय सहायता को संशोधित अनुमान 2014-15 में कम करके 7.00 करोड़ रू. कर दिया था। उक्त आर एंड डी स्कीम के लिए बजट अनुमान 2015-16 में 15.00 करोड़ रूपये की सकल योजना बजटीय सहायता प्रदान की गई है। वर्ष 2014-15 और 2015-16 के योजना प्रावधान का ब्यौरा निम्न तालिका में दिया गया है:

योजना व्यय

(*करोड़ रूपए*)

सं.	स्कीम का नाम	2014-15 (बजट अनुमान)	2014-15 (संशोधित अनुमान)	2015-16 (बजट अनुमान)	बजट अनुमान 2014-15 की तुलना में बजट अनुमान 2015-16 में % वृद्धि/ कमी
1.	मंत्रालय की स्कीम: लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी को प्रोत्साहन				
1 (i)	जारी आर एंड डी परियोजनाएं	6.00	0.00	0.00	*-100%*
1 (ii)	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों (नए घटक) के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास	12.00	0.50	1.00	*-0.92%*
1(iii)	विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजना	2.00	6.50	14.00	*600%*
	योग	**20.00**	**7.00**	**15.00**	**-25%**

5. आर एंड डी स्कीम का सार

5.1 11वीं योजना (2007-12) के लिए इस्पात उद्योग संबंधी कार्यदल की सिफारिशों के आधार पर 11वीं पंचवर्षीय योजना में 118.00 करोड़ रू. के परिव्यय के साथ 'लोहा और इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी के प्रोत्साहन हेतु योजना' नामक एक नई योजना को शामिल किया गया था । इस योजना का उद्देश्य भारतीय लौह अयस्क चूर्ण और अकोककर कोयले का उपयोग करने वाली नवीन/पाथ ब्रेकिंग टेक्नालॉजी को विकसित करने में आर एंड डी कार्यों को प्रोत्साहित करना तथा इनमें तेजी लाना, इंडक्शन फर्नेस रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना तथा लौह अयस्क, कोयला आदि जैसी कच्ची सामग्री का बेनिफिसिएशन और सम्मिश्रण (जैसे पैलेटाइजेशन) करना है। इस योजना को वित्तीय वर्ष 2009-10 से (दिनांक 01.04.2009 से) कार्यान्वित करने के लिए दिनांक 23.1.2009 को अनुमोदन प्रदान किया गया था।

5.2 स्कीम को 200 करोड़ रूपये की आवंटन के साथ 12वीं पंचवर्षीय के साथ जारी रखा गया था। 12वीं पंचवर्षीय योजना में निम्नलिखित अतिरिक्त उद्देश्यों को शामिल करने के लिए स्कीम को संशोधित किया गया था:-

(i) सीआरजीओ और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों के विकास पर कार्रवाई करना।

(ii) लोहा और इस्पात क्षेत्र हेतु राष्ट्रीय महत्व की अन्य परियोजनाओं पर कार्रवाई करना।

5.3 स्कीम के तहत योजना निधि आबंटन और जारी की गई धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

अवधि	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक
2010-11	35.00	29.00	27.05
2011-12	39.00	29.00	9.63
2012-13	46.00	26.49	24.89
2013-14	46.00	8.00	8.00
2014-15	20.00	7.00	1.73*

* दिसम्बर, 2014 तक

6. वर्ष 2015-16 (बजट अनुमान) के लिए वार्षिक योजना परिव्यय

6.1 वित्त मंत्रालय के साथ हुए विचार-विमर्श तथा 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) को समग्र रूप से ध्यान में रखते हुए उन्हें दी गई सूचना के आधार पर इस्पात मंत्रालय के लिए वर्ष 2015-16 (बजट अनुमान) हेतु योजना परिव्यय निम्नलिखित है:-

(करोड़ रूपए)

		वास्तविक 2013-14	बजट अनुमान 2014-15	संशोधित अनुमान 2014-15	बजट अनुमान 2015-16
क)	सकल बजटीय सहायता	8.00	20.00	7.00	15.00
	जीबीएस का ईएपी घटक	0.00	0.00	0.00	0.00
ख)	आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधन (आई एंड ईबीआर)	14025.49	15373.22	13265.28	13070.47
	योग	**14033.49**	**15393.22**	**13272.28**	**13085.47**

6.2 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पी.एस.यूज) का योजना परिव्यय :-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	पीएसयूज/ संगठन का नाम	बजट अनुमान 2014-15			संशोधित अनुमान 2014-15			बजट अनुमान 2014-15		
		आईईबीआर	बीएस	परिव्यय	आईईबीआर	बीएस	परिव्यय	आईईबीआर	बीएस	परिव्यय
क.	**केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें**									
1	सेल	9000.00	0.00	9000.00	7800.00	0.00	7800.00	7500.00	0.00	7500.00
2	आरआईएनएल #	1724.17	0.00	1724.17	1722.24	0.00	1722.24*	1801.00	0.00	1801.00**
3	एचएससीएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4	मेकॉन लिमिटेड	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00
5	एमएसटीसी लिमिटेड	45.00	0.00	45.00	5.00	0.00	5.00	10.00	0.00	10.00
6	एफएसएनएल	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00
7	एनएमडीसी लिमिटेड	4345.00	0.00	4345.00	3555.00	0.00	3555.00	3588.00	0.00	3588.00
8	केआईओसीएल लिमिटेड	50.00	0.00	50.00	13.00	0.00	13.00	27.00	0.00	27.00
9	मॉयल लिमिटेड	192.05	0.00	192.05	153.04	0.00	153.04	127.47	0.00	127.47
10	लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढावा देने की योजना									
10(i)	चल रही आर एंड डी परियोजनाएं	0.00	6.00	6.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
10(ii)	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों (नए घटक) के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास	0.00	12.00	12.00	0.00	0.50	0.50	0.00	1.00	1.00
10(iii)	लोहा/इस्पात निर्माण की नई प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास (विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजना)	0.00	2.00	2.00	0.00	6.50	6.50	0.00	14.00	14.00
	योग – क	***15373.22***	***20.00***	***15393.22***	***13265.28***	***7.00***	***13272.28***	***13070.47***	***15.00***	***13085.47***
ख.	**केंद्र द्वारा प्रायोजित परियोजनाएं**	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग – ख	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***
	सकल योग-क + ख	***15373.22***	***20.00***	***15393.22***	***13265.28***	***7.00***	***13272.28***	***13070.47***	***15.00***	***13085.47***

ओएमडीसी लिमिटेड और बीएसएलसी लिमिटेड तत्कालीन बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज के घटक थी जो कि अब आरआईएनएल की सहायक पीएसयू बन गई हैं और इनके आंकड़े आरअ साथ सम्मिलित हैं। (*आरई- 2014-15: आरआईएनएल **-** 1535.00**+** ओएमडीसी **–** 187.24 **=** 1722.24) और (**बीई 2015-16: आरआईएनएल- 1402.00**+** ओएमडीसी- 1801.00)

$ एफएसएनएल, एमएसटीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी है।

6.3 इस्पात मंत्रालय का वर्ष 2015-16 (बजट अनुमान) का योजना परिव्यय 13085.47 करोड़ रूपए है जिसका वित्त पोषण 15.00 करोड़ रूपए की अनुमोदित सकल बजटीय सहायता और 13070.47 करोड़ रूपए की आईईबीआर से किया जाएगा। आर एण्ड डी स्कीम हेतु 15.00 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता में से 1.00 करोड़ रूपए का प्रावधान कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों के संबंध में प्रौद्योगिकी के विकास के लिए किया गया है। नई परियोजनाओं के लिए 14.00 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

6.4. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की विभिन्न स्कीमों के लिए बजट अनुमान 2015-16 में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम-वार प्रदान किए गए परिव्ययों का संक्षेप में विवरण नीचे दिया गया है:-

(i) वार्षिक योजना 2015-16 (ब.अ.) में 13070.47 **करोड़ रूपये** के कुल परिव्यय में से **7500.00 करोड़ रूपये स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)** को विभिन्न चल रही और नई स्कीमों/परियोजनाओं तथा अनुसंधान कार्यों के लिए प्रदान किए गए हैं।

(ii) **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड** के लिए ***1801.00 करोड़ रू.*** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें से अधिकांश भाग को आरआईएनएल की उत्पादन क्षमता बढ़ाने हेतु निश्चित किया गया है। शेष परिव्यय एएमआर स्कीमों के लिए है। आरआईएनएल के परिव्यय में दो सहायक कंपनियों यथा ओएमडीसी लिमिटेड और बीएसएलसी लिमिटेड जो कि तत्कालीन बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज के घटक थे, का परिव्यय भी शामिल है।

(iii) **एनएमडीसी लिमिटेड** के लिए नागरनार, छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता के इस्पात संयंत्र हेतु ***3588.00 करोड़ रू.*** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। शेष परिव्यय एएमआर/टाउनशिप, तथा अनुसंधान एवं विकास स्कीमों के लिए किया गया है।

(iv) **केआईओसीएल लिमिटेड** के लिए ***27.00 करोड़ रू.*** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जो एएमआर स्कीमों और अनंनतपुरामू खान के विकास हेतु तथा अनंनतपुरामू में पैलेटाइजेशन एवं बेनिफिशिएशन संयत्र की स्थापना हेतु प्रदान किया गया है। शेष परिव्यय विभिन्न चल रही स्कीमों तथा अनुसंधान एवं विकास/व्यवहार्यता अध्ययनों के लिए

(v) **मॉयल लिमिटेड** के लिए ***127.47 करोड़ रू.*** के परिव्यय का प्रावधान फैरो मैंगनीज/सिलिको मैंगनीज संयंत्र के लिए आरआईएनएल और सेल के साथ संयुक्त उद्यम में निवेश करने, तथा एएमआर स्कीमों, टाउनशिप, अनुसंधान एवं विकास/व्यवहार्यता अध्ययन आदि के लिए किया गया है।

(vi) **मेकॉन लिमिटेड** के लिए ***5.00 करोड़ रूपए*** का परिव्यय विभिन्न स्थानों पर कार्यालय स्थान/अतिथि गृह के विस्तार, आधुनिकीकरण और उसे बढ़ाने के लिए प्रदान किया गया है।

(vii) **एमएसटीसी लिमिटेड** के लिए 10***.00 करोड़ रू.*** का परिव्यय श्रेडिंग प्लांट की स्थापना के लिए प्रदान किया गया है जिसे आई एंड ईबीआर से पूरा किया जाएगा।

(viii) **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड** के लिए ***12.00 करोड़ रू.*** के परिव्यय का प्रावधान एएमआर स्कीमों के लिए किया गया है।

7. 12वीं पंचवर्षीय योजना में सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) का वर्ष-वार विश्लेषण

7.1 12वीं योजना (2012-17) के लिए 200.00 करोड़ रूपए की सकल बजटीय सहायता का स्कीम-वार ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:-

मंत्रालय की स्कीम: लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी को प्रोत्साहन

(करोड़ रूपए)

सं.	स्कीम का नाम	12वीं योजना (2012-17)	2012-13		2013-14		2014-15		2015-16
			बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	बजट अनुमान
1(i)	जारी आर एंड डी परियोजनाओं	32.87	44.00	26.49	12.00	8.00	6.00	0.00	0.00
1(ii)	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों (नए घटक) के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास	150.00	0.00	0.00	32.00	0.00	12.00	0.50	1.00
1(iii)	लोहा/इस्पात निर्माण की नई प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास – (विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजनाएं)	17.13	0.00	0.00	2.00	0.00	2.00	6.50	14.00
	योग	**200.00**	**46.00***	**26.49**	**46.00**	**8.00**	**20.00**	**7.00**	**15.00**

***** दो अतिरिक्त स्कीमों के लिए 2.00 करोड़ रूपये का सांकेतिक प्रावधान किया गया था जिन्हे योजना आयोग द्वारा कम समग्र आवंटन किए जाने के कारण आरई चरण में ड्रॉप कर दिया गया था।

7.2 बजट अनुमान 2014-15 में 20.00 करोड़ रूपये का आवंटन किया गया था, जिसे संशोधित चरण में घटाकर 7.00 रूपए कर दिया गया था। बजट अनुमान 2015-16 में सकल योजना बजटीय सहायता के रूप में 15.00 करोड़ रूपए का आवंटन किया गया है।

8. वर्ष 2014-15 के दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय

वर्ष 2014-15 के दौरान (दिसम्बर, 2014 तक) योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान योजना आयोग ने 15993.22 करोड़ रूपए (आईईबीआर के रूप में 15373.22 करोड़ रूपए और जीबीएस के रूप में 20.00 करोड़ रूपए) का परिव्यय अनुमोदित किया है। वर्ष 2014-15 (बजट अनुमान) के लिए अनुमोदित परिव्यय और दिसम्बर, 2014 तक के वास्तविक व्यय के स्रोत-वार ब्यौरे नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम	2014-15 (बजट अनुमान)			2014-15 (संशोधित अनुमान)			2014-15 वास्तविक व्यय (दिसम्बर, 2014 तक)		
		आईएंडईबीआर	बी.एस.	कुल	आईएंडईबीआर	बी.एस.	कुल	आईएंडईबीआर	बी.एस.	कुल
क	**केंद्र क्षेत्र की स्कीम**									
1	सेल	9000.00	0.00	9000.00	7800.00	0.00	7800.00	5133.00	0.00	5133.00
2	आरआईएनएल^	1724.17	0.00	1724.17	1722.24	0.00	1722.24	989.06	0.00	989.06
3	एचएससीएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4	मेकॉन लिमिटेड	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00	3.74	0.00	3.74
5	एमएसटीसी लिमिटेड	45.00	0.00	45.00	5.00	0.00	5.00	0.00	0.00	0.00
6	एफएसएनएल लिमिटेड	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00	6.00	0.00	6.00
7	एनएमडीसी लिमिटेड	4345.00	0.00	4345.00	3555.00	0.00	3555.00	2224.80	0.00	2224.80
8	केआईओसीएल लिमिटेड	50.00	0.00	50.00	13.00	0.00	13.00	7.94	0.00	7.94
9	मॉयल लिमिटेड	192.05	0.00	192.05	153.04	0.00	153.04	73.45	0.00	73.45
ख	**केंद्र द्वारा प्रायोजित स्कीम**									
10	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी की प्रोत्साहन स्कीम									
10(i)	चल रही आर एंड डी परियोजनाएं	0.00	6.00	6.00	0.00	0.00	0.00	--	0.00	0.00
10(ii)	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों (नए घटक) के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास	--	12.00	12.00	0.00	0.50	0.50	--	0.25	0.25
10(iii)	लोहा/इस्पात निर्माण की नई प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास – (विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजनाएं)	--	2.00	2.00	0.00	6.50	6.50	--	1.48	1.48
	सकल योग (क + ख)	**15373.22**	**20.00**	**15393.22**	**13265.28**	**7.00**	**13272.28**	**8437.99**	**1.73**	**8439.72**

^ओएमडीसी लिमिटेड और बीएसएलसी लिमिटेड तत्कालीन बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज के घटक थी जो कि अब आरआईएलएल की सहायक कंपनियां बन गई हैं और इनके आंकड़े आरआईएनएल के साथ सम्मिलित हैं।

9. बकाया समुपयोजन प्रमाण पत्रों की स्थिति

31.03.2014, की स्थितिनुसार कोई समुपयोजन प्रमाण पत्र लंबित नहीं है।

******